असंशोधित

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

01 मार्च, 2023

सप्तदश विधान-सभा बुधवार, तिथि 01 मार्च, 2023 ई0
अष्टम सत्र 10 फाल्गुन, 1944(शक)

(कार्यवाही प्रारम्भ होने का समय -11.00 बजे पूर्वा0)
(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष: सभा की कार्यवाही प्रारम्भ की जाती है । अल्पसूचित प्रश्न लिये जायेंगे । माननीय सदस्य, श्री पवन कुमार जायसवाल ।

(व्यवधान)

प्रश्नोत्तर काल

अल्पसूचित प्रश्न संख्या-7(श्री पवन कुमार जायसवाल, क्षेत्र सं0-21, ढाका)

(नहीं पूछा गया)

अध्यक्ष: माननीय सदस्य, श्री अरूण शंकर प्रसाद ।

(व्यवधान जारी)

अल्पसूचित प्रश्न संख्या-8 (श्री अरूण शंकर प्रसाद, क्षेत्र सं0-33, खजौली)

(नहीं पूछा गया)

अध्यक्ष: माननीय सदस्य, श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह ।

(व्यवधान जारी)

अल्पसूचित प्रश्न संख्या- 9(श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह, क्षेत्र सं0-194, आरा)

(नहीं पूछा गया)

अध्यक्ष: माननीय सदस्य प्रश्नकाल को चलने दिया जाय । आपलोग स्थान ग्रहण करें, उसके बाद जो आपको कहना होगा अपने स्थान से इजाजत लेकर कहेंगे, तबतक प्रश्नकाल को बाधित नहीं किया जाय । माननीय सदस्यों का प्रश्नकाल है और ये पोस्टर बैनर जो लेकर खड़े हैं, यह शोभा नहीं दे रहा है । संसदीय व्यवस्था में वेल में आकर पोस्टर बैनर दिखाना अशोभनीय है । मार्शल, ये तमाम पोस्टर ले लें आप।

(इस अवसर पर विपक्ष के माननीय सदस्यगण सदन के वेल में आ गये)

अध्यक्ष: माननीय सदस्य, श्री संजय सरावगी । आप अपने स्थान को ग्रहण करें ।

अल्पसूचित प्रश्न संख्या-10(श्री संजय सरावगी, क्षेत्र सं0-83, दरभंगा)

(नहीं पूछा गया)

अध्यक्ष: माननीय सदस्य, श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह ।

अल्पसूचित प्रश्न संख्या- 11(श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह, क्षेत्र सं0-194, आरा)

(नहीं पूछा गया)

अध्यक्ष: अब तारांकित प्रश्न लिये जायेंगे । माननीय सदस्य, श्री चेतन आनंद ।

तारांकित प्रश्न संख्या- 149(श्री चेतन आनंद, क्षेत्र सं0-22, शिवहर)

अध्यक्ष: माननीय मंत्री, पथ निर्माण विभाग ।

(व्यवधान जारी)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उपमुख्यमंत्री: वस्तुस्थिति यह है कि प्रश्नाधीन पथ जिला परिषद् द्वारा निर्मित पी0सी0सी0 पथ है, जिसकी लम्बाई 1.00 कि0मी0 है । पथ की स्थिति खराब है । पथ के कुछ स्थानों में अतिक्रमण है । पथ की मरम्मती हेतु नई अनुरक्षण नीति, 2018 अंतर्गत प्राक्कलन तैयार किया जा रहा है । अतिक्रमण मुक्त कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई करते हुए निधि की उपलब्धता एवं प्राथमिकता के आधार पर अग्रेत्तर कार्रवाई की जा सकेगी ।

(व्यवधान जारी)

अध्यक्ष: माननीय सदस्य, माननीय मंत्री ने बहुत ही स्पष्ट जवाब दिया है । आप स्थान ग्रहण करें । माननीय सदस्य, श्री मनोज कुमार यादव ।

(व्यवधान जारी)

तारांकित प्रश्न संख्या- 150 (श्री मनोज कुमार यादव, क्षेत्र सं0-16 कल्याणपुर)

(अनुपस्थित)

अध्यक्ष: माननीय सदस्य, श्री श्यामबाबू प्रसाद यादव ।

तारांकित प्रश्न संख्या- 151(श्री श्याम बाबू प्रसाद यादव, क्षेत्र सं0-17 पिपरा)

(नहीं पूछा गया)

अध्यक्ष: माननीय सदस्य, श्री राज कुमार सिंह ।

(व्यवधान जारी)

तारांकित प्रश्न संख्या- 152 (श्री राज कुमार सिंह, क्षेत्र सं0-144 मटिहानी)

अध्यक्ष: मंत्री, जल संसाधन विभाग ।

श्री राज कुमार सिंह: जवाब मिल गया है लेकिन मेरा सिर्फ यह कहना है कि

(व्यवधान जारी)

श्री संजय कुमार झा,मंत्री: आंशिक स्वीकारात्मक ।

वस्तुस्थिति यह है कि बेगूसराय जिला के मटिहानी विधानसभा के बेगूसराय प्रखंड अन्तर्गत विनोदपुर पचंबा और सहुरी संयुक्त पंचायत में कृषि योग्य भूमि पर जल जमाव की स्थिति नहीं है तथा वर्तमान में कृषि योग्य भूमि पर गेहूं, सरसों, गन्ना एवं अन्य फसलों की खेती की गयी है । बरसात के दिनों में बघौना चौर से जल की निकासी सतही बहाव के द्वारा टकटैया चौर होते हुए

पूर्व से निर्मित सहुरी- बगबारा नाला के माध्यम से झांझपुल से मोहन ग्राम के पास बूढ़ी गंडक नदी में होती है एवं भौकराहा चौर से जल की निकासी देवकी नाला होते हुए जिनेदपुर में पूर्व से निर्मित नाले के द्वारा कोल नदी में होती है । प्रश्नगत चौरों से बाढ़ अवधि के उपरान्त स्वतः जल की निकासी हो जाती है ।

प्राकृतिक चौर पर्यावरण संरक्षण यथा भू-जल पुनर्भरण, जैव विविधता आदि के लिए लाभप्रद होता है । इन चौरों से जल निकासी होने पर इस क्षेत्र के प्राकृतिक पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा । ऐसे चौरों का विकास स्थानीय क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों यथा मखाना उत्पादन, मछली उत्पादन आदि के लिए चौर विकास योजना के तहत सरकार द्वारा कार्य कराया जा रहा है । पुल, सड़क, संरचना आदि के निर्माण के फलस्वरूप हो रहे जल जमाव के लिए आवश्यकतानुसार प्रस्ताव तैयार किया जायेगा ।

विभागीय पत्रांक- 1207, दिनांक 27.02.2023 द्वारा मुख्य अभियंता, बाढ़ नियंत्रण एवं जल निस्सरण, समस्तीपुर को सर्वेक्षणोंपरान्त इस संबंध में एक विस्तृत प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु निदेशित किया गया है ।

(व्यवधान जारी)

श्री राज कुमार सिंहः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी सहुरी बगवारा नाला और देवकी नाला, मैंने इन्हीं दो नालों के उड़ाही की बात की है । इन दोनों नालों की उड़ाही हो जाती है और इससे गाद निकल जाती है तो चौर से समय से पानी भी निकल जायेगा और वहां की जो कृषि योग्य भूमि है, वहां पर समय से कृषि कार्य भी हो पायेगा और इससे पर्यावरण पर अनुकूल प्रभाव भी पड़ेगा तो क्या इन दोनों नालों की उड़ाही और उससे गाद की निकासी का कार्य मंत्री महोदय जल्दी से जल्दी करवा देंगे । मैंने पिछले सत्र में भी यह सवाल पूछा था और उस पर भी सकारात्मक जवाब आया था कि इस नाले की उड़ाही हो जायेगी ।

श्री संजय कुमार झा, मंत्रीः महोदय, मैंने स्पष्ट कहा कि जो नेचुरल चौर है उसको तो हमलोग नहीं टच कर सकते हैं लेकिन जो माननीय विधायक ने कहा है, चीफ इंजीनियर, समस्तीपुर को हमलोगों ने निर्देशित किया है, जाकर के पूरा सर्वेक्षण कर के रिपोर्ट भेजने के लिए, यह हमने किया है ।

अध्यक्षः माननीय विधायक आपका जवाब माननीय मंत्री ने दे दिया है,आप स्थान ग्रहण करें। माननीय सदस्य, श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ रिंकू सिंह ।

(व्यवधान जारी)

<u>तारांकित प्रश्न संख्या-153(श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ रिंकू सिंह, क्षेत्र सं0-1, वाल्मीकिनगर)</u>

(अनुपस्थित)

अध्यक्षः माननीय सदस्या, श्रीमती भागीरथी देवी ।

तारांकित प्रश्न संख्या- 154 (क्षेत्र सं0-2, रामनगर, अ0जा0)

(नहीं पूछा गया)

अध्यक्षः माननीय सदस्य, श्री विद्या सागर केशरी ।

तारांकित प्रश्न सं0-155(श्री विद्या सागर केशरी, क्षेत्र सं0-48, फारबिसगंज)

(नहीं पूछा गया)

अध्यक्षः माननीय सदस्य, श्री राकेश कुमार रौशन ।

तारांकित प्रश्न संख्या- 156(श्री राकेश कुमार रौशन, क्षेत्र सं0-174, इस्लामपुर)

(अनुपस्थित)

अध्यक्षः माननीय सदस्य, श्री नन्दकिशोर यादव ।

तारांकित प्रश्न संख्या-157 (श्री नन्द किशोर यादव, क्षेत्र सं0-184,पटना साहिब)

(नहीं पूछा गया)

अध्यक्षः माननीय सदस्य, श्री भीम कुमार सिंह ।

तारांकित प्रश्न संख्या-158 (श्री भीम कुमार सिंह,क्षेत्र सं0-219 गोह)

(व्यवधान जारी)

अध्यक्षः माननीय मंत्री, पथ निर्माण विभाग ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उपमुख्यमंत्रीः अस्वीकारात्मक ।

वस्तुस्थिति यह है कि औरंगाबाद जिलान्तर्गत प्रश्नगत पथांश देवहरा-देवकुण्ड पथ का निर्माण RCPLWE योजनान्तर्गत विशिष्टियों के अनुरूप कराया जा रहा है जिसमें गुणवत्ता की जांच स्टेट क्वालिटी मोनेटरिंग एवं नेशनल क्वालिटी मोनेटरिंग दल द्वारा किया जाता रहा है । गुणवत्ता जांच प्रतिवेदन में कराये गये कार्य संतोषप्रद प्रतिवेदित है । किसी प्रकार की प्रतिकुल टिप्पणी नहीं है ।

दाउदनगर-गया पथ से कोईलवां-पौथू-भारतीपुर होते हुए अमवा-सिवाना पथ का निर्माण आर0सी0पी0एल0डब्लू0ई0 योजनान्तर्गत कराया गया है । वर्त्तमान में मेनटेनेंस में होने के कारण समय समय पर मरम्मति की जाती है । गया-कोईलवां पथ भाया परैया गुरारू रफीगंज पौथू पथ का निर्माण आर0सी0पी0एल0डब्लू0ई0 योजनान्तर्गत कराया जा रहा है जिसमें गुणवत्ता की जांच स्टेट क्वालिटी मोनेटरिंग एवं नेशनल क्वालिटी मोनेटरिंग दल द्वारा किया गया है । भारतीपुर, कोईलवॉ एवं झिंगुरी में भूमि की अनुपलब्धता के कारण नाला निर्माण नहीं कराया जा सका है ।

(व्यवधान जारी)

अध्यक्षः माननीय सदस्य, श्री पवन कुमार जायसवाल ।

टर्न–2/मधुप/01.03.2023

तारांकित प्रश्न संख्या–159 (श्री पवन कुमार जायसवाल, क्षेत्र सं0 21 ढाका)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री पवन कुमार जायसवाल ।

(प्रश्न नहीं पूछा गया)

तारांकित प्रश्न संख्या–160 (श्री सुदामा प्रसाद, क्षेत्र सं0 196 तरारी)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री सुदामा प्रसाद । माननीय मंत्री ।

(व्यवधान जारी)

अरे यह क्या किया है ? आप अपनी बात को कह रहे हैं या यह क्या हो रहा है? माननीय सदस्य श्री सुदामा प्रसाद ।

श्री सुदामा प्रसाद : पूछता हूँ, सर ।

अध्यक्ष : माननीय मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : 1– आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है वस्तुस्थिति यह है कि प्रश्नाधीन पथ की मरम्मती हेतु बिहार ग्रामीण पथ अनुश्रवण नीति–2018 अन्तर्गत चयनित किया जा चुका है । सम्प्रति प्रशासनिक स्वीकृति की प्रक्रिया में है। तद्नुसार इसकी मरम्मती कराया जाना संभव हो सकेगा ।

2– खंड–1 में स्थिति स्पष्ट कर दी गई है ।

श्री सुदामा प्रसाद : महोदय, कबतक यह सड़क बनेगी ? समय बताया जाय, सर ।

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी कह रहे हैं कि इसमें कार्रवाई हो रही है, कार्रवाई होगी ।

श्री सुदामा प्रसाद : ठीक है, धन्यवाद ।

(व्यवधान जारी)

तारांकित प्रश्न संख्या–161 (श्रीमती नीतु कुमारी, क्षेत्र सं0 236 हिसुआ)

अध्यक्ष : माननीय सदस्या श्रीमती नीतु कुमारी ।

(माननीय सदस्या अनुपस्थित)

तारांकित प्रश्न संख्या–162 (श्री राज कुमार सिंह, क्षेत्र सं0 144, मटिहानी)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री राज कुमार सिंह । माननीय मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग ।

(व्यवधान जारी)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि प्रश्न दो बसावटों को सम्पर्कता प्रदान करने से संबंधित है :–

1. पथला टोला– इस टोला को जी0टी0एस0एन0वाई0 अन्तर्गत निर्मित पथला टोला स्कूल से सूर्यगढ़ा कोईलवा बरबसवा टी01 पथ से सम्पर्कता प्राप्त है । पथ

अनुरक्षण अवधि में है एवं अनुरक्षण कार्य कराया जा रहा है । पथ की स्थिति संतोषप्रद है ।

2. झगड़ाहा जगनसैदपुर- इस बसावट को सम्पर्कता प्रदान करने हेतु प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अन्तर्गत टी01 से जगनसैदपुर पथ निर्माणाधीन है । इस पथ की लम्बाई 1.67 कि0मी0 है । जिसमें पथ के प्रारंभ से 500 मीटर तक पी0सी0सी0 का कार्य हो चुका है। शेष पथांश 1.17 कि0मी0 में निजी जमीन होने के कारण कार्य नहीं हो पाया है एवं भू-अर्जन की प्रक्रिया में है । भू-अर्जन की प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण करा लिया जायेगा।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, माननीय मंत्री जी ने स्पष्ट जवाब दिया है कि भू-अर्जन की कार्रवाई समाप्त होने के बाद कार्य करा दिया जायेगा ।

श्री राज कुमार सिंह : महोदय, मैं वही पूछना चाह रहा हूँ चूंकि झगड़ाहा जगनसैदपुर पूरी तरह से पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों का गॉव है और उसको आज तक मुख्य सड़क से सम्पर्कता नहीं मिल पायी है । यह भू-अर्जन की प्रक्रिया कई वर्षों से चल रही है । मेरा माननीय मंत्री जी से यही पूछना है कि क्या इस आने वाले वित्तीय वर्ष में भू-अर्जन की प्रक्रिया को पूर्ण कर उनको सम्पर्कता दे दी जायेगी ?

अध्यक्ष : माननीय मंत्री ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : हमारी कोशिश है कि जल्द से जल्द भू-अर्जन की प्रक्रिया को पूर्ण कर लिया जाय ।

(व्यवधान जारी)

तारांकित प्रश्न संख्या-163 (श्री प्रकाश वीर, क्षेत्र सं0 235 रजौली(अ0जा0)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : अध्यक्ष महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि प्रश्नगत नदी की चौड़ाई 70 मीटर है । नदी के एक तरफ बहादुरपुर बसावट है जो सुखरन मोड़ से खटांगी आर0सी0डी0 पथ पर अवस्थित है । नदी के दूसरी तरफ रमराई चक, जीरवातरी, मोहनरीया, नदी कलौंदा एवं लवनी बसावट है जिन्हें क्रमशः एम0एम0जी0एस0वाइ0 अन्तर्गत निर्मित रमराई चक पासी टोला से जीरवातरी अनुसूचित जाति टोला तक पथ जी0टी0एस0एन0वाइ0 अन्तर्गत निर्मित जीरवातरी से जीरवातरी अनुसूचित जाति टोला तक पथ एवं एम0एम0जी0एस0वाइ0 अन्तर्गत निर्माणाधीन खटांगी पथ से लवनी तक पथ से सम्पर्कता प्राप्त हो जायेगी ।

इन सभी बसावटों को सुखरन मोड़ से खटांगी आर0सी0डी0 पथ पर आने हेतु बहादुरपुर एवं रमराईचक...

(व्यवधान जारी)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, ऐसा न करें । अपने-अपने स्थान को ग्रहण करें । आपको समय दिया जायेगा । आप अपना स्थान ग्रहण करें ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : बसावट के बीच तिलैया नदी पर उच्च स्तरीय पुल के निर्माण हेतु संबंधित कार्यपालक अभियंता से टेक्नो फिजिविलिटी रिपोर्ट की माँग की गयी है ।

(व्यवधान जारी)

अध्यक्ष : अरे यह क्या कर रहे हैं ? खड़ा होकर वे बोल रहे हैं, यह क्या कर रहे हैं ?

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : समीक्षोपरान्त अग्रेतर कार्रवाई की जा सकेगी ।

(व्यवधान जारी)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, ऐसा आचरण कीजियेगा तो मजबूर होकर आपके उपर कार्रवाई करने को हम बाध्य होंगे । हम बतला देते हैं आपको । ऐसा आचरण करेंगे तो आपके उपर कार्रवाई करने के लिए मैं बाध्य हो जाऊंगा । इसलिये आप स्थान ग्रहण करें ।

तारांकित प्रश्न संख्या-164 (श्री जनक सिंह, क्षेत्र सं0 116 तरैया)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री जनक सिंह जी ।

(प्रश्न नहीं पूछा गया)

तारांकित प्रश्न संख्या-165 (श्रीमती मंजु अग्रवाल, क्षेत्र सं0 226 शेरघाटी)

अध्यक्ष : माननीय सदस्या श्रीमती मंजु अग्रवाल ।

(माननीय सदस्या अनुपस्थित)

तारांकित प्रश्न संख्या-166 (श्री विजय कुमार खेमका, क्षेत्र सं0 62, पूर्णियॉ)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री विजय कुमार खेमका ।

(प्रश्न नहीं पूछा गया)

(व्यवधान जारी)

तारांकित प्रश्न संख्या-167 (श्रीमती शालिनी मिश्रा, क्षेत्र सं0 15 केसरिया)

श्री श्रवण कुमार, मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, स्वीकारात्मक है । राज्य सरकार सभी नवसृजित एवं पुराने वैसे प्रखंड जिनके जीर्णोद्धार/मरम्मति की आवश्यकता है, उसके कार्यालय एवं आवासीय भवन तथा परिसर विकास के लिए कृत-संकल्पित है । अबतक 82 प्रखंडों में प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय-सह आवासीय भवन का निर्माण किया जा रहा है ।

(व्यवधान जारी)

अध्यक्ष : आप ऐसा क्यों कर रहे हैं, अपने बात को जो कर रहे हैं, ऐसा क्यों कर रहे हैं ?

श्री श्रवण कुमार, मंत्री : साथ-ही, 101 प्रखंडों में आधारभूत संरचना की उपलब्धता हेतु 'प्रखंड सूचना प्रोद्योगिकी केन्द्र' का भी निर्माण कराया जा रहा है ।

शेष प्रखंडों को रचणबद्ध तरीके से प्रखंड कार्यालय एवं आवासीय भवन तथा परिसर विकास कराने की सरकार की योजना है । प्राथमिकता के आधार पर पूर्वी चम्पारण जिला के केसरिया प्रखंड को अगले चरण में शामिल किया जा सकेगा ।

श्रीमती शालिनी मिश्रा : महोदय, माननीय मंत्री जी ने सकारात्मक उत्तर दिया है । मैं बस यही जानना चाहती हूँ कि अगले आने वाले वित्तीय वर्ष में केसरिया प्रखंड में प्रखंड का भवन एवं आवासीय परिसर हो जायेगा ?

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी ने बहुत ही स्पष्ट जवाब दिया है, आपको संतुष्ट होना चाहिए ।

श्रीमती शालिनी मिश्रा : महोदय, समय सीमा नहीं दी गई है, मैं बस समय सीमा जानना चाहती हूँ। अगले वित्तीय वर्ष में क्या यह हो जायेगा ?

अध्यक्ष : माननीय मंत्री ।

श्री श्रवण कुमार, मंत्री : महोदय, माननीय सदस्या की चिन्ता दूर कर देंगे । उनको चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है ।

अध्यक्ष : आपकी चिन्ता दूर कर दी जायेगी ।

श्रीमती शालिनी मिश्रा : बहुत-बहुत धन्यवाद ।

(व्यवधान जारी)

तारांकित प्रश्न संख्या-168 (श्री कौशल किशोर, क्षेत्र सं0 173 राजगीर(अ0जा0)

श्री संजय कुमार झा, मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि नालन्दा जिलान्तर्गत गिरियक प्रखंड में पंचाने नदी पर पंचाने सिंचाई योजना के अधीन वीयर निर्मित है। वीयर से निःसृत बायॉ मुख्य नहर से प्रश्नगत ग्रामों में सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी जाती है । बायॉ मुख्य नहर का निर्धारित सिंचाई लक्ष्य 2000 हेक्टेयर क्षेत्र है, जिसके विरूद्ध जल उपलब्धता की स्थिति में पूर्ण सिंचाई उपलब्धि प्राप्त किया जाता है । परंतु विगत वर्ष अल्पवृष्टि के कारण पर्याप्त जल उपलब्ध नहीं रहने से 1200 हेक्टेयर क्षेत्र में ही सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी गयी है ।

प्रश्नगत क्षेत्रों में भूगर्भ जल स्तर में लगातार गिरावट को ध्यान में रखते हुए भूगर्भ जल रिचार्ज हेतु विषयांकित नहर के पक्कीकरण का कोई प्रस्ताव नहीं है।

टर्न–3/आजाद/01.03.2023

(व्यवधान जारी)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आपके प्रश्न का स्पष्ट जवाब माननीय मंत्री जी ने दे दिया है, इसलिए अब आप स्थान ग्रहण करें ।

माननीय सदस्य श्री कुमार कृष्ण मोहन उर्फ सुदय यादव ।

(व्यवधान जारी)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : यह क्या तरीका है, ये क्या करना चाहते हैं ....

अध्यक्ष : आप मंत्री रहे हैं, इस तरह का कार्य नहीं होना चाहिए । प्रजातांत्रिक व्यवस्था में विरोध होता है लेकिन विरोध करने का यह तरीका नहीं है । आप अपने–अपने स्थान पर जायं ।

माननीय संसदीय कार्य मंत्री ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : महोदय, अगर ....

अध्यक्ष : आपके प्रमाण पत्र की आवश्यकता मुझे नहीं है । मुझे संसदीय व्यवस्था की जानकारी है । माननीय मंत्री, संसदीय कार्य विभाग ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : महोदय, आपके ही बात कह रहे हैं । महोदय, अगर नेता, प्रतिपक्ष कुछ कहना चाहते हैं तो सारे सदस्यों को अपने स्थान पर बैठाकर के वे कह दें और फिर आप रूलिंग दे दीजिए । इस तरह से सदन का अपमान हो रहा है न ।

अध्यक्ष : माननीय नेता विरोधी दल, आपको जो कुछ कहना चाहते हैं, कहें लेकिन आप पहले अपने माननीय सदस्यों को अपने–अपने स्थान पर बैठने के लिए कहें ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : अब क्या चाहिए । अब आप उनको कहने की इजाजत दे रहे हैं, अब तो सदस्यों को अपनी जगह पर बैठायें ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप अपने–अपने जगह पर जाईए, उनको तो कहने के लिए इजाजत दे दिया गया । माननीय सदस्या निक्की हेम्ब्रम जी, आपके नेता को कुछ कहने के लिए अवसर दिया गया है, आप अपनी जगह ले लीजिए, आप अपने स्थान पर बैठिए ।

(इस अवसर पर विपक्ष के माननीय सदस्यगण वेल से अपनी–अपनी सीट पर चले गये ।)

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : आपने उदारता दिखाते हुए प्रश्नकाल में भी नेता प्रतिपक्ष को बोलने की इजात दी है । सरकार को कोई एतराज नहीं है लेकिन प्रतिपक्ष को भी इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि जब वो अपनी बात कह लें, आप अपना नियमन दे दें तो उसके बाद फिर ऐसी स्थिति नहीं आनी चाहिए । नहीं तो आप नियमन दे दें और सबसे बड़ी बात है नेता प्रतिपक्ष स्वयं उस आसन से टेबुल

पटकने को रोकते रहे हैं, कार्रवाई करने के लिए कहते रहे हैं, इसलिए आप वो अपनी बात कह देंगे, आप अपना नियमन दे दीजिए और फिर तब यह स्थिति नहीं आनी चाहिए ।

अध्यक्ष : माननीय नेता, विरोधी दल ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो हम आग्रह करेंगे कि आसन सदन के संरक्षक है और आसन अगर सत्ता पक्ष के इशारे पर एक्टीविटी करे और उनके इशारे पर कार्य करे, यह लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है । अध्यक्ष महोदय, कल भी यही घटना दिखाई पड़ी और आज भी यही घटना । विपक्ष अपनी बात कहना चाहता है, नेता प्रतिपक्ष उधर बैठे हैं, जो आज उप मुख्यमंत्री हैं । हमेशा प्रारंभ में जब सदन शुरू होता है तो उनको बोलने का मौका देते हैं, एक बार सुन लेते हैं विषय, विषय सुनने के बाद कार्य स्थगन की बात होती है । आप इतने देर तक लोग विरोध कर रहे, जो आपके माननीय मंत्री सेना का अपमान किये, उनसे सदन में माफी मांगने के लिए कहा गया । लेकिन वो माफी नहीं मांगें। उनको इस्तीफा देना चाहिए मंत्री जी को और गलवान के शहीदों का अपमान, हिन्दुस्तान नहीं सहेगा । जेठुली का मामला और छपरा में जो हत्या, अपहरण, लूट, बलात्कार का खेल हो रहा है, उस विषय पर सरकार को जवाब देनी चाहिए । एक विशेष आयोग गठित करने का आश्वासन देना चाहिए ।

अध्यक्ष : मैं आपसे जानना चाहता हूँ कि क्या प्रश्न काल को बाधित कर दिया जाना यह उचित है क्या, आप ही बतावें ? आप इस आसन पर रहे हैं ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : महोदय, मैं बता रहा हूँ, नरसंहार हो गया, लोगों की जिन्दगी से प्रश्नकाल ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं है ।

अध्यक्ष : आप भी इस आसन पर थे और इस तरह की बातें होती थी, आप कभी भी बोलने नहीं देते थे ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : हम जो विपक्ष को सम्मान देते थे, उसको पूरा देश और बिहार देखता था । सदन एकतरफा नहीं चलता है । महोदय, अगर सदन इस तरह से चलानी है तो कार्य मंत्रणा समिति की बैठक बुलाईए और इस विषय पर डिस्कशन होगा ।

अध्यक्ष : वह होगा ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : आप सदन चलाते हैं, सदन जबर्दस्ती नहीं चलेगा ।

अध्यक्ष : प्रश्नकाल को बाधित मत कीजिए ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : सदन जबर्दस्ती नहीं चलेगा ।

अध्यक्ष : जबर्दस्ती नहीं है । प्रजातांत्रिक व्यवस्था के तहत सदन चल रहा है ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : माननीय मंत्री को माफी मांगनी चाहिए । यह नहीं चलेगा ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : महोदय, नेता प्रतिपक्ष सही कह रहे हैं कि आसन को सरकार के दबाव में या इशारे पर नहीं चलना चाहिए, ये बिल्कुल सही कह रहे हैं और हम सरकार की तरफ से सदन को और बिहार की जनता को भी आश्वस्त करना चाहते हैं कि हमारी महागठबंधन की सरकार कभी आसन पर दबाव नहीं बनाना चाहती है पहली बात, जैसे इन्होंने कहा कि आसन को सरकार के इशारे पर नहीं चलना चाहिए और हमने समर्थन किया । महोदय, उसी तरीके से आसन को विपक्ष के दबाव में गलत निर्णय नहीं लेना चाहिए, यह भी उतना ही जरूरी है, यह भी जरूरी है । इसलिए आसन सर्वोपरि है । हमने तो कहा कि आप कुछ कहना चाहते हैं तो कहें लेकिन अगर आप कुछ कह करके और आसन उसपर अपना नियमन दे देता है और फिर आप बीच में आ जाईए तो फिर क्या मतलब है यह कहने का ।

अध्यक्ष : माननीय नेता प्रतिपक्ष ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय,

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आपलोग शांति बनाये रखें । माननीय नेता प्रतिपक्ष बोल रहे हैं, माईक को बंद नहीं करना है ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : कह देते हैं और आपके बात कोई नहीं मानते हैं तो इन लोगों पर कार्रवाई कीजिए, जब माईक बंद रहता है ।

अध्यक्ष : आपके माईक में आवाज है, आप बोलें ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, गलवान के शहीदों के पिता को जेल भेज दिया गया । यह गंभीर विषय है, एक तरफ शहीदों को अपमान सरकार में बैठे मंत्री कर रहे हैं और दूसरी तरफ उसका असर प्रशासन में दिखाई पड़ रहा है कि जो गुंडाराज स्थापित करना चाहता है, जमीन माफिया के इशारे पर प्रशासन मिल करके उसके पिता को जेल भेज रहा है, जो मूर्ति स्थापित करना चाहे, मूर्ति बनाना । बैठे हुए हैं उप मुख्यमंत्री और संसदीय कार्य मंत्री जी । इसपर वो जवाब दें और माफी मंगवाना चाहिए । हमारा सेना पूरे देश का सेना होता है, किसी पार्टी का सेना नहीं होता है और ऐसे मंत्री ने एक बार ब्यान नहीं दिया, एक बार ब्यान देते तो संयोग था, ये प्रयोग कर रहे हैं, इनके मंत्री बेलगाम हैं, अलग-अलग विषय पर अनाप-शनाप सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक विरासत को अपमानित कर रहे हैं। ऐसे लोग सरकार में रहने के योग्य नहीं हैं । इसलिए ...

अध्यक्ष : माननीय नेता प्रतिपक्ष, आपको अवसर दिया गया, अब प्रश्नकाल चल रहे हैं...

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : तो सरकार जवाब दे इसपर ।

अध्यक्ष : आपने इसपर प्रश्न नहीं किया है कि हम सरकार को कहें कि जवाब देने के लिए। आपने जो कहा, उसको आसन सुन लिया ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : इतना गंभीर विषय है, देश की प्रतिष्ठा और सेना से जुड़ा हुआ विषय है । जो सेना शहीद होता है, उसके पिता को जेल में बंद कर दे, क्या यह गुंडाराज है, सरकार इसपर जवाब दे ?

अध्यक्ष : आपने जो कहा, उसको सुन लिया गया, आप अपना स्थान ग्रहण करें ।

टर्न-4/शंभु/01.03.23

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव,उप मुख्यमंत्री : महोदय, इन्होंने जिक्र किया गलवान घाटी में जो शहीद हुए हैं वे वैशाली जिला के थे और मैं वैशाली जिला के राघोपुर विधान सभा क्षेत्र से ही चुनकर आता हूँ । हमको तो पता नहीं जब वे शहीद हुए थे, उनकी बॉडी लायी जा रही थी तो नेता प्रतिपक्ष गये थे कि नहीं गये थे, लेकिन हम वहां जरूर गये थे ।

(व्यवधान)

अरे भाई सुन तो लीजिए ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य जनक सिंह जी, आप अपना स्थान ग्रहण करें । आप जहां बैठे हैं वहां बैठिए । हमारे उप मुख्यमंत्री जी जो बोल रहे हैं उसको सुनिये । आप बैठिए स्थान ग्रहण कीजिए ।

(व्यवधान)

क्या आप नहीं सुनना चाहते हैं ?

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव,उप मुख्यमंत्री : आपकी बात तो हम सुन रहे थे ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आपके नेता ने प्रश्न किया, आपके नेता ने सवाल उठाया ।

(व्यवधान)

श्री विजय कुमार सिन्हा,ने0वि0द0 : सुन लीजिए । लेकिन इनके जवाब के बाद आप हमारी बात को भी सुनेंगे ।

अध्यक्ष : यह डिबेट का विषय नहीं बनेगा ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : अध्यक्ष महोदय, हम तो वहां गये और उनके जो परिवार, परिजन थे उनके प्रति हमने संवेदना प्रकट की और दुखी परिवार से जब मिल रहे थे तो उस परिवार की मांग थी कि हमारे बेटे का स्मारक बनाया जाय और द्वार बनाया जाय । उस समय जाहिर तौर पर हम सरकार में नहीं थे, सरकार में ये लोग थे, लेकिन जब हम वहां पहुंचे तो हमने उनको बोला कि हमारी पार्टी

के तरफ से स्मारक भी बनाया जायेगा और गेट भी बनाया जायेगा । हालांकि काम तो इनको करना चाहिए था, देशभक्त लोग हैं शोकॉल्ड । हमलोग देशभक्ति बेचने का काम नहीं करते हैं, हमारे जेहन में रहता है । लेकिन जब स्मारक बनाने की बात हमारे ही युवा राष्ट्रीय जनता दल के जिला के अध्यक्ष थे वे जिला पार्षद् भी थे तो उन्होंने बोला कि यह हम अपने ही फन्ड से बनवा देंगे । जब काम शुरू कराने गये तो उनके परिजनों का कहना था कि हमारा जमीन छोड़ दीजिए जो बगल का किसी और की जमीन है, जो दलित परिवार का था वहां बनाइये । अब वहां तो हमलोग बना नहीं सकते थे, लेकिन गेट जहां बनना था वह सरकारी जमीन थी वहां हमलोग बनवा सकते थे, लेकिन परिवार की मांग थी कि नहीं यहां नहीं किसी और की जमीन पर तो यह संभव नहीं था । महोदय, दूसरी बात अभी सूचना मिली प्रतिपक्ष के नेता कह रहे हैं कि उनके पिता को अरेस्ट किया गया है । इसपर इतना जरूर कहेंगे ये महागठबंधन की सरकार आदरणीय नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में चल रही है, कानून अपना काम कर रहा है और इसमें न किसी को फंसाया जा रहा है, न किसी को बचाया जा रहा है, कानून के तहत लेकिन हमारी सच्ची श्रद्धा शहीदों के प्रति है । आप तो गये नहीं न थे हम तो पूरी बात को जान रहे हैं और हम उसी जिला से आते हैं जो शहीद हुए हैं उसी जिला के हैं । हम उसी जिला से चुनकर आते हैं । जो उस जिले का हमारी पार्टी का युवा जिला अध्यक्ष है पटेल- उसने साफ तौर पर यह जानकारी हमको दी है तो यह बात लोगों को जानना चाहिए और बिना किसी वजह के एक रियूमर क्रियेट नहीं करना चाहिए । इनका जो आचरण रहा नेता विरोधी दल अभी हैं, उस आसन पर जब बैठे हमलोग उस समय विपक्ष में थे कोई भी छूता भी नहीं था या वेल में यहां आते भी नहीं थे।

(व्यवधान)

श्री विजय कुमार सिन्हा,ने0वि0द0 : आसन पर आप ही चढ़े थे न । आप ही लोग चढ़े थे आसन पर ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव,उप मुख्यमंत्री : आप टेबल पटकना मना करते थे, कुर्सी उठाना मना करते थे ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : उप मुख्यमंत्री जी बोल रहे हैं सुनिए ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव,उप मुख्यमंत्री : चलो यार हमलोगों से गलती हो जाती है । हमलोग आपकी तरह उदारवादी लोग नहीं हैं न । लेकिन एक बात समझ लीजिए हो गयी गलती- आपके कहनानुसार अगर आपको लगता है हमसे गलती हुई है तो चलो थोड़ी देर के लिए हम मान लेते हैं कि हमसे गलती विपक्ष में रहते हुए कुछ

सदस्यों से हुई होगी, लेकिन आप तो आसन पर थे हम तो कभी आसन पर नहीं बैठे हैं । अरे सुन तो लीजिए पूरी बात सुनिए । आप तो आसन पर बैठकर बोलते थे न कि भाई कुर्सी मत छुओ, टेबल मत पटको । अब आसन से उतर गये तो यह तब्दीली कहां से आ गयी । हमको लगता है जब लोग उपर जाते हैं और किसी को ज्ञान प्राप्त होता है तो लोग आगे बढ़ते हैं, लेकिन नेता प्रतिपक्ष का तो नीचे ही गिरावट हो रहा है ।

श्री विजय कुमार सिन्हा,ने0वि0द0 : अध्यक्ष महोदय, नेता प्रतिपक्ष जब उंचे आसन पर पहुंचे हैं तो अमुमन मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री का हृदय बड़ा और विशाल होना चाहिए और इन्होंने बहुत अच्छी बात कही कि जब हम आसन पर थे तो आग्रह करते थे, निवेदन करते थे। सत्ता पक्ष के संरक्षक मुख्यमंत्री थे तो विपक्ष के संरक्षक अध्यक्ष बनते थे और अध्यक्ष के रूप में इनका जो हमलोग संरक्षण किये इनका हृदय भी जानता है, पूरा सदन भी देखा, लेकिन आज हमारी बात को यदि प्रथम आवर शुरू में ही सुना जाता और हमको बार-बार याद कराना नहीं पड़ता कि इस आसन पर बैठे अध्यक्ष पूरे सदन के सरंक्षक हैं, वे अब किसी पार्टी के न तो विधायक हैं, न किसी पार्टी के कार्यकर्त्ता हैं, लेकिन ठीक आपने कहा कि आपके क्षेत्र का था आप गये सेना के प्रति सम्मान रखना और निश्चित तौर पर आप युवा हैं आपके मन के अंदर नकारात्मक भाव से हटकर सकारात्मक भाव आना समाज के हित में होगा, लेकिन जो माननीय मंत्री आपके बगल में बैठे हैं वे बार-बार सेना का अपमान कर रहे हैं तो मंत्री जी से जरा क्षमा मंगवा लीजिए और निदेशित कीजिए कि ये समाज को तोड़नेवाला और समाज के तानाबाना में घुन लगानेवाले मंत्री अपनी योग्यता का प्रदर्शन अपने विभाग में करें । आप बैठे हैं एक बार उनसे स्पष्टीकरण लें और बतायें कि क्यों इस तरह से बयान देते हैं, बिहार को क्यों अपमानित और कलंकित करते हैं । हमारे बिहार की गौरवशाली गाथा में क्यों दाग लगाते हैं, सबसे ज्यादा विद्वान आप ही के लोग क्यों हैं ? आप ही के लोग सबसे ज्यादा विद्वान क्यों हैं ? क्यों इस तरह का बयान देकर सांस्कृतिक विरासत पर चोट करते हैं- मंत्री बैठे हैं एक बार क्षमा मांगें ।

अध्यक्ष : माननीय नेता प्रतिपक्ष, आपको जो कहना था सो कह दिये, अब शेष तारांकित प्रश्न लिया जायेगा । श्री जयप्रकाश यादव ।

(व्यवधान)

अरे अब इसको कितना देर चलाइयेगा ? आपने जो कहा उसको सुन लिया गया । आप अपने स्थान पर बैठें । अभी जब तक प्रश्नकाल समाप्त नहीं होगा तब तक आगे की कार्रवाई कुछ नहीं होगी ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव,उप मुख्यमंत्री : अध्यक्ष महोदय, इससे पहले सुदय यादव का नहीं हो पाया था जवाब दे देते हैं ।

अध्यक्ष : ठीक है ।

(व्यवधान)

आपको तो बुलाया नहीं गया, बिना बुलाये कैसे बोल रहे हैं । क्या कैसे बोलें, आसन से पहले इजाजत मांगे आसन इजाजत देगा तब बोलें ।

तारांकित प्रश्न सं0-169(श्री कुमार कृष्ण मोहन उर्फ सुदय यादव)क्षेत्र सं0-216,जहानाबाद

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव,उप मुख्यमंत्री : 1- उत्तर स्वीकारात्मक है ।

2- उत्तर स्वीकारात्मक है ।

3- जहानाबाद जिला अन्तर्गत जहानाबाद प्रखंड के पंचायत किनारी ग्राम लालसे बीघा को एकल संपर्कता प्रदान करने हेतु हेबिटेशन एप के माध्यम से किनारी मिल्की से लालसे बीघा भाया रामसे बीघा पथ के नाम से सर्वे किया गया है । जिसका सर्वे आइ0डी0-21047 एवं लंबाई 800 मी0 है । समीक्षोपरान्त निधि की उपलब्धता के आधार पर अग्रेतर कार्रवाई की जा सकेगी ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जवाब दे रहे हैं आप सुनें ।

(इस अवसर पर विपक्ष के माननीय सदस्यगण ने सदन से वॉकआउट किया।)

श्री कुमार कृष्ण मोहन उर्फ सुदय यादव : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी के प्रति हम आभार व्यक्त करते हैं, लेकिन हम एक आग्रह करते हैं कि वह बाबा साहब अम्बेदकर, जन नायक कर्पूरी ठाकुर के आदर्शों को बढ़ाने वाले आदरणीय लालू प्रसाद के विचार को मानने वाले लोगों का गांव है और अभी तक सड़क से महरूम है । हम माननीय मंत्री महोदय से चाहते हैं कि जल्द से जल्द उसको कराया जाय ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव,उप मुख्यमंत्री : महोदय, जवाब में तो हमने स्पष्ट बोल ही दिया है कि समीक्षोपरान्त निधि की उपलब्धता को देखते हुए अग्रेतर कार्रवाई करेंगे । इसमें हमलोग स्वीकारात्मक हैं, इनकी सब बात को मान रहे हैं ।

टर्न-5/पुलकित/01.03.2023

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री जय प्रकाश यादव ।

तारांकित प्रश्न सं0- 170, श्री जय प्रकाश यादव (क्षेत्र सं0-46, नरपतगंज)

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

तारांकित प्रश्न सं0- 171, श्री प्रमोद कुमार सिन्हा (क्षेत्र सं0-10, रक्सौल)

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, आपने जो उदारता दिखाकर सदन के निमय को एक तरह से स्थगित करते हुए प्रश्नकाल के बीच में ही नेता प्रतिपक्ष को बोलने की इजाजत दी । हालांकि ऐसा नियम में नहीं है, आपको विशेषाधिकार है । हमने भी सरकार की तरफ से कहा था कि अगर आसन उदारता दिखा रहा है तो सरकार को ऐतराज नहीं है लेकिन हमने उसी समय यह आशंका जाहिर की थी कि कहीं ऐसा न हो कि आप उदारता से उनको बोलने की इजाजद भी दे दें और वे बोल भी लें और फिर आदतन किसी दूसरे की बात सुनने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं रहते । अध्यक्ष महोदय, बार-बार वे मंत्री की बात कह रहे थे । मंत्री जी अगर खड़े हुए थे तो आपने कहा कि मंत्री बोलेंगे जब हम इजाजत देंगे प्रश्नकाल के बाद । कोई भी मंत्री के भी स्पष्टीकरण देने का प्रावधान अपनी विधान सभा की जो प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली है, उस नियमावली में, उसके लिए भी समय मुकर्रर है, समय निश्चित है कि किस व्यक्ति को किस तरह की चीज या बात कब बोलनी है । आपने कहा कि जब आपको इजाजत देंगे, प्रश्नकाल के बाद मंत्री स्पष्टीकरण दे देते लेकिन किसी चीज में तो इनका, अभी जो माननीय उप मुख्यमंत्री जी बता रहे थे कि इनको शहीदों से क्या लेना है । शहीदों के अपमान का तो समझिये एक तरह से एकाधिकार, सर्वाधिकार सुरक्षित है भाजपा का । अभी क्या ? स्वतंत्रता सेनानियों के अपमान का सिलसिला इन्होंने शुरू कर दिया है । जो पार्टी और जिस पार्टी के नेता स्वतंत्रता सेनानियों के अपमान करने में नहीं चूकते हैं तो ये अभी गलवान के शहीदों के प्रति घड़ियाली आंसू बहाकर किसकी सहानुभूति लेना चाहते हैं । महोदय, ये तो समझिये । उप मुख्यमंत्री जी का इलाका है इन्होंने स्वयं सदन को बताया कि ये स्वयं गये थे और उस समय विपक्ष में थे । फिर भी इन्होंने संवेदनशीलता दिखाते हुए उनके परिवार की मांग थी कि यहां पर उनकी मूर्ति लगायी जाए, इन्होंने पार्टी की तरफ से उसकी घोषणा भी कर दी और करवा भी दिये है और मूर्ति भी बना लिये हैं, मूर्ति बन चुकी है ये भी सूचना माननीय उप मुख्यमंत्री जी दे रहे हैं । उसके बाद बिना मतलब के तिल का, अगर यहां लगायें जैसा उप मुख्यमंत्री जी ने बताया कि अब जहां लगना था उनकी अपनी जमीन छोड़कर किसी दूसरे की जमीन पर वे कह रहे हैं जो शायद अनुसूचित जाति के परिवार की जमीन है । उस पर सरकार या कोई पार्टी कैसे जबरदस्ती लगा देगी। अब इस बीच में ये तो मौके की तलाश में रहते हैं, किसी सेनानी के प्रति इनका कोई सम्मान नहीं होता है और जो स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान करता है, देश के स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास बदलना चाहता है । उस पार्टी या उस पार्टी के नेता को देश के शहीदों के प्रति कुछ भी भावना रखने का कोई अधिकार नहीं है ।

इसलिए हम तो सिर्फ यह कह रहे हैं कि आपको स्मरण होगा कि यही आशंका हमने जतायी थी, ये तो बोल लेंगे और अब देखिये ये तो सदन का बहिष्कार कर देंगे । यह क्या होता है ? यह सदन का अपमान नहीं है । आपने मंत्री को कहा कि जब हम इजाजत देंगे तब बोलियेगा । आप जब बोलते मंत्री जी बता देते और इतना तो हमें पता है कि महागठबंधन के किसी मंत्री या किसी नेता की कोई मंशा शहीदों या देश के प्रति समर्पित अपमान की कभी हो ही नहीं सकती है । मतलब यह महागठबंधन के सदस्यों की भावना है । महोदय, कैसे कोई अपमान कर देगा लेकिन ये घड़ियाली आंसू बहाकर लोगों की सहानुभूति अर्जित करने का बिल्कुल असफल प्रयास कर रहे हैं, जिसमें ये कभी कामयाब नहीं हो सकते हैं ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आज सदन नेता माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी का जन्मदिन है । माननीय मुख्यमंत्री जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं । आप जिस तरह से इस राज्य की सेवा कर रहे हैं, आपके प्रति जनता का अपार स्नेह है। आप आगे बढ़ें और दीन-दुखिया गरीबों की सेवा इस राज्य में ही नहीं बल्कि देश में भी करने का काम करें । पूरे सदन और जनता की तरफ से आपको जन्मदिन की बधाई ।

(थपथपी)

माननीय सदस्य श्री मनोज कुमार यादव ।

तारांकित प्रश्न सं0-172, श्री मनोज कुमार यादव (क्षेत्र सं0-16, कल्याणपुर)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : वस्तुस्थिति यह है कि प्रश्नाधीन पथ ग्रामीण कार्य विभाग के अंतर्गत है । पथ अधिग्रहण की नयी नीति पत्रांक- 1548 (एस), दिनांक- 25.02.2020 के आलोक में ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा अपने स्वामित्व वाले पथों का उन्नयन स्वयं कराया जाना है ।

श्री मनोज कुमार यादव : महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से आग्रह कर रहा हूँ कि यह रोड दो ब्लॉक कल्याणपुर और कोटवा को जोड़ता है और एक दर्जन पंचायत इससे प्रवाहित होंगी । इसलिए मेरा आग्रह है कि नियम में थोड़ी-सी शिथिलता बरतते हुए इस कार्य का करवा दिया जाए, यही मैं आग्रह कर रहा हूँ ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : महोदय, यह ग्रामीण कार्य विभाग का है, इसे पथ निर्माण विभाग मेनटेनेंस तो करायेगा नहीं । बाकी डिपेंडेंट जो विभाग है वह भी हमारे अंतर्गत हैं इसको हमलोग दिखवा लेंगे ।

श्री प्रहलाद यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरा एक पूरक है । मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि पूरे बिहार के अंदर बहुत सी ऐसी ग्रामीण सड़कें हैं जो कि मेनटेनेंस के

अभाव में बहुत दिन तक सही नहीं रह पाती हैं । मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि एक ऐसी नीति हो कि ग्रामीण विभाग में बहुत सी ऐसी सड़कें हैं उनको जरूर आप पथ निर्माण विभाग में सम्मिलित कर कार्य कराने का विचार रखते हैं ?

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : महोदय, ग्रामीण कार्य विभाग में अनुरक्षण नीति है । उसके तहत पांच साल का होता है, उसी में मेनटेनेंस करना होता है, यह ऑलरेडी पहले से ही है ।

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी का कहना है कि अनुरक्षण है उसके तहत जिस सड़क की मरम्मती होती है । मरम्मती कर्ता जो संवेदक होता है पांच वर्ष तक उसको उस सड़क के रख-रखाव का भी काम करना है और उसी के तहत कार्य होते हैं । तब भी आपने मंत्री जी से आग्रह किया है, मंत्री जी अपने स्तर से....

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : निधि की उपलब्धता को भी देखते हुए होता है ।

श्री प्रहलाद यादव : महोदय, कहना है कि ....

अध्यक्ष : हो गया, ठीक है । निधि की उपलब्धता को देखते हुए होता है ।

श्री प्रहलाद यादव : महोदय, बहुत सी ऐसी ग्रामीण सड़कें हैं जो बहुत जरूरी हैं और लम्बी हैं उसको पथ निर्माण विभाग में कन्वर्ट करना चाहते हैं क्योंकि ग्रामीण विभाग में जो मेनटेनेंस होता है, उसकी जो राशि होती है वह बहुत कम होती है और पथ निर्माण विभाग की राशि बहुत ज्यादा होती है जिससे कि उसको बनाने के बाद बहुत दिन तक स्थायी रहता है, हम यह कहना चाहते हैं ।

अध्यक्ष : माननीय विधायक जी, माननीय मंत्री जी ने स्पष्ट कहा, निधि की उपलब्धता की बात इन्होंने कही ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : महोदय, अभी जो जिक्र कर रहे हैं कन्वर्ट कराना है इनको पी0डब्लू0डी0 मतलब पथ निर्माण में । उसका जो नॉर्म्स बना हुआ है, आवश्यकतानुसार अगर उस नॉर्म्स का पालन फुलफिल होता है तो वह कन्वर्ट भी होता है । ऐसा नहीं है, वह देखा जाता है ।

श्री सत्यदेव राम : अध्यक्ष महोदय, एक प्रश्न है ।

अध्यक्ष : माननीय विधायक बाबू सत्यदेव राम जी, प्रश्नकर्ता ने प्रश्न किया, माननीय मंत्री जी ने जवाब दिया, फिर उसमें पूरक प्रश्न माननीय सदस्य प्रहलाद यादव जी कर लिये और माननीय मंत्री जी का जवाब अंतिम हो गया । फिर इसके बाद से नियमतः है आपको अब पूरक पूछने का, मतलब कोई औचित्य नहीं बनता है ।

टर्न-6/अभिनीत/01.03.2023

श्री सत्यदेव राम : महोदय, हम जो अपने क्षेत्र में देख रहे हैं और बिहार के भी कुछ प्रखंडों में देख रहे हैं कि कहीं दो ब्लॉकों के बीच की जो जगह है, रास्ता है, वह नहीं बन पा रहा है, किसी नीति के तहत नहीं आ रहा है । दो पंचायतों के बीच, उसको जोड़ने वाला रास्ता नहीं बन पा रहा है । दो गांवों को जोड़ने वाला रास्ता अभी बाकी है । महोदय, मैं इस पर माननीय उप मुख्यमंत्रीजी से कहना चाहता हूं कि ऐसे रोडों को तत्काल कोई नीति के तहत बनाया जाय, क्योंकि उनके नहीं जुड़ पाने के कारण लोगों को भारी परेशानी हो रही है ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, जो प्रश्न माननीय सदस्य ने किया है उससे जुड़ा हुआ यह मामला नहीं है । ये दो तरह के पथ हैं और उनके बीच बची हुई जगह है, अब रहा सवाल कि नीतिगत इस पर फैसला लेना होगा कि किस तरह से उसको जोड़ा जाय। आपने अपनी बात को रख दिया, सदन ने सुन लिया, सरकार सुन रही है, नियमानुसार जो आवश्यक कार्रवाई होनी चाहिए, वह आवश्यक कार्रवाई होगी ।

श्री सत्यदेव राम : महोदय, बहुत जरूरी है..

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, अब हो गया ।

माननीय सदस्य श्री अशोक कुमार ।

तारांकित प्रश्न संख्या-173 (श्री अशोक कुमार, क्षेत्र सं0-132, वारिसनगर)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि समस्तीपुर जिलांतर्गत प्रश्नगत पथ, रोसड़ा-शिवाजी नगर-बहेड़ी पथ, जिसकी कुल लंबाई 22.20 किलोमीटर एवं चौड़ाई 3.75 मीटर है । वर्तमान में ओ0पी0आर0एम0सी0 अंतर्गत संधारित है एवं पथ की स्थिति अच्छी है ।

संसाधन की उपलब्धता के आलोक में आगामी वित्तीय वर्ष में इसके चौड़ीकरण पर निर्णय लिया जायेगा ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, माननीय मंत्रीजी ने स्पष्ट कहा है और आपको संतुष्ट होना चाहिए। मैं आपसे आग्रह करूंगा कि अब आप स्थान ग्रहण करें, इन्होंने एक तरह से आपको आश्वासन दिया है ।

श्री अशोक कुमार : महोदय, इसी आने वाले...

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप धन्यवाद तो दीजिए ।

श्री अशोक कुमार : महोदय, मैं धन्यवाद के साथ यह कहना चाह रहा हूं कि आने वाले फाइनेंशियल ईयर में काम शुरू होगा कि नहीं, क्योंकि 2019-20 फाईनेंशियल ईयर

में भी यह कार्य योजना में लिया गया था । मैं चाह रहा हूं कि आने वाले फाईनेंशियल ईयर में यह काम हो ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आने वाले वित्तीय वर्ष में उसको देखकर आवश्यक जो निर्णय लेना होगा वह लिया जायेगा, उन्होंने तो स्वयं कहा कि आने वाले वित्तीय वर्ष में ।

श्री अशोक कुमार : बहुत-बहुत धन्यवाद महोदय ।

तारांकित प्रश्न संख्या- 174 (श्री लाल बाबू प्रसाद गुप्ता, क्षेत्र सं0-20, चिरैया)

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

तारांकित प्रश्न संख्या- 175 (श्री बिजय सिंह, क्षेत्र सं0-68, बरारी)

श्री संजय कुमार झा, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि कटिहार जिलांतर्गत बरारी प्रखंड के जगदीशपुर पंचायत के तितवारी गांव व सिरकट पंचायत के गोवरारी व तेरारी और सुजापुर पंचायत के महपा वलुआ क्षेत्र गंगा नदी के बायें तट पर ओल्ड काश लिंक बांध के कन्ट्रीसाईड में अवस्थित है । वर्षा अवधि में भारी वर्षापात की स्थिति में जल-जमाव हो जाता है । वर्षा अवधि के बाद स्लुईस गेट संख्या- 388, 137, 512 के माध्यम से कन्ट्रीसाईड के पानी या चौर का पानी रिभर साईड में चला जाता है एवं स्थिति सामान्य हो जाती है ।

विदित हो कि बाढ़ अवधि में स्लुईस गेट बंद रखा जाता है एवं बाढ़ अवधि के उपरांत स्लुईस गेट खोल दिया जाता है जिसके कारण जल-जमाव का पानी स्वतः धीरे-धीरे रिभर साईड में निकल जाता है । उपरोक्त सभी गेट जल निकासी के लिये पर्याप्त हैं । शेष आंशिक बचे हुए जल-जमाव से किसानों के द्वारा मखाना की खेती एवं मछली पालन किया जाता है ।

प्रश्नगत स्थल एवं प्राकृतिक चौर है । अतः जल संसाधन विभाग, कृषि विभाग एवं पशु एवं मत्स्य पालन संसाधन विभाग के बीच समन्वय स्थापित कर चौर विकास के तहत कार्रवाई किये जाने हेतु विचार किया जा रहा है ।

श्री बिजय सिंह : माननीय अध्यक्ष महोदय, मंत्रीजी से आग्रह है कि चूंकि बरारी विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत जो बरारी क्षेत्र है गंगा से सटा एरिया है और वहां आठ-नौ महीने लगातार पानी रहता है । जल निकासी के लिए चैनल बना दिया जाय तो किसान लोग खेती कर सकते हैं । माननीय मंत्री से आग्रह है कि आप काम करने वाले मंत्री हैं, इसी वित्त वर्ष में समन्वय स्थापित कर उसका चैनल बना दिया जाय तो किसान आये दिन खेती कर सकते हैं, उनको सुविधा होगी ।

अध्यक्ष : माननीय मंत्रीजी ने तो बहुत स्पष्ट जवाब दिया है, समेकित रूप से जो संबंधित विभाग हैं, सबके साथ ये विचार कर रहे हैं, कार्रवाई करने की दिशा में कार्य चालू है, इन्होंने स्पष्ट कहा है फिर भी माननीय मंत्रीजी, इनको आपने संतुष्ट किया है, देख लेंगे, दिखवा लेंगे ।

श्री संजय कुमार झा, मंत्री : ठीक है महोदय ।

तारांकित प्रश्न संख्या–176 (श्री अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय, क्षेत्र सं0–102, कुचायकोट)

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

तारांकित प्रश्न संख्या–177 (श्री विद्या सागर केशरी, क्षेत्र सं0–48, फारबिसगंज)

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

तारांकित प्रश्न संख्या–178 (श्री कुमार शैलेन्द्र, क्षेत्र सं0–152, बिहपुर)

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

तारांकित प्रश्न संख्या–179 (श्री मनोहर प्रसाद सिंह, क्षेत्र सं0–67, मनिहारी(अ0ज0ज0))

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

तारांकित प्रश्न संख्या–180 (श्री मोहम्मद नेहालउद्दीन, क्षेत्र सं0–224, रफीगंज)

श्री मोहम्मद नेहालउद्दीन : महोदय, पूरक पूछता हूं ।

अध्यक्ष : आपको जवाब मिल गया है तो पूरक पूछ लीजिए । ठीक है, समय भी बचेगा ।

श्री मोहम्मद नेहालउद्दीन : महोदय, मैं सिर्फ यह पूछता हूं कि इसका स्टीमेट बनवाया जा रहा है, मगर बीच में जो रोड है उस रोड में 20–25 गांव आते हैं, तो माननीय मंत्रीजी से हम सिर्फ यह निवेदन करना चाहेंगे कि क्या ये, यह वित्तीय वर्ष तो खत्म हो गया, अगले वित्तीय वर्ष में बनाने का विचार रखते हैं ?

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, मुख्यमंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं उत्तर पढ़ भी देता हूं ।

1–आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है ।

वस्तुस्थिति यह है कि प्रश्नाधीन पथ का निर्माण शीर्ष पी0एम0जी0एस0वाई0 अंतर्गत टी–3, रफीगंज से सिमुहा पथ जिसकी लंबाई 7.25 किलोमीटर है, द्वारा कराया गया है । सम्प्रति पथ पंचवर्षीय अनुश्रवण अवधि से बाहर एवं क्षतिग्रस्त है ।

2– वस्तुस्थिति यह है कि प्रश्नाधीन पथ की मरम्मती हेतु प्राक्कलन बिहार ग्रामीण पथ अनुश्रवण नीति, 2018 अंतर्गत तैयार किया जा रहा है । समीक्षोपरांत निधि की उपलब्धता के आधार पर अग्रेतर कार्रवाई की जा सकेगी ।

अध्यक्ष महोदय, यह हमारे संज्ञान में है । हमारी कोशिश है कि इसको जल्द से हम पूर्ण कर लें ।

अध्यक्ष : माननीय विधायक जी, माननीय मंत्रीजी ने...

श्री मोहम्मद नेहालउद्दीन : जी धन्यवाद ।

अध्यक्ष : चलिए, आपको बहुत–बहुत धन्यवाद ।

तारांकित प्रश्न संख्या–181 (श्री विजय कुमार, क्षेत्र सं0–169, शेखपुरा)

श्री मुरारी प्रसाद गौतम, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, उत्तर स्पष्ट दिया जा चुका है, ये पूरक पूछना चाहते हैं तो पूछ सकते हैं ।

श्री विजय कुमार : महोदय, पढ़ दिया जाय ।

अध्यक्ष : मंत्रीजी, पढ़ दीजिए ।

श्री मुरारी प्रसाद गौतम, मंत्री : महोदय, इनका प्रश्न था कि नूरपुर वार्ड के वार्ड नं0–17 एवं ग्राम वरूई के वार्ड नं0– 14, 15 एवं 16 में ग्राम पंचायत पुरैना को एम0आई0एस0 पोर्टल से नहीं जोड़ा गया । महोदय, जोड़ा जा चुका है, ये जितने वार्ड हैं इन्हें एम0आई0एस0 पोर्टल से जोड़ दिया गया है ।

श्री विजय कुमार : धन्यवाद महोदय ।

अध्यक्ष : धन्यवाद ।

तारांकित प्रश्न संख्या–182 (श्री कृष्णनंदन पासवान, क्षेत्र सं0–13, हरसिद्धि (अ0जा0))

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

तारांकित प्रश्न संख्या–183 (श्री शंभु नाथ यादव, क्षेत्र सं0–199, ब्रहमपुर)

(लिखित उत्तर)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : अस्वीकारात्मक है ।

वस्तुस्थिति यह है कि प्रश्नाधीन आरेखन में पड़ने वाले बसावटों की स्थिति निम्नवत है :–

1. हाटा, राजपुर, तिलक राय के डेरा, बड़का राजपुर बसावट:– इस बसावट को पी0एम0जी0एस0वाई0 अंतर्गत निर्मित सिमरी से तिलक राय के हाटा तक पथ से संपर्कता प्रदत्त है, वर्तमान में इसका पी0एम0जी0एस0वाई0 फेज– ।।। अंतर्गत मजबूतीकरण कार्य प्रगति पर है ।

2. छोटका राजपुर :– इस बसावट को पी0एम0जी0एस0वाई0 अंतर्गत राजपुर से छोटका राजपुर शिवालय होते मल्हचकिया पथ से संपर्कता प्रदत्त है ।

3. नियाजीपुर बसावट :– इस बसावट को बिहार ग्रामीण पथ अनुरक्षण नीति–2008 अंतर्गत आशा पड़री से नियाजीपुर ढाला पथ पी0एम0जी0एस0वाई0 (एन0पी0सी0सी0) से संपर्कता प्रदत्त है । वर्तमान में इस पथ की मरम्मती का कार्य बिहार ग्रामीण पथ अनुरक्षण नीति–2018 अंतर्गत प्रगति पर है ।

4. केशवपुर, मानकिपुर बसावट :– इस बसावट को पी0एम0जी0एस0वाई0 अंतर्गत पटसार से केशवपुर पथ से संपर्कता प्रदत्त है । इस पथ की मरम्मती 3054 अंतर्गत करायी गयी है, जो तृतीय वर्ष अनुरक्षण अवधि में है ।

5. लाल सिंह के डेरा :- इस बसावट को पी0एम0जी0एस0वाई0 अंतर्गत एल0-28 से लाल सिंह के डेरा पथ से संपर्कता प्राप्त है जो पंचवर्षीय अनुरक्षण अवधि से बाहर है । इस पथ की मरम्मती हेतु प्राक्कलन बिहार ग्रामीण पथ अनुरक्षण नीति-2018 अंतर्गत विभाग में प्राप्त है । समीक्षोपरांत निधि की उपलबधता के आधार पर अग्रेतर कार्रवाई की जा सकेगी ।

प्रश्नाधीन सभी बसावटों को एकल संपर्कता प्राप्त है । अतएव प्रश्नाधीन आरेखन को किसी कोर नेटवर्क में शामिल नहीं किया गया है । प्रश्नाधीन आरेखन आरा कोईलवर तटबंध पर अवस्थित है, जो जल संसाधन विभाग के अधीन है । अत: इसके निर्माण का प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है ।

श्री शंभुनाथ यादव : महोदय, जवाब मिल गया है । मंत्री महोदय को हृदय से धन्यवाद ।

अध्यक्ष : बहुत-बहुत धन्यवाद ।

<u>तारांकित प्रश्न संख्या-184 (श्रीमती शालिनी मिश्रा, क्षेत्र सं0-15, केसरिया)</u>

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : अध्यक्ष महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि प्रश्नाधीन पुल लोहरगावां सिसवा पटना पथ के एलायनमेंट पर पड़ता है । उक्त पथ-सह-पुल का सर्वे छूटे हुए बसावट अंतर्गत मोबाईल एप से किया गया है, जिसका सर्वे आई0डी0-28930 है । तद्नुसार अग्रेतर कार्रवाई की जा सकेगी ।

श्रीमती शालिनी मिश्रा : अध्यक्ष महोदय, मैं बिहार सरकार, माननीय मंत्रीजी और पूरे विभाग को धन्यवाद देती हूं । पूरे बिहार में छूटे हुए बसावटों का सर्वे हुआ है और आने वाले समय में यह मील का पत्थर साबित होगा । एक ही आग्रह करती हूं कि समय-सीमा निर्धारित कर दें कि यह अति आवश्यक पुल और सड़क कबतक बनकर तैयार होगी । पूरे बिहार में काफी छूटे हुए बसावट हैं, तो कुछ को प्राथमिकता के आधार पर करना आवश्यक है ।

टर्न-7/हेमन्त/01.03.2023

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : जैसा माननीय सदस्या ने बताया कि सभी जगह सरकार सर्वे करा रही है और हर जगह की आई0डी0 क्रियेट कर दी गयी है । निधि की उपलब्धता को देखते हुए हम सब लोग निर्णय लेंगे और महोदय, इसका नक्शा भी हमने मंगा रखा है, हम लोगों ने देखा है और विभाग को हम लोग निदेशित भी करेंगे कि इस पर जल्द-से-जल्द कार्रवाई की जाय ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्या, सरकार राज्य के विकास की दिशा में पूरे-पूरे कार्य कर रही है और माननीय मंत्री जी ने आपको स्पष्ट बताया, जिस समस्या को आपने रखा उसके निदान के लिए, मैं चाहूंगा कि आप महिला सदस्या हैं, माननीय उप मुख्यमंत्री जी को आप धन्यवाद दें ।

श्रीमती शालिनी मिश्रा : माननीय मंत्री जी को दिल की गहराइयों से आभार प्रकट करती हूं ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आपको एक महत्वपूर्ण सूचना देना चाहता हूं कि सरकार ने प्रश्नों के जवाब में तत्परता दिखाने का काम किया है और जितने अल्पसूचित प्रश्न किये गये हैं, ग्रामीण विकास विभाग ने शत प्रतिशत प्रश्नों का जवाब दिया है । पंचायती राज विभाग ने शत प्रतिशत प्रश्नों का जवाब दिया है । जल संसाधन विभाग ने शत प्रतिशत प्रश्नों का जवाब दिया है । पथ निर्माण विभाग ने शत प्रतिशत प्रश्नों का जवाब दिया है । लघु जल संसाधन विभाग ने शत प्रतिशत प्रश्नों का जवाब दिया है । मतलब शत प्रतिशत जवाब प्राप्त हुए हैं । अब प्रश्नोत्तरकाल समाप्त हुआ । जिन प्रश्नों के उत्तर तैयार हों, उन्हें सदन पटल पर रख दिये जायें ।

अध्यक्ष : अब कार्यस्थगन प्रस्ताव की सूचनाएं ली जायेंगी ।

माननीय सदस्यगण, आज दिनांक 01 मार्च, 2023 के लिए निम्न माननीय सदस्यों से कार्यस्थगन प्रस्ताव की सूचनाएं प्राप्त हुई हैं :

श्री अरूण शंकर प्रसाद, श्री संजय सरावगी, श्री जनक सिंह, श्री नीरज कुमार सिंह। आज सदन में महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर वाद-विवाद एवं सरकार के उत्तर का कार्यक्रम निर्धारित है ।

अतएव बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम-6(3) एवं 47(2) के तहत नियमानुकूल नहीं रहने के कारण कार्यस्थगन की सभी सूचनाओं को अमान्य किया जाता है ।

अब शून्यकाल लिये जायेंगे ।

शून्यकाल

श्री भरत बिन्द : अध्यक्ष महोदय, कैमूर जिलान्तर्गत सोन स्तरीय कसेर वितरणी नहर क्रमशः परमालपुर, भभुआ पूरब पोखरा, सेमरियां भरिगावा, मरिचांव, गोराईपुर आदि गांवों से गुजरने वाली नहर की सफाई एवं मरम्मत नहीं होने से किसानों को सिंचाई करने में कठिनाई होती है । उक्त नहर की सफाई एवं मरम्मत की सरकार से मांग करता हूं।

श्री महा नंद सिंह : महोदय, अरवल के करपी प्रखंड के अईयारा पंचायत के ग्राम शिवनगर में नवोदय विद्यालय, आई0टी0आई0 कॉलेज(महिला/पुरुष), महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान है, लेकिन अस्पताल नहीं है । इसलिए शिवनगर में स्वास्थ्य केन्द्र बनाने की मांग सरकार से करता हूं ।

श्री इजहारूल हुसैन : अध्यक्ष महोदय, किशनगंज जिलान्तर्गत मखाना का उत्पादन भारी मात्रा में होता है किन्तु इसकी प्रोसेसिंग यूनिट नहीं होने के कारण उपज नष्ट हो जाती है या बहुत ही कम कीमत पर बेचना पड़ता है । किशनगंज जिला में मखाना प्रोसेसिंग यूनिट लगवाने की मांग सरकार से करता हूं ।

श्री विनय कुमार : अध्यक्ष महोदय, गया जिला के गुरूआ प्रखंड अन्तर्गत रघुनाथ खाप पंचायत के दयालचक मोड़ से कठवारा तक पईन की जीर्णोद्धार कराना जनहित में अतिआवश्यक है । पईन की जीर्णोद्धार कराने की मांग सरकार से करता हूं ।

श्रीमती मंजु अग्रवाल : अध्यक्ष महोदय, गया जिलान्तर्गत शेरघाटी प्रखंड के मोरहर नदी के किनारे से प्रखंड कार्यालय होते हुए कठार, कमात एवं चिताब पुल तक अत्यधिक जाम की समस्या के निवारण हेतु बायपास रोड का निर्माण कराने की मांग सरकार से करती हूं ।

श्री राम रतन सिंह : अध्यक्ष महोदय, बेगूसराय जिला अन्तर्गत बरौनी थाना के पिपरा देवस चौक पर दिनांक-27.02.2023 की रात्रि में अपराधियों द्वारा दो स्वर्ण व्यवसायी श्री आदित्य कुमार एवं गौतम कुमार के दुकान का शटर काटकर लाखों के सोने के आभूषण की चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है, जिसका बरौनी थाना काण्ड संख्या-91/23 एवं 92/23 दर्ज है । अपराधियों की गिरफ्तारी कर चोरी हुए सामानों की बरामदगी जल्द-से-जल्द कराने की मांग सरकार से करता हूं ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री प्रमोद कुमार सिन्हा ।

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

माननीय सदस्य श्री बीरेन्द्र कुमार ।

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

माननीय सदस्य श्री मुरारी मोहन झा ।

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

माननीय सदस्य श्री संदीप सौरभ ।

श्री संदीप सौरभ : अध्यक्ष महोदय, विभागीय सुस्ती और पदाधिकारियों की गैर जवाबदेही के कारण पटना जिलान्तर्गत पालीगंज और दुल्हिन बाजार प्रखंड में सड़क दुर्घटना, करंट से मौत, डूबने, अगलगी आदि मामलों में मुआवजे के 100 से अधिक मामले लंबित हैं । लापरवाह पदाधिकारियों पर कार्रवाई तथा मुआवजे के लंबित मामलों के तत्काल निष्पादन की मांग सरकार से करता हूं ।

श्री रामबली सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, निरा बनाने के उद्देश्य से पेड़ पर चढ़कर ताड़ी उतारने को सरकार द्वारा प्रोत्साहित किया जा रहा है, जबकि पेड़ से गिरकर हुई मौत पर मुआवजा का प्रावधान नहीं है । पेड़ से गिरकर हुई मौत पर भी मुआवजा का प्रावधान करने की मांग करता हूं ।

श्री वीरेन्द्र प्रसाद गुप्ता : माननीय अध्यक्ष महोदय, विगत कुछ वर्षों से चीनी मिलों में गन्ना मूल्य तय किये बगैर गन्ना आपूर्ति करायी जा रही है । जो किसानों के साथ अन्याय है यथा शीघ्र महंगाई के अनुसार खेती में बढ़ती लागत देखते हुए गन्ना मूल्य 400 रुपया करने की मांग करता हूं ।

श्री अमरजीत कुशवाहा : अध्यक्ष महोदय, सिवान जिला मैरवा के लगड़पुरा ग्राम का एक हिस्सा नन पंचायत के रूप में न तो नगर पंचायत और न तो ग्राम पंचायत से जुड़ा है जो भौगोलिक दृष्टिकोण से नगर पंचायत में ही रहने लायक है । उक्त हिस्सा को नगर पंचायत में ही शामिल करने की मांग करता हूं ।

टर्न–8/धिरेन्द्र/01.03.2023

अध्यक्ष : सरकार को आपने सूचना दी, सरकार सूचना को ग्रहण करती है ।

श्री अजीत कुमार सिंह : माननीय अध्यक्ष महोदय, राज्य के प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों की कमी को दूर करने तथा टी॰ई॰टी॰, बी॰टी॰ई॰टी॰ एवं सी॰टी॰ई॰टी॰ पास अभ्यर्थियों के भविष्य को देखते हुए अविलम्ब सातवें चरण के शिक्षक बहाली की नोटिफिकेशन जारी कर बहाली की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण कराने की मांग करता हूँ ।

श्री मुकेश कुमार यादव : अध्यक्ष महोदय, सीतामढ़ी जिला अन्तर्गत प्रखण्ड–बोखड़ा, ग्राम–भाउर से खड़का जीरो माईल सड़क काफी खराब हो चुकी है । यह सड़क दरभंगा–मुजफ्फरपुर–सीतामढ़ी जाने के लिए काफी महत्वपूर्ण है । आमजनों की कठिनाई को देखते हुए जनहित में सरकार से सड़क निर्माण कराने की माँग करता हूँ ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री ललन कुमार ।

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

माननीय सदस्य श्री अरूण शंकर प्रसाद ।

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

श्री अरूण सिंह : अध्यक्ष महोदय, रोहतास जिलान्तर्गत बिक्रमगंज प्रखण्ड के वरूना ग्राम के थाना काण्ड संख्या–228/22 के नामजद फरार अभियुक्तों को शीघ्र गिरफ्तारी कराने की माँग करता हूँ ।

श्री सत्यदेव राम : अध्यक्ष महोदय, सिवान जिलान्तर्गत दरौली सरयुग नदी में यू॰पी॰ सरकार द्वारा 3 किलोमीटर का ठोकर निर्माण करा देने से दरौली की तरफ कटाव बढ़ गया है । बिहार की जमीन यू॰पी॰ में चली गई है और गाँव भी कटान के कगार पर है । सरकार ठोकर बनाकर कटाव रोके ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, यह शून्य काल है, आप माननीय पुराने सदस्य हैं । आपने समस्या को शून्यकाल के माध्यम से पढ़ दिया । सरकार के संज्ञान में आपने दे दिया, सरकार अपने स्तर से नियमानुसार इसको दिखवायेगी, आगे पढ़ने की जरूरत नहीं है।

श्री सत्यदेव राम : माननीय मंत्री जी से आग्रह है कि इस पर संज्ञान लें । माननीय मंत्री जी को आदेश दिया जाय ।

अध्यक्ष : मंत्री जी संज्ञान में ले लिये हैं । शून्यकाल पर बहस नहीं किया जाता है ।

माननीय सदस्य श्री संजय सरावगी ।

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

श्री सुर्यकान्त पासवान : अध्यक्ष महोदय, बेगूसराय जिला के बखरी अनुमण्डल में डिग्री कॉलेज का निर्माण कार्य शिलान्यास के बाद भी शुरू नहीं हो सका है । अतिशीघ्र बखरी अनुमण्डल में डिग्री कॉलेज निर्माण कार्य शुरू कराने की माँग करता हूँ ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री जनक सिंह ।

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

श्री रणविजय साहू : माननीय अध्यक्ष महोदय, कालांतर में विधान सभा एवं वर्तमान में समस्तीपुर जिले का एक प्रखंड एवं नगर परिषद के रूप में ताजपुर अस्तित्व में है। प्रखंड/नगर परिषद में तकनीकी शिक्षण संस्थान नहीं रहने से छात्रों को तकनीकी शिक्षा से वंचित रहना पड़ता है ।

अतः जनहित में ताजपुर में आई॰टी॰आई॰/पॉलिटेक्निक संस्थान की माँग करता हूँ ।

श्री विनय कुमार चौधरी : अध्यक्ष महोदय, दरभंगा जिला के बिरौल प्रखंड अंतर्गत फुलहारा से सोंगहा रसलपुर तक आर॰डब्ल्यू॰डी॰ सड़क का निर्माण किया जाय ।

श्री मनोज मंजिल : माननीय अध्यक्ष महोदय, राज्य में 40,506 प्रधान शिक्षक, उर्दू, फारसी व अरबी के 26,500, कक्षा-1 से 8 तक 80,257, हाई स्कूल और प्लस टू स्कूलों के 1,22,000 शिक्षकों और कम्प्यूटर शिक्षकों के पदों सहित राज्य में रिक्त पड़े लगभग 4 लाख शिक्षकों की बहाली का नोटिफिकेशन जारी करने की माँग करता हूँ ।

श्री ललित नारायण मंडल : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, भागलपुर जिले के नगर पंचायत अकबरनगर हाट बाजार को नगर पंचायत अकबरनगर में स्थानान्तरित करने की माँग करता हूँ ।

श्री सुदामा प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, भोजपुर जिला अन्तर्गत सहार प्रखंड के कोसियर में बाहा में अवस्थित पुल बरसो पहले बाढ़ में दह गया जिसे बनाने के लिए पिछले विधान सभा चुनाव में वहाँ के सभी मतदाताओं ने वोट का बहिस्कार किया था । जनहित में इस पुल को तत्काल बनाने की माँग करता हूँ ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री गोपाल रविदास जी एवं श्री अखतरूल ईमान साहब, आपकी सूचना 50 शब्दों से अधिक रहने के कारण अमान्य कर दी गई है ।

श्री अख्तरूल ईमान : अध्यक्ष महोदय, आपकी कृपा हो जाय ।

अध्यक्ष : आप पुराने माननीय सदस्य हैं । यह तय है कि शून्यकाल 50 शब्दों का होना चाहिए ।

श्री अख्तरूल ईमान : अध्यक्ष महोदय, मैं संक्षेप में पढ़ देता हूँ ।

अध्यक्ष : इस सुझाव के साथ आपको शून्यकाल सूचना पढ़ने दे रहा हूँ कि आगे से शून्यकाल की सूचना 50 शब्दों से ज्यादा नहीं होना चाहिए ।

श्री अखतरूल ईमान : अध्यक्ष महोदय, मो॰ फैय्याज, पिता–इसहाक, उम्र–45 वर्ष, जिला–समस्तीपुर एवं बाबर हुसैन, पिता–औरंगजेब, उम्र–26 वर्ष, जिला–गया की हत्या दिनांक–22.02.2023 को कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा कर दी गई है ।

अत: मैं मृतकों के परिवार को 20 लाख रुपये मुआवजा एवं परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की माँग सरकार से करता हूँ ।

श्री गोपाल रविदास : अध्यक्ष महोदय, फुलवारीशरीफ ए॰एस॰पी॰ मनीष कुमार द्वारा पुलिस कर्मियों के साथ मारपीट करने, शरीर में तेल मालिस से इनकार करने पर निलंबित करने की एक विडियो वायरल हुई है तथा इसकी शिकायत पीड़ित पुलिसकर्मी द्वारा एस॰एस॰पी॰, पटना को लिखित देने के बावजूद ए॰एस॰पी॰ को कानूनी रूप से दंडित नहीं किया गया है ।

अत: ए॰एस॰पी॰ फुलवारीशरीफ को दंडित करने तथा कानूनी कार्रवाई करने की माँग करता हूँ ।

अध्यक्ष : अब ध्यानाकर्षण सूचनाएँ ली जायेंगी ।

टर्न–9/संगीता/01.03.2023

<u>ध्यानाकर्षण सूचनाएँ तथा उसपर सरकारी वक्तव्य</u>

श्रीमती प्रतिमा कुमारी, श्रीमती कविता देवी एवं अन्य पाँच सभासदों से प्राप्त ध्यानाकर्षण सूचना तथा उसपर सरकार (कला संस्कृति एवं युवा विभाग/गृह <u>विभाग) की ओर से वक्तव्य ।</u>

अध्यक्ष : माननीय सदस्या श्रीमती प्रतिमा कुमारी अपनी ध्यानाकर्षण सूचना को पढ़ें ।

श्रीमती प्रतिमा कुमारी : माननीय अध्यक्ष महोदय, ''राज्य में इन दिनों भोजपुरी गानों में अश्लीलता एवं जाति सूचक शब्दों का प्रयोग बेरोकटोक बढ़ गया है । इससे समाज का वातावरण दूषित हो रहा है । महिलाएं एवं लड़कियां ऐसे गानों से शर्मिंदगी महसूस करती हैं । इन गानों का प्रयोग आम लोगों को असहज करता है । समाज में आपसी भाईचारा एवं सौहार्द के बदले वैमनस्य, कटुता एवं अशांति फैल रही है। हमलोग भी कला–संस्कृति को बढ़ावा देने के पक्ष में हैं, लेकिन एक सभ्य समाज में कला के नाम पर भौंडा प्रदर्शन की अनुमति कदापि नहीं दी जा सकती है । भोजपुरी गानों में अश्लीलता एवं जाति सूचक शब्दों का प्रयोग को रोकने के लिए प्रदेश में कोई कारगर व्यवस्था नहीं है ।

अत: भोजपुरी गानों में अश्लीलता एवं जाति सूचक शब्दों की निगरानी एवं रोकथाम हेतु हम सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हैं ।''

महोदय, मैं कहना चाहती हूं कि बिहार की बेटी...

अध्यक्ष : माननीय मंत्री, गृह विभाग ।

श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि पुलिस अधीक्षक(बी0), विशेष शाखा, बिहार, पटना के ज्ञापांक-1125 दिनांक-15.02.2023 द्वारा राज्य में भोजपुरी गानों में अश्लीलता एवं जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने वालों के विरूद्ध शिकायत प्राप्त होने पर विधिसम्मत नियमानुकूल कार्रवाई करने का निदेश सभी वरीय पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक को दिया गया है । साथ ही अश्लील गानों तथा सोशल मीडिया पर अपलोड करने वालों के अवैधानिक, अमर्यादित कृत्यों पर निरोधात्मक विधियुक्त कार्रवाई करने का निदेश दिया गया है । पुलिस अधीक्षक, कमजोर वर्ग अपराध अनुसंधान विभाग, बिहार, पटना का ज्ञापांक-612(म0अ0को0) दिनांक-29.08.2019 पुलिस महानिरीक्षक, कमजोर वर्ग अपराध अनुसंधान विभाग, बिहार, पटना का पत्रांक-310(म0अ0को0) दिनांक-25.08.2020 एवं पत्रांक-130(म0अ0को0) दिनांक-19.02.2013 तथा अपर पुलिस महानिदेशक, कमजोर वर्ग अपराध अनुसंधान विभाग, बिहार, पटना पत्रांक-386(म0अ0को0) दिनांक-12.05.2016 द्वारा ऐसी शिकायतें प्राप्त होने पर विधिसम्मत नियमानुकूल कार्रवाई करने का निर्देश सभी वरीय पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक (रेल) सहित सभी को दिया गया है ।

श्रीमती प्रतिमा कुमारी : माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे कहना है कि बिहार की बेटी लोक गायिका श्रद्धा राठौर जी, जो कि अश्लील गानों पर उन्होंने समाज का ध्यान आकृष्ट कराने की कोशिश की । वे समाज की कुरीतियों पर जब आवाज उठाती हैं तो वैसी गायिका पर यू0पी0 की पुलिस उन पर एफ0आई0आर0 करती है लेकिन बिहार में जब जिसको जो मन किया एक एलबम बनाया और अपने गाना को प्रदर्शित कर देता है, जिससे शादी समारोहों में या सामाजिक समारोहों में महिला या बच्चियां वहां जाकर के अपने आप को असहज महसूस करती हैं । इसलिए मैं सदन के माध्यम से आपसे कहना चाहती हूं कि इसके लिए एक कमिटी बनायी जाय, जो भी एलबम बनायें पहले सदन के सदस्य उसको सुनें उसके बाद ही उस गाने को प्रदर्शित किया जाय ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्या, माननीय गृह मंत्री जी ने बहुत ही स्पष्ट जवाब देने का उन्होंने काम किया है और भिन्न-भिन्न पदाधिकारियों को अश्लील गाने अगर कोई गाते हैं तो उनके ऊपर सक्षम कार्रवाई हो, इन्होंने निर्देशित किया है । इसलिए आपके प्रश्न का जवाब बहुत साफ-साफ तरीके से गृह मंत्री जी ने दिया है आपको इन्हें धन्यवाद देना चाहिए ।

श्रीमती प्रतिमा कुमारी : जी, मैं माननीय मंत्री जी को धन्यवाद देती हूं ।

श्री अजय कुमार : अध्यक्ष महोदय, कानून तो बने हैं, चिट्ठी भी दी गई है, माननीय मंत्री जी पढ़े हैं लेकिन वह थाने में लागू नहीं हो रहा है । ये घटनाएं रोज घटती हैं और

कई जगह पर लोग इस कारण से सुसाइड भी महिलाएं और लड़कियां कर रही हैं। खासकर के सोशल मीडिया पर जो हो रहा है कि कहीं से फोटो लिया और उसके बारे में टिप्पणी किया, किसी की शादी तय हो गयी और उस शादी के बाद कोई उसपर पुराना स्टोरी दे रहा है । थाना इसपर कार्रवाई नहीं करती है अविलंब इसपर कैसे कार्रवाई करेगी मेरा सरकार का ध्यान आकृष्ट इस बिंदु पर करना है, कोई ठोस इसके लिए कार्यक्रम या कोई निर्देश या कोई धारा इसके लिए तय करेगी कि नहीं ये हमें जानना है ।

अध्यक्ष : माननीय मंत्री ।

श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : महोदय, 15.02.2023 द्वारा हिदायत जारी कर निर्देश दे दिया गया है कि इस तरह की कोई घटना अगर होगी तो पुलिस पर भी कार्रवाई की जाएगी अगर वह कार्रवाई नहीं करेगी । सख्ती से निपटने के लिए यह किया गया है ।

अध्यक्ष : बहुत-बहुत धन्यवाद ।

श्री महबूब आलम : महोदय, सख्ती करने के बावजूद भी अगर अनुपालन नहीं होता है तो हिदायत नहीं बल्कि मैं कहूंगा कि आदेश जारी हो महोदय...

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, महबूब आलम साहब, इस ध्यानाकर्षण में आपका हस्ताक्षर नहीं है।

श्री महबूब आलम : नहीं है महोदय...

अध्यक्ष : नियमानुसार ध्यानाकर्षण में जिनके हस्ताक्षर होंगे, वही प्रश्न पूछ सकते हैं इसलिए आप पुराने सदस्य हैं जो प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली में प्रावधान है उसको कृपया तोड़ने का कष्ट न किया जाय, आपसे मैं यह कहना चाहता हूं ।

श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : मैंने बार-बार कहा कि निर्देश नहीं मानने पर कार्रवाई होगी । उसमें कहां कोई गुंजाइश है ? शिकायत आएगी तो कार्रवाई की जाएगी...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : हो ही गया ।

श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : अभी इसमें कोई कार्रवाई नहीं की है...

(व्यवधान)

सुनिए तो । भाई सुनिये तो, इसमें डायरेक्शन दे दिया गया है...

(व्यवधान)

निश्चित रूप से, निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी...

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी के द्वारा जवाब दिया गया है । जो कार्रवाई नहीं करेंगे उनके ऊपर भी कार्रवाई की बात उन्होंने कही है ।

श्री अजय कुमार : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि अभी एप्लीकेशन पड़े हुए हैं, थाना कोई कार्रवाई नहीं कर रही है कहां आवेदन दें, एस0पी0 को भी लिखकर के दिए कुछ नहीं कर रहा है, हमको कहिए हम देंगे...

अध्यक्ष : आप लिखित दे दीजिए माननीय मंत्री जी इसकी जांच करवा देंगे ।

श्रीमती प्रतिमा कुमारी : अध्यक्ष महोदय...

अध्यक्ष : माननीय सदस्या, आप बैठ जायें । आपका ध्यानाकर्षण था, आपने माननीय मंत्री जी को प्रश्न के जवाब से संतुष्ट होकर धन्यवाद दिया और उसपर काफी चर्चाएं हुई और कार्रवाई के लिए सरकार बिल्कुल तत्पर है, मैं चाहूंगा कि आप स्थान ग्रहण करें ।

डॉ0 निक्की हेम्ब्रम, श्री अवधेश सिंह एवं श्रीमती कुसुम देवी, स0वि0स0 से प्राप्त ध्यानाकर्षण सूचना तथा उसपर सरकार(जल संसाधन विभाग) की ओर से वक्तव्य।

अध्यक्ष : माननीय सदस्या डॉ0 निक्की हेम्ब्रम अपनी सूचना को पढ़ें ।

नहीं हैं ।

(माननीय सदस्या अनुपस्थित)

अब सभा की कार्यवाही 02.00 बजे दिन तक के लिए स्थगित की जाती है ।

टर्न-10/सुरज/01.03.2023

(अन्तराल के बाद)

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष : सदन की कार्यवाही प्रारंभ की जाती है ।

श्री संजय सरावगी : अध्यक्ष महोदय, मैं नियम-61 के तहत व्यवस्था पर खड़ा हूं, मुझे 10 सेकेंड की अनुमति दी जाय ।

अध्यक्ष : एक मिनट, जरा बैठ जाइये, पढ़ लेने दीजिये ।

माननीय सदस्यगण महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर कल दिनांक-28 फरवरी, 2023 से जारी वाद-विवाद अब प्रारंभ होगा ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, माननीय नेता विरोधी दल अपना पक्ष रखेंगे । आज आपका समय 32 मिनट है ।

श्री संजय सरावगी : अध्यक्ष महोदय, हम व्यवस्था पर खड़े हैं, 10 सेकेंड का समय हमें चाहिये ।

अध्यक्ष : आपकी क्या व्यवस्था है ?

श्री संजय सरावगी : XXX

अध्यक्ष : माननीय सदस्य आप सुनिये तो ।

श्री संजय सरावगी : अध्यक्ष महोदय, आप भी नहीं टोके ।

(इस अवसर पर विपक्ष के कुछ माननीय सदस्यगण वेल में आ गये)

अध्यक्ष : आप सुनिये, बात को तो सुनिये, माननीय सदस्य आप सुनिये...

श्री संजय सरावगी : ऐसे लोगों का आप भी विरोध नहीं किये ।

अध्यक्ष : हम बोल रहे हैं आप बैठिये न, अब बहुत ज्यादा हो रहा है । जाइये, बोलते रहिये, बोलते रहिये । माननीय सदस्य सरावगी जी मेरी बात को तो सुनिये । आसन को आपने सूचना दी जो भी असंसदीय शब्द हैं उनको मैं दिखवाकर कार्यवाही से, अगर वे संसदीय नहीं हैं तो उसको निकलवा दिया जायेगा ।

(व्यवधान)

असंसदीय शब्द को कार्यवाही से निकलवा दिया जायेगा जांच कराके ।

(व्यवधान)

अब तो जाइये, अब तो जाइये अब क्या कहें । मैंने कहा कि जो असंसदीय होगा उसको कार्यवाही से निकलवा दिया जायेगा ।

(व्यवधान)

अब आप अपनी जगह लीजिये ।

(इस अवसर पर माननीय सदस्यगण वेल से वापस अपने स्थान पर चले गये)

(व्यवधान)

माननीय नेता विरोधी दल आपका समय खराब हो रहा है, खत्म हो रहा है, उनलोगों को कहिये कि बैठे, आप अपना भाषण जारी रखें ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आप बैठिये माननीय सदस्यगण...

(व्यवधान)

आपलोग भी अपना स्थान ग्रहण कीजिये ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, हाउस को ऑर्डर में लाइये ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण अपने स्थान पर बैठ जाएं, बैठ जाएं ।

(व्यवधान)

माननीय सदस्यगण अपने स्थान पर आप बैठ जाएं ।

(व्यवधान)

माननीय सदस्य जो भी असंसदीय शब्द होगा उसको मैं दिखवा लूंगा । अगर असंसदीय है तो कार्यवाही से मैं उसको निकलवा दूंगा । नेता विरोधी दल ।

(व्यवधान)

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : अब हाउस ऑर्डर में नहीं रहे तो कैसे बोलें महोदय ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आप बैठिये, माननीय सदस्यगण आप अपना स्थान ग्रहण कीजिये । आसन से कहा जा रहा है आप अपना स्थान ग्रहण कीजिये ।

(व्यवधान)

बैठ जाइये, आप बैठिये, समय न बर्बाद कीजिये, बैठिये तो ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय...

अध्यक्ष : आप बोलिये नेता विरोधी दल ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, सदन लोकतंत्र के राज्य के बड़े मंदिर में जनता के विश्वास को जीतकर हमलोग आते हैं और सदन के अंदर कोई भी व्यक्ति अगर गरिमा गिराने का काम करते हैं तो आसन की ओर से हस्तक्षेप होना चाहिये । कल सदन में आपकी मौजूदगी में जो गाली-गलौज की संस्कृति को बढ़ावा दिया गया..

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आपको समय दिया जायेगा, आप बैठिये ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : महबूब आलम माननीय सदस्य के द्वारा भाजपा के लोगों के संदर्भ में जो बोला गया, वह घोर निंदनीय है और इसे कतई प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिये । महोदय, राज्य एवं देश की जनता आपको बार-बार जो लोग बोल रहे थे उसको नकार चुकी है । देश ने कहीं स्वीकार नहीं किया और वह व्यक्ति असंसदीय भाषा का कल जिस तरह से उपयोग करते रहे, टोटल प्रेस मीडिया में चल रहा है और माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के बारे में जो संवैधानिक पद है जिन शब्दों का उपयोग किया गया तो इनको तो शर्म लगनी चाहिये कि देश के प्रधानमंत्री जी और आगे बढ़ते जा रहे हैं और आप कहां पीछे जा रहे हैं....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आप अपना स्थान ग्रहण कीजिये, नेता विरोधी दल बोल रहे हैं । मात्र इनको 25 मिनट ही है, अपने भाषण को समाप्त करना है ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : इसलिये आग्रह है कि 28.02.2023 को महबूब आलम के द्वारा जो कहा गया है, वह खेद व्यक्त करें, क्षमा मांगें और नहीं तो इस परंपरा को प्रोत्साहित करेंगे तो काउंटर तो होगा । काउंटर को रोकने के लिये एक सकारात्मक वातावरण बनाना चाहिये और महोदय, एक चीज तो मैं कहना चाहूंगा-

''कल चोरों के जो हित ठगों के जो बल हैं, उनके ही प्रताप से फलते पाप सकल है,
क्षल प्रपंच सबको प्रश्रय देते हैं, चाटुकार जिनकी सेवा लेते हैं, यह पाप उन्हीं का है ।''

महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी और उप मुख्यमंत्री जी एक विषय कल उठाये कि जब आपके साथ होते हैं तो हरिश्चन्द्र हो जाते हैं और जब मेरे साथ आते हैं तो भ्रष्ट हो जाते हैं । माननीय उप मुख्यमंत्री जी को हमने कहा था कि आपके मन में ये जो बात चलती रहती है, आपका पूरा प्रोसीडिंग जब विपक्ष में आप थे और आपने क्या-क्या बोला है अगर जो हम पढ़ देंगे...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आप अपना भाषण जारी रखें ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : पढ़ देंगे तो इनका दो ही शब्द खाली पूरी माननीय मुख्यमंत्री जी के लिये क्या-क्या शब्दों का उपयोग किये थे कुर्सी कुमार, पलटू राम, बेशर्म मुख्यमंत्री । क्या-क्या शब्दों का कुछ शब्द तो ऐसे हैं जिसकी चर्चा हमारे जैसे लोग नहीं कर पायेंगे लेकिन और सुन लें कि संगत से गुण होत है, संगत से गुण जात । आज मुख्यमंत्री जब भारतीय जनता पार्टी के संगत में थे तो श्रद्धेय अटल जी के गुण को ग्रहण करके वे सुशासन की बात करते थे, सुशासन स्थापित करने के लिये प्रयास करते थे और उनकी संगति में जो लोग थे वह

सुशासन पर ही चर्चा करते थे । आपको उदाहरण देकर बता देना चाहता हूं कि माननीय नीतीश कुमार जी जब मुख्यमंत्री बनें उस समय राज्य में अराजकता का माहौल था, साथ ही वित्तीय अराजकता भी फैली हुई थी । जो हमारे उप मुख्यमंत्री बोल रहे हैं उनके पूर्वज सरकार के खजानों की लूट-खसोट में लगे हुये थे । परिणामस्वरूप पूर्व मुख्यमंत्री जेल की हवा भी खा रहे थे । उस दौर में हमारी पार्टी के वित्त मंत्री ने अपने अथक प्रयास से वित्तीय अनुशासन का माहौल बनाया । बीच में जब नीतीश जी हमसे अलग हो गये तो वापस खुद यह कहकर आये थे, इसी सदन में उन्होंने कहा था ।

(क्रमशः)

टर्न-11/राहुल/01.03.2023

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल (क्रमशः): आज उप मुख्यमंत्री बैठे हैं यहां नेता प्रतिपक्ष में बैठे थे उन्होंने खुद कहा था इनको कि आपके साथ रहकर भ्रष्टाचार से मुक्त रहना नामुमकिन है । यह मैं नहीं कहा था मुख्यमंत्री जी की बात थी कि राजद के साथ रहकर के भ्रष्टाचार से मुक्त रहना नामुमकिन है सुशासन नहीं कुशासन का दौर चलेगा । आपकी हकीकत को राज्य की जनता को उन्होंने रू-ब-रू कराया था । महोदय, कल उपमुख्यमंत्री जी ने पूर्व के मंत्रियों पर कई विषय उठाये...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आप शांति से सुनिये, माननीय मुख्यमंत्री जी के लिए समय निर्धारित है, इनके लिए भी समय निर्धारित कर दिया गया है जो भाषण हो रहे हैं आप उनको सुनिये ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : खुलकर के हमारे देश के प्रधानमंत्री जी ने कहा कि कोई भ्रष्टाचारी हो उसपर पर कार्रवाई हो और आपके पास सबूत हैं तो आप भी जाइये माननीय न्यायालय में जैसे चारा चोर, खजाना चोर में आज सत्ताधारी दल के लोगों ने माननीय न्यायालय में जाकर के जेल की हवा खिलाये खुली चुनौती है कि आपके पास सबूत हैं तो जाइये माननीय न्यायालय के पास, रखिये सबूत को, कराइये कार्रवाई लेकिन दम नहीं है । महोदय, कल जो अधूरा विषय था, शिक्षा व्यवस्था । आज शिक्षा व्यवस्था के संदर्भ में हम कहना चाहेंगे कि सबसे पवित्र मंदिर आज गांवों के अन्दर कोई है जहां हमारा भविष्य बनता है वह हमारा विद्यालय है और उस विद्यालय के अन्दर जो हमें संस्कार देता है, जिनके प्रति हृदय से, श्रद्धा से सिर झुक जाता है वे हमारे शिक्षक हैं । आज शिक्षक की बदहाल स्थिति के लिए जिम्मेवार कौन है ? माननीय मुख्यमंत्री जी बैठे हैं शिक्षक की बदहाल स्थिति के लिए जिम्मेवार कौन हैं और शैक्षणिक वातावरण जहां पर कि ताला लटक गया था शैक्षणिक वातावरण चरवाहा विद्यालय की ओर ले गया था ।

हमारे साथ तो माननीय मुख्यमंत्री जी मिलकर के चरवाहा विद्यालय से मुक्ति दिलाये और चरवाहा विद्यालय से जो ताला लटका था, रंग-रोगन कर-करके शिक्षकों का एक बार वातावरण बनाने का, तकनीकी कॉलेज जिलों तक पहुंचाये लेकिन आप उन्हें फिर कहां ले जा रहे हैं ? जिनको शिक्षा मंत्री बनाये, जो शिक्षा की व्यवस्था को सुधारने के बजाय शैक्षणिक वातावरण को बिगाड़ रहे हैं । पढ़ाई कराने के बजाय ऐसी पढ़ाई पढ़कर के आये हैं...

श्री चन्द्र शेखर, मंत्री : महोदय, जब शिक्षा मंत्री की बात आ रही है...

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : आपको भी मौका मिलेगा, मौका मिलेगा । महोदय, बद से बदतर स्थिति हो गई...

अध्यक्ष : समय आयेगा ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : प्राथमिक दायित्व का निर्वहन नहीं कर पाये हैं । महोदय, आप शायद अवगत होंगे कि माननीय उच्च न्यायालय, पटना द्वारा शिक्षा...

अध्यक्ष : समय आयेगा, माननीय मुख्यमंत्री जी सब बातों को रखेंगे ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : शिक्षा विभाग को फटकार लगाते हुए हलफानामा की मांग की गई थी कि राज्य के 6 हजार सरकारी उच्च विद्यालयों में से 2500 छात्रों के लिए अलग शौचालय की व्यवस्था नहीं है और जिसमें भी उसकी हालत यह है कि 1075 छात्राओं पर मात्र 2 शौचालय की व्यवस्था है । महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी बार-बार कन्या उत्थान और महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं । क्या बिहार की कन्याओं के लिए उससे भी ज्यादा कोई दुर्भाग्यपूर्ण बात हो सकती है कि जिसको हम शौचालय भी उपलब्ध नहीं करा सकते । बदहाल स्थिति पर शिक्षा मंत्री जी का चिन्तन होना चाहिए । महोदय, यह जानकर आपको हैरानी होगी कि ज्यादातर लड़कियां अपनी पढ़ाई केवल शौचालय के अभाव के कारण छोड़ देती हैं जो हम सबों के लिए शर्म की बात है । आपको बता दें उप मुख्यमंत्री जी आप जिस जिले के अंदर से आते हैं, जिस जिले से विधायक हैं, हमारे विधायक लखेन्द्र जी बैठे हैं एक बच्ची के साथ सामूहिक बलात्कार कर-करके विद्यालय के अंदर मार दिये और विद्यालय के शौचालय के कारण वह बगल के, पूरी जानकारी ले लीजिये कि क्यों उसकी हत्या हुई ? बलात्कार करके मार दिया । महोदय, दलित की बेटी थी, मैं गया था मिलने के लिए और उसके दर्द को शायद उप मुख्यमंत्री जी सुनने की भी जरूरत महसूस नहीं करते हैं, जोर से बोलते हैं कि मैं उस जिले से आता हूं । महोदय, इतना ही नहीं राज्य के 4000 उच्च विद्यालयों में प्रयोगशाला का अभाव है, 3000 विद्यालयों में पुस्तकालय ही नहीं है और हमारे शिक्षा मंत्रीजी अलग राग अलाप रहे हैं । इन्सानियत का दामन क्यों इतना छोटा हो गया, क्या इन्सान बनना मुश्किल हो गया । कोई दर्द नहीं है । हम जनता के विश्वास पर

जीतकर आते हैं, क्यों शिक्षा के मामले में इतने संवेदनशील हो गये ? महोदय, राज्य में ज्यादातर प्राथमिक और मध्य विद्यालयों में भवन का अभाव है, उनका भवन क्षतिग्रस्त हो गया है । 39191 करोड़ का चालू वित्तीय वर्ष का शिक्षा बजट है । जब प्राथमिक और मध्य विद्यालय में भवन की कमी हो या क्षतिग्रस्त हो और विद्यालयों में शिक्षक भी नदारद रहते हैं और जो भी मध्याह्न भोजन और जातीय जनगणना में लगा दिये गये हैं, स्कूल में इस भारी-भरकम बजट का क्या फायदा होगा ? जब शिक्षक ही नहीं हैं, पढ़ने-पढ़ाने का माहौल खड़ा करना है लेकिन हो क्या रहा है ? महाविद्यालयों की बुरी स्थिति तो किसी से छिपी नहीं है, शिक्षकों की कमी, इन्फ्रास्ट्रक्चर का अभाव, नई तकनीकी सुविधाओं की उपेक्षा आदि से महाविद्यालय प्रशासन जूझ रहा है । विश्वविद्यालयों में विलंबित सत्र, पेंडिंग परीक्षाफल और अनेक कठिनाइयों के कारण छात्र परेशान हैं । जहां भारत के अन्य राज्य शिक्षा में नित्य नये आयाम तय कर रहे हैं, तकनीकी रूप से उच्च कोटि की शिक्षा दी जा रही है वहीं बिहार में परम्परागत स्थिति कायम है । शिक्षा मंत्री विभागीय काम का त्याग कर राजनीतिक एजेंडों पर काम कर रहे हैं । बिहार की बदहाल स्थिति के लिए इतिहास के पन्नों में आपका नाम दर्ज होगा कि जो बेहतर शिक्षा प्रणाली एक नये पग की ओर बढ़ी थी उसको नष्ट करने में आप कोई कमी नहीं रख रहे हैं । माननीय शिक्षा मंत्री जी ने आर्थिक सर्वेक्षण में स्वीकार किया है कि अभी 2 लाख 75 हजार बच्चे स्कूल के बाहर हैं जिसमें ज्यादातर अनुसूचित जाति एवं अल्पसंख्यक समुदाय के हैं । महोदय, शिक्षा व्यवस्था इतनी बदहाली से जूझ रही है लेकिन शिक्षा मंत्री जी को सांस्कृतिक विरासत पर बोलने से ही फुरसत नहीं है । महोदय, अब Education Foundation 'ASAR' की रिपोर्ट से आपको अवगत करवाते हैं । पांचवीं कक्षा के 57 प्रतिशत बच्चे दूसरी क्लास का पाठ नहीं पढ़ पाते हैं यह सच्चाई है । कक्षा 3 के 80 प्रतिशत बच्चे कक्षा 2 का पाठ नहीं पढ़ सकते हैं, 20 प्रतिशत प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के पास पाठ्य-पुस्तक नहीं हैं और 35 प्रतिशत उच्च विद्यालय के बच्चों के पास भी पाठ्य-पुस्तक नहीं हैं, यह मेरी रिपोर्ट नहीं है यह आप ही लोगों की दी हुई रिपोर्ट है । महोदय, यह महामहिम के अभिभाषण में सरकार द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नीति पर कोई बल नहीं दिया गया, सरकार की सोच साफ झलकती है शिक्षित, शिक्षित हो जायेंगे तो इनके जंगलराज का एजेंडा नहीं चल पायेगा । इसलिए नहीं चाहते हैं कि बिहार के लोग शिक्षित हों । महोदय, एक समय था जब बिहार अपनी शिक्षा व्यवस्था के लिए पूरे विश्व में सम्मान पाता था लेकिन आज नॉलेजिंग पावर को बदल कर बड़े भाई, छोटे भाई ने चरवाहा विद्यालय वाली सोच के एजेंडे को आगे बढ़ाने में लग गये हैं और शिक्षा व्यवस्था को चौपट कर दिया है । इनका मानना है कि लोग ज्यादा

पढ़-लिख जायेंगे तो बौधिक रूप से संपन्न होकर इनकी गुलामी नहीं कर क्योंकि ये गुलाम पसंद लोग हैं । आज हमारे माननीय विधायक बैठे हैं, माननीय विधायक को, इसी सदन में आपकी जगह हम बैठे थे और एक प्रस्ताव लिया गया था कि हमारे विधायक जो हजारों लोगों के विश्वास को जीतकर आते हैं, प्रखंड में बैठने का कार्यालय हो लेकिन नहीं मिला । आज ये नहीं बोलेंगे क्योंकि ये कहीं-न-कहीं बंधुआ मजदूर के रूप में इनको रखने का लोग प्रयास करते हैं ।

क्रमशः

टर्न-12/मुकुल/01.03.2023

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल (क्रमशः) : इस बंधन को टूटना चाहिए ।

(व्यवधान)

अब सरकार से मांगें, कहीं पर भी आपके कार्यालय की व्यवस्था के लिए कोई फंड का वित्तीय प्रावधान नहीं हुआ है ।

श्री राजेश कुमार : महोदय, बंधुआ मजदूर हैं, इस शब्द को प्रोसीडिंग से हटाया जाय ।

(व्यवधान)

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : यह असंसदीय भाषा नहीं है । अरे, हम आपके हित में कह रहे हैं, आपके हित में कहा जा रहा है, विचार कीजिए, गहन समीक्षा कीजिए ।

(व्यवधान)

महोदय, बिहारी अस्मिता पर प्रहार हो रहा है ।

अध्यक्ष : नेता विरोधी दल, आप अपना भाषण जारी रखें, समय की बड़ी कमी है ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : महोदय, सुशासन में हो रहा लोकतंत्र, बिहार की अस्मिता हो रही नीलाम, पदाधिकारी निरंकुश और बेलगाम । महोदय, बिहार के मुख्यमंत्री को बिहार की अस्मिता से कोई लेना-देना नहीं है, वे प्रधानमंत्री बनने के स्वप्न में मगन हैं । अभी हाल ही में एक वरीय प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी के द्वारा बिहार की अस्मिता की धज्जियां उड़ाई गई हैं । इसे बिहार ही नहीं, बल्कि पूरा देश देखा है । किसी प्रकार वायरल वीडियो में ये पदाधिकारी बिहारियों को, बिहार संवर्ग के पदाधिकारियों को एवं बिहार की व्यवस्था को सरेआम गाली दे रहे हैं, धमका रहे हैं । महोदय, इनकी सेवा 32 वर्ष की हो गई है और ये बिहार में काम कर रहे हैं, लेकिन फिर भी इन्होंने इस तरह के वातावरण और माहौल से बिहार को लज्जित किया है, इन पर कार्रवाई होनी चाहिए । महोदय, एक वरिष्ठ आई0जी0 रैंक के पदाधिकारी द्वारा यह कहा गया कि उनके प्रधान जो डी0जी0 स्तर के पदाधिकारी हैं, उनके द्वारा उनकी मां-बहन और बिहारी होने पर गाली दी गयी, उस भद्र पदाधिकारी ने शासन से गुहार की, उसी का स्थानांतरण कर दिया

गया, उसकी आवाज को ही दबा दिया गया, यहां सरकार को उस गाली-गलौज डी0जी0 पर कार्रवाई करनी चाहिए थी, लेकिन उल्टे उस पीड़ित भद्र आई0जी0 पर कार्रवाई की जा रही है, इसको कहा जाता है-

''अंधेर नगरी चौपट राजा,
टका सेर भाजी टका सेर खाजा ।''

माननीय मुख्यमंत्री जी,

''खूबसूरत चेहरा भी बूढ़ा हो जाता है,
ताकतवर जिस्म भी एक दिन ढल जाता है ।
ओहदा और पद भी एक दिन खत्म हो जाता है,
लेकिन एक अच्छा इंसान, हमेशा अच्छा इंसान ही रहता है ।।''

इस पर आप जरूर गौर फरमायें ।

अध्यक्ष : माननीय नेता प्रतिपक्ष, यह आपका है या आप किसी से उद्धृत किये हैं ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, आप जैसे लोगों से ही तो हम सीखे हैं और बहुत चीज सिखा रहे हैं, अध्यक्ष महोदय । मुख्यमंत्री जी, हमारे एन0डी0ए0 में नेता रहे हैं और ये बुजुर्ग, उम्रदराज हैं तो सम्मान भी करते हैं, उस आसन से भी हमने सम्मान किया है, इसलिए मैं अपनी संस्कृति और संस्कार को नहीं छोड़ता हूं ।

अध्यक्ष : आपको कविता...

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : लेकिन ये भी इसका ध्यान रखें ।

अध्यक्ष : आप अगर अच्छे कवि होते तो अच्छी कविता भी कर सकते थे । नेता विरोधी दल, आप अपनी बात जारी रखें ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : महोदय, अभी शिक्षा विभाग पर बोलने के लिए तो बहुत सारा विषय है, जिस तरह से शिक्षकों पर लाठियां बरसाकर शिक्षक अभ्यर्थियों को सपना दिखाकर जो माहौल खड़ा कर रहे हैं, समान वेतन । अभी देखिये, अगर हम उप मुख्यमंत्री जी की वाणी शुरू करें, उप मुख्यमंत्री जी शिक्षा पर क्या-क्या शब्द बोले थे, मैं आऊंगा तो समान वेतन दूंगा, कहां गया, भूल गये । उप मुख्यमंत्री जी, आप अपने शब्दों को क्यों भूल गये, क्या-क्या कह रहे थे, क्यों चुप हैं ।

(व्यवधान)

किनके इशारों पर बोल रहे थे, लेकिन अभी इधर सुनेंगे नहीं क्योंकि अभी इनको लग रहा है । चलिए, हम अब शिक्षा विभाग से आगे बढ़कर कृषि विभाग पर आते हैं । महोदय, बिहार कृषि प्रधान राज्य है, आप अवगत हैं कि बिहार में चौथा कृषि रोडमैप आ रहा है । महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से

कहना चाहूंगा कि चौथा रोडमैप लाने से पूर्व आप अपने ही पूर्व के कृषि मंत्री सुधाकर सिंह से थोड़ा सलाह-मशविरा कर लेते । ये कृषि मंत्री रहते हुए कहे थे कि इस विभाग में नीचे से ऊपर तक चोरी है और मैं चोरों का सरदार हूं । बेचारा दिल से बोला तो कहा कि तुम चोरों का सरदार हो तो मैं बड़ा सरदार हूं तुमको बाहर करता हूं, अब वहां की भी व्यवस्था को मैं ग्रहण करता हूं । यही खेल हुआ है, यही खेल हुआ कृषि विभाग में । महोदय, दिसम्बर, 2022 तक 56,000 से ज्यादा आवेदन मुख्यमंत्री जी अपने जनता दरबार में ले चुके हैं, जिसमें सबसे ज्यादा मामले भूमि सुधार के ही हैं । हमारा किसान प्राकृतिक आपदा से लड़े, अपनी स्थिति से लड़े, खेती में कीट-पतंगों से लड़े कि प्रखंड से लेकर जिला स्तर तक छोटे-छोटे कामों के लिए भ्रष्टाचारियों से लड़े, हालत बद-से-बदतर हो गई । महोदय, पैक्स में बिचौलियों को बोल-बाला है, हमारे किसान भाइयों को औने-पौने दामों पर धान बेचना पड़ रहा है, सरकार किसान के हित का दम भर रही है-

''लेकिन जो भगवान का सौदा करता है, इंसान की कीमत क्या जाने,
जो धान की कीमत दे न सका, वह जान की कीमत क्या जाने ।''

महोदय, यह वही सरकार है । उप मुख्यमंत्री जी कहे थे, इन्हीं की प्रोसीडिंग है कि सभी धान खरीदा जायेगा, क्या हो गया । आप ही की प्रोसीडिंग है, आपने ही बोला था कि सभी किसानों का धान खरीदा जायेगा । आज तो आप सत्ता में हैं, आप ही के मंत्री हैं और आप ही हैं । हमारे पास यह सारा पार्ट आपकी ही प्रोसीडिंग का है, यह दिनांक- 23.02.2021 का है । महोदय, बिहार में शराबबंदी...

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : हमें भी तिथि बता दीजिए ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : यह दिनांक-23.02.2021 और 02.03.2022 का है ।

अध्यक्ष : नेता विरोधी दल, आप अपनी बात को जारी रखें ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, बिहार में शराबबंदी की स्थिति । महोदय, हर जगह मिलती है शराब, फिर भी मुख्यमंत्री जी को न जाने किस बात का अहंकार है, जहरीली शराब से हो रहा नरसंहार, ईश्वर की भेंट हो न हो, लेकिन शराब की हर घर तक पहुंच बन गयी है । मुख्यमंत्री जी, आज नरसंहार हुआ, 100 से ज्यादा लोगों की मौत जहरीली शराब से हुई । जिसने जहरीली शराब पी दोषी वह था, लेकिन उसके अनाथ बच्चे और उसकी बीबी जो विधवा हो गई, 6 महीने के बच्चे का क्या कसूर था, क्यों नहीं उसके पालन का, आप राज्य के

मुख्यमंत्री हैं, क्या आपकी जिम्मेवारी नहीं है उस परिवार को पालने का, उसको मुआवजा देने का, उसको रोजगार में भागीदार बनाने का, क्या वह अनाथ बच्चा कल सिसकते हुए असामाजिक तत्वों के हाथों में जायेगा और हथियार उठाकर इस समाज से बदला लेगा । उसकी जिम्मेवारी राज्य की होती है, हर बुद्धिजीवियों और सरकार की होती है, उसके प्रति सहानुभूति क्यों नहीं । मुख्यमंत्री जी, आप समाधान यात्रा पर गये, क्यों नहीं आपने उसका समाधान किया, आपने उसके आंसू पोंछने का क्यों नहीं काम किया । महोदय, मुख्यमंत्री जी का बहुत अच्छा कॉन्सेप्ट था, हेलीकॉप्टर से शराब ढूंढ़ रहे हैं, नाइट पेट्रोलिंग हो रही है लेकिन गरीबों की जिंदगी से जुड़ी चीजों के लिए ऐसा नहीं हो रहा है । कम-से-कम एम्बुलेंस सेवा भी हेलीकॉप्टर से होता, अगर जो छपरा में उसको सिर्फ पटना लाया जाता तो बहुत सारे लोग बच जाते, हॉस्पिटल में गया और इलाज न होने के कारण दम तोड़ दिया । मुख्यमंत्री जी, स्वास्थ्य विभाग से बद-से-बदतर हो रहा है, जहरीली शराब से मृत्यु और शराबबंदी के कानून का पुलिस तस्कर गठजोड़ में धज्जियां उड़ाने से पूरा राज्य वाकिफ है । वर्ष 2016 से 7 वर्ष पूरा होने में मात्र एक माह बचा हुआ है, परंतु यह कानून पूरी तरह से विफल है, 7 लाख लोग गिरफ्तार किये गये, लेकिन फिर भी शराब की होम डिलीवरी बेरोक-टोक चल रही है । दरअसल, पुलिस संरक्षण में पूरा करोबार चल रहा है, जब कोई साथी इन बुराइयों के बारे में बोलता है तो मुख्यमंत्री जी भड़क जाते हैं, ये सुनना नहीं चाहते । आज 99 परसेंट महिला और 96 परसेंट पुरुष शराबबंदी के पक्ष में हैं । मुख्यमंत्री जी, कौन व्यक्ति ऐसा होगा जो शराबबंदी के पक्ष में नहीं रहेगा । हम तो विपक्ष में बैठे थे और आगे बढ़कर समर्थन किये थे लेकिन सावधान किये थे कि नीति सफल तब होगी जब नीयत साफ होगी । साथ में बैठे लोग जब विधान सभा में शराब बनाने वाले को उम्मीदवार बनायेंगे, शराब पीने वाले को उम्मीदवार बनायेंगे, आपकी नीति कभी सफल नहीं होने देंगे और इस नीति से हजारों घर में विलाप होगा, विलाप । महोदय, न्यायालय द्वारा भी कई बार शराबबंदी पर सरकार के विरुद्ध टीका-टिप्पणी की गई, सवाल खड़ा किया गया । ..क्रमशः..

टर्न-13/यानपति/01.03.2023

(क्रमशः)

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दलः मुख्यमंत्री जी, शराबबंदी पर ही नहीं, पूर्ण नशाबंदी की चर्चा कीजिए, व्हाइट जहर तेजी से फैल रहा है पंजाब के बाद बिहार, उड़ता पंजाब की तरह बिहार उड़ता बिहार बन जाएगा । व्हाइट जहर पर आपके प्रशासन की कोई नजर नहीं है, शराबबंदी के नाम पर पुलिस अकूत संपत्ति का मालिक बन

रहा है, आप एक बार इसपर विचार कीजिए कि पूर्ण नशाबंदी क्यों नहीं ? महोदय, जे0पी0 के सिद्धांतों को तिलांजलि दे दिए । आज महोदय बड़े भाई श्रीमान् लालू प्रसाद यादव जी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी उसी आंदोलन के प्रोडक्ट हैं । मुझे तो यह सही नहीं लगता जीवन भर कांग्रेस के अत्याचार, तानाशाही, अलोकतांत्रिक रीति-नीति के विरुद्ध जे0पी0 के नेतृत्व में लड़ते रहे और आज जे0पी0 के शिष्य होते हुए कांग्रेस की गोदी में जाकर बैठ जाते और मेरी मांग है कि जो कांग्रेस की गोद में बैठ गए, कांग्रेस के साथ सरकार चला रहे हैं क्या उनको जे0पी0 सेनानी पेंशन लेने का अधिकार है, क्या ऐसे लोग जो कांग्रेस के साथ चल रहे हैं, बंद होना चाहिए जे0पी0 सेनानी का पेंशन । जो कांग्रेस के साथ गठजोड़ कर लिए, कांग्रेस के कदम में कदम मिलाकर चल रहे हैं, यह उचित कतई नहीं है थोड़ी सी भी नैतिकता बची है तो इस पेंशन को स्वेच्छा से छोड़ देना चाहिए और जो लिए हैं उसको वापस करना चाहिए । महोदय, इस गठबंधन ने लोकनायक जे0पी0 के सिद्धांतों को तिलांजलि दे दी, उनका समाजवाद का चोला बनावटी है, जनता सब जान चुकी है, लोग कहते हैं कि हम समाजवादी हैं, अकूत संपत्ति के मालिक बन गए । 28 वर्ष में 28 संपत्ति का.....

अध्यक्ष: माननीय नेता विरोधी दल, अब आपका मात्र 5 मिनट बाकी है इसलिए.....

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल: महोदय, 10 मिनट समय है ।

अध्यक्ष: मैं बिल्कुल गणना कर के रखा हूं । मात्र 5 मिनट ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल: इनका समाजवाद मालगोदाम में लटकी हुई बाल्टियों की तरह है जिस पर आग लिखा है लेकिन उसमें बालू और पानी भरा है, यह समाजवादी लोग नहीं हैं । मुख्यमंत्री जी को दिवा स्वप्न जिसने दिखाया प्रधानमंत्री की कुर्सी का क्योंकि उसके पीछे छिपा था मुख्यमंत्री की कुर्सी पाने का और यह गठबंधन नहीं ठगबंधन है । एक दूसरे को ठगने में बिहार की जनता ठगा रही है उसका जवाब बिहार की जनता देगी आनेवाले समय में । महोदय, मैं कहना चाहूंगा अपराध, भ्रष्टाचार से बड़ी गरीबी कितना धोखा यह कैसी है महागठबंधन की सरकार नौजवान, बेरोजगार हो रही लाठियों की बौछार, मंत्री अफसर मालामाल है, बिहार में जनता बेहाल है, नीतीशे कुमार है, यह बिहार है, यही बिहार है । बेमेल गठजोड़ है, कुर्सी प्रेम के लालच में माननीय मुख्यमंत्री जी, आपने जिस तरह से सिद्धांत से समझौता किया जिनसे आपने गठजोड़ किया है, एक तरफ नरसंहार का आरोप लगता था, माले गरीबों का हितैषी बनता था आज गरीबों पर अत्याचार होता है मौन है क्योंकि सत्ता की मलाई में भागीदारी की छटपटाहट है । हम तो धन्यवाद देंगे मुख्यमंत्री जी, एक काम आपने अच्छा कर दिया जो सिद्धांत की बात करते थे सबके सिद्धांत को आपने उघाड़कर के रख दिया । चाहे वामपंथी हो, चाहे राजद

हो, चाहे कांग्रेस हो और यह बेमेल गठजोड़ बड़े भाई, छोटे भाई एक दूसरे को ठगने के चक्कर में जो बिहार को ठगने में लग गए हैं, महोदय दुनिया की रीत है, रिवाज है और सबूत है कि एक साथी दूसरे साथी को नहीं ठगता है यह मानवता का एक सिद्धांत रहा है । लेकिन हमलोगों ने जो मुद्दे महोदय आज बहुत सारे विषय पर उठाए हैं, बहुत सारे विषय पर उठाए हैं, महोदय मैं कहना चाहूंगा कि यह बेमेल शादी बहुत दिन तक चलेगी नहीं और अगर चलाना भी चाहेंगे तो जनता आपका बहिष्कार करेगी, जनता नेगलेक्ट करेगी और नोट कर लीजिएगा कि आनेवाले दिनों में 2024 और 2025 में आपको इसका सबक सिखा देगी, जितने लोग अपराधियों की गोली से, प्रशासनिक अराजकता से मरे हैं उसका समूह और उसकी चीत्कार आपको चैन से सोने नहीं देगी । आपका आनेवाला भविष्य समाप्त करेगा । घातक है जो देवता सदृश दिखता है.....

(व्यवधान)

महोदय, बिहार में प्रतिभाओं की कमी नहीं है.....

अध्यक्ष: माननीय सदस्य श्री संजय सरावगी जी, कृपया स्थान ग्रहण करें ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल: 70 साल में बिहार ने देश को 600 से अधिक आई0ए0एस0 दिया यहां पर 51 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं, कौन उसका जिम्मेवार है । क्या मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव को बिहार की जनता से माफी नहीं मांगनी चाहिए । मुख्यमंत्री जी, आप 2024 के लोकसभा चुनाव के मुगालते में मत रहिए, आदरणीय मोदी जी को बिहार की जनता आशीर्वाद देने के लिए तैयार है । भाजपा एवं सहयोगी दल 40 की 40 लोकसभा सीट जीतेगी और मैं कहना चाहूंगा कि घातक है जो देवता सदृश दिखता है लेकिन कमरे में गलत हुक्म लिखता है जिसको गुण नहीं गोत्र प्यारा है समझो उसने ही हमें यहां मारा है इस बिहार को मारा है, जो सत्य जानकर भी सत्य नहीं कहता है या किसी लोभ के विवश मूक रहता है वह नर नहीं पशु के समान है ।

अध्यक्ष: नेता प्रतिपक्ष, बहुत-बहुत धन्यवाद । अब आप समाप्त करें ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल: महोदय, हमने जो मुद्दे उठाए हैं वे बिहार की जनता के हित में हैं । धन्यवाद ।

अध्यक्ष: माननीय सदस्य श्री अजीत शर्मा जी अपना पक्ष रखें । अजीत बाबू, समय का अभाव है कृपया 10 मिनट में अपना पक्ष रखें इसलिए कि माननीय मुख्यमंत्री जी को भी बोलना है समय की कमी है ।

श्री अजीत शर्मा: 19 मिनट है सर । बोलने दीजिए सर ।

अध्यक्ष: 10 मिनट ।

श्री अजीत शर्मा: अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन में बोलने के लिए मैं खड़ा हूं ।

(व्यवधान)

कृपया शांति रखिए ।

(व्यवधान जारी)

अध्यक्ष: माननीय खान साहब, माननीय सदस्य आप स्थान ग्रहण करें । आप अपना स्थान ग्रहण करें । शांति बनाए रखें ।

श्री अजीत शर्मा: आग्रह है सदन से कि जिस तरह हमने भारतीय जनता पार्टी के नेता प्रतिपक्ष की बात सुनी वैसे आपलोग भी शांति से सुनेंगे । महोदय, मैं जब-जब भाजपा के साथियों को मुख्यमंत्री जी का विरोध करते देखता हूं और महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव में संशोधन प्रस्तुत करते देखता हूं तो मुझे आश्चर्य होता है कि आखिर वह कौन सी चीज है कि तुरंत प्रशंसा और तुरंत बुराई करने के लिए प्रेरित करती है । जब माननीय मुख्यमंत्री....

(व्यवधान)

हम शांति से सुन रहे थे, सुनिये । जब माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी भाजपा के साथ होते हैं तो अतुल्य होते हैं लेकिन जैसे ही भाजपा से अलग होते हैं वे अछूत की श्रेणी में आ जाते हैं, यह कैसी परिपाटी भाजपा ने शुरू की है। महोदय, भाजपा का अपनी बातों से पलटने का जो ट्रैक रिकॉर्ड है इसके लिए उसका नाम गिनीज बुक में दर्ज हो जाय तो कोई आश्चर्य नहीं । भाजपा ने जो रोजगार देने का वादा किया था उससे पलट गई है । जो देशवासियों के खाते में कालाधन वापस लाकर देने का वादा किया था उससे पलट गई है । महंगाई इतने चरम पर भाजपा की नीतियों से पहुंच गई है कि लोग कराह रहे हैं । 450 रुपये का सिलेंडर भाजपा को महंगा लगता था लेकिन अब 1200 रुपये गैस सिलेंडर की कीमत भी भाजपा को सस्ती लगती है । गृहणियों के घर का बजट बर्बाद हो गया है और गैस सिलेंडर लेने के लिए वह अपनी आवश्यक जरूरतों में कटौती कर रही हैं ।

(व्यवधान)

सर, मेरा समय बर्बाद कर रहे हैं । भाजपा जब से केंद्र में सत्ता में आई है इन्होंने एक-दो उद्योगपतियों को आगे बढ़ाने के लिए सरकार की नीतियों को बदल दिया और ऐसी-ऐसी नीतियां बनाईं जिनका नंबर 100 से नीचे था वे नंबर 3-4 पर दुनिया में चले गए । महोदय, माननीय नेता प्रतिपक्ष ने कल अपने भाषण में विस्तार से भ्रष्टाचार सहित अपराध के आंकड़ों का उल्लेख किया है, मैं इस

सदन के माध्यम से सिर्फ उनसे यह जानना चाहता हूं कि यह आंकड़े इन 6 महीने में पैदा हुए या नीतीश जी के पूरे शासनकाल में ।

(क्रमशः)

टर्न-14/अंजली/01.03.2023

श्री अजीत शर्मा (क्रमश :) : यदि 6 महीने में हो गये हैं तो उनका बोलना कुछ हद तक समझा जा सकता है लेकिन यदि नीतीश जी के पूरे कार्यकाल में हुए तो 17 वर्षों में से 13 वर्षों तक भाजपा ही सरकार में भागीदार रही है और नेता प्रतिपक्ष के जितने भी आंकड़े हैं उसमें भागीदारी भाजपा की ही है ।

महोदय, मैं पिछले कुछ वर्षों के बजट भाषण की चंद लाईनों का उल्लेख करना आवश्यक समझता हूं । वित्तीय वर्ष 2019-20 में तत्कालीन उप मुख्यमंत्री-सह-वित्त मंत्री श्री सुशील मोदी जी द्वारा दिनांक-12 फरवरी, 2019 को जो बजट प्रस्तुत किया गया था उसमें चंद लाईनें हैं :

माननीय सदस्यगण, सुशासन, भ्रष्टाचार एवं जीरो टॉलरेंस, सामाजिक सुधार आंदोलन, मुख्यमंत्री का सात निश्चय, प्रधानमंत्री का बिहार पैकेज तथा सूचना प्रोद्यौगिकी का सुशासन में उपयोग कर बिहार ने देश में एक अलग पहचान बनाई है । उन्होंने बोला था, What Bihar Thinks Today, India Thinks Tomorrow. बिहार का वित्तीय प्रबंधन अनेक राज्यों से बेहतर, आर0बी0आई0 की नजर में बिहार का वित्तीय प्रबंधन बहुत अधिक अच्छा है । ऋण प्रबंधन अच्छा है । सामाजिक बदलाव का आंदोलन, शराबबंदी है । मैं बजट भाषण की चंद हेडलाईनों का भी उल्लेख करना चाहता हूं, सर्वाधिक खर्च । किसानों को राहत । जगमगाता बिहार । सुगम रास्ते । स्वस्थ बिहार । युवाओं के लिए सरकार प्रतिबद्ध । शिक्षा के लिए प्रोत्साहन । कमजोर तबकों के लिए हमारी प्रतिबद्धता ।

माननीय सदस्यगण, हमने माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के दूरदर्शितापूर्ण नेतृत्व में सर्वाधिक निर्णायक, पारदर्शी एवं न्याय के साथ विकास करने वाली सरकार दी है । मैं गर्व से कह सकता हूं कि बिहार तेजी से विकास और समृद्धि की ओर बढ़ रहा है । यह उनका बयान था ।

वित्तीय वर्ष 2021-22 में तत्कालीन उप मुख्यमंत्री-सह-वित्त मंत्री श्री तारकिशोर प्रसाद जी द्वारा दिनांक-22 फरवरी, 2021 को दिये गये बजट भाषण के कुछ बिंदुओं का भी उल्लेख करना आवश्यक समझता हूं ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य नेता प्रतिपक्ष की बातों को बड़े अच्छे तरीके से लोगों ने सुना है । शांति बनाया जाय, इनको बोलने दिया जाय ।

श्री अजीत शर्मा : भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री जी एवं राज्य के माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में कोविड-19 से सफलतापूर्वक संघर्ष करते हुए चुनौतीपूर्ण आर्थिक एवं सामाजिक संकट से हम बाहर निकले हैं । विकसित बिहार के लिए सात निश्चय योजना में विगत पांच वर्षों में कठिन परिश्रम एवं सतत् अन्वेषण के बल पर हमने निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप उपलब्धि प्राप्त की है । अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार राज्य के बहुमुखी विकास के लिए लगातार प्रयास कर रही है । उन्होंने एक शेर बोला था -

उन्हें शिकवा है कि मेरी उड़ान कुछ कम है,
मुझे यकीन है कि आसमां कुछ कम है ।

जब भारतीय जनता पार्टी सरकार के साथ रहती है तो उड़ने के लिए उसे आसमां भी कम दिखता है लेकिन जब विपक्ष में जाती है तो शायद जमीन भी बड़ी हो जाती है ।

तत्कालीन उप मुख्यमंत्री-सह-वित्त मंत्री श्री तारकिशोर प्रसाद जी द्वारा अपने बजट भाषण 2022-23 में दिनांक-28.02.2022 को कहा गया कि ''माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में बिहार वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान पूरे देश में सर्वोच्च स्थान पर रहा । विपरीत परिस्थितियों के बावजूद राज्य सरकार तथा केन्द्र सरकार के संयुक्त प्रयास से इस वर्ष बिहार देश में सबसे ज्यादा आर्थिक वृद्धि दर प्राप्त करने वाला राज्य रहा है ।'' इस बजट भाषण में छः सूत्र प्रस्तुत किये गये थे जिसमें स्वास्थ्य, उद्योग, कृषि, आधारभूत संरचना शहरी ये चारों विभाग भाजपा के ही जिम्मे रहे हैं । आज जब आलोचना की बात आ रही है तो अपनी ही बातों से भाजपा पलट जा रही है ।

वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट भाषण में तत्कालीन उप मुख्यमंत्री श्री तारकिशोर प्रसाद जी ने माननीय प्रधानमंत्री जी को और माननीय केन्द्रीय वित्त मंत्री जी का आभार व्यक्त किया था कि बिहार को विशेष ऋण पैकेज के रूप में 2022-23 में एक लाख करोड़ रुपये ब्याज मुक्त ऋण की घोषणा की गई है यह अभी तक प्राप्त हुआ या नहीं यह मैं भारतीय जनता पार्टी से जानना चाहता हूं । वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट भाषण के अंत में तत्कालीन उप मुख्यमंत्री-सह-वित्त मंत्री ने कहा कि ''माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बिहार 2022-23 में सभी आयामों में अग्रणी रहेगा ।''

अब मैं समाचार पत्रों की कुछ सुर्खियों का उल्लेख करना चाहूंगा । 9 अगस्त, 2022 को जब नीतीश जी हम लोगों के साथ आये तो अचानक भाजपा के

लिए वे विलेन बन गये । भाजपा ने कहा कि नीतीश जी ने जनादेश का अपमान किया है । मैं भाजपा से जानना चाहता हूं कि वर्ष 2017 में जब भाजपा सरकार में शामिल हुई थी तो उस वक्त उसने जनादेश का अपमान किया था या नहीं ? मध्यप्रदेश में कांग्रेस की स्पष्ट बहुमत की सरकार जनता ने निर्वाचित की थी, उसमें से विधायकों का इस्तीफा दिलाकर पुनः चुनाव कराकर सरकार गिराकर भाजपा की सरकार बनाना जनादेश का अपमान था या नहीं ? मुझे आश्चर्य है कि पूरे देश में जो लोग संसदीय व्यवस्था को ध्वस्त करने पर तुले हैं वे जनादेश की बात करते हैं। अचानक ऐसी कौन-सी घटना घट जाती है कि भाजपा के लोग नीतीश जी के वैरी हो जाते हैं ? भाजपा के एक नेता जो बयानवीर हैं उन्होंने 10 अगस्त, 2022 को बयान दिया कि उपराष्ट्रपति पद की इच्छा जताई थी, नहीं मिलने पर आदरणीय नीतीश कुमार जी ने छोड़ी एन0डी0ए0 ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री अजीत शर्मा जी, अब आपका मात्र तीन मिनट का समय रह गया है इसलिए थोड़ा तेजी से बोलिए ।

श्री अजीत शर्मा : हमसे ही दुश्मनी है हुजूर । शायद उपराष्ट्रपति पद का आवेदन आदरणीय नीतीश कुमार जी ने उन्हीं बयानवीर नेता जी को दिया होगा । 9 अगस्त, 2022 के पहले तक जो बिहार के उपमुख्यमंत्री थे श्री तारकिशोर प्रसाद जी वे 11 तारीख को कहते हैं कि ''नीतीश जी भ्रष्टाचार पर मौन हैं । भाजपा जनता के मुद्दों को लेकर सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी ।''

बिहार में 17 वर्षों के कार्यकाल में 13 वर्ष भाजपा सत्ता में रही है और जन सरोकार के अधिकांश विभाग उसी के जिम्मे रहे हैं लेकिन काम के बदले ये लोग बयान देने में विश्वास रखते हैं । नगर विकास एवं आवास विभाग भाजपा के ही जिम्मे रहा और पटना में अतिवृष्टि होने पर भाजपा के बयानवीर शीर्षस्थ नेता हाफ पेंट पहन कर बाहर निकलने पर विवश हुये थे ।

महोदय, भाजपा के लोग बार-बार कांग्रेस सहित दूसरी पार्टियों के पूर्वजों को कोसते रहते हैं और कांग्रेस के कार्यकाल को भ्रष्टाचार का कार्यकाल बोलते हैं। राष्ट्रवाद और शुचिता की बात करने वाले भाजपा के साथियों से मैं यह प्रश्न करना चाहता हूं कि वर्ष 1998 के पहले भाजपा के नेताओं के पास कितनी संपत्ति थी और वर्ष 1998 के बाद जब वाजपेयी जी की पहली सरकार बनी थी तब से लेकर आज तक इन 25 वर्षों में भाजपा नेताओं की सम्पत्ति कितनी गुणा बढ़ी है ? ऐसा कौन-सा पारस का पत्थर इन्हें मिल गया कि उन्होंने मिट्टी को भी छू दिया तो वह सोना हो गई । पारस की क्षमता भी सीमित है । कहा जाता है कि उसे जब लोहे से सटाया जाता है तभी वह लोहे को सोना बनाता है लेकिन भाजपा के लोगों के पास कोई अद्भुत पारस आ गया है कि जिस वस्तु में उसे सटा दें वह सोना हो

जायेगा । इन 25 वर्षों के दौरान ही भाजपा के नेता कैसे सफल बिजनेसमैन हो गये यह विचारणीय है ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आप शांत रहें, माननीय सदस्य को बोलने दें । माननीय सदस्य, आप स्थान ग्रहण करें, उनको बोलने दें, व्यवधान पैदा न करें ।

श्री अजीत शर्मा : महोदय, दे सकें तो इस पर भी इनको उत्तर देना चाहिए । क्यों केन्द्र सरकार की सी0बी0आई0, ई0डी0 और इनकम टैक्स का छापा भाजपाईयों पर नहीं हो रहा है? क्या भाजपा के सारे लोग दूध के धुले हैं या कोई कमी उनमें है ही नहीं ।

महोदय, मैं अपने भाषण में बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के परिशिष्ट-2 के भाग-2(iv)(सात) का उल्लेख करना आवश्यक समझता हूं जिसमें लिखा है कि ''जब सभा में बैठक हो रही हो तो कोई सदस्य नारे नहीं लगायेगा'' इस निर्देश का खुलेआम उल्लंघन भाजपा के माननीय सदस्यगण करते हैं । सदन में जब ये सत्ता पक्ष में रहते हैं तो उस समय शांत रहते हैं लेकिन जब विपक्ष में बैठते हैं तब सदन में जोरों से नारेबाजी करते हैं। इसका वीडियो फुटेज देखकर भी मिलान किया जा सकता है । इनकी नारेबाजी तरह-तरह की होती है । इतनी ही बात कहकर, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया और सदन ने मुझे सुना इसके लिए मैं आपका तथा सदन के सभी माननीय सदस्यों का आभार व्यक्त करता हूं । लेकिन थोड़ा कम दिए महोदय ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री अजय कुमार जी अपना पक्ष रखें, आपका समय मात्र दो मिनट है ।

श्री अजय कुमार : अध्यक्ष महोदय, मैं धन्यवाद प्रस्ताव के पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं ।

श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमको सिर्फ आधा मिनट का समय दिया जाय ।

अध्यक्ष : माननीय अजय बाबू जरा एक मिनट स्थान ग्रहण करें । माननीय राघवेन्द्र बाबू, आधा मिनट क्या कहना चाहते हैं ?

श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह : माननीय अध्यक्ष महोदय, कल रात से मुझको नींद नहीं आई और नींद इसलिए नहीं आई कि पूरे विश्व में इस बात की चर्चा हो रही है, कल जब एक तो कि दुनिया के आठवें आश्चर्य माननीय विजय कुमार चौधरी जी हैं, मैं मानता हूं। कल वे जब वित्त विभाग का बजट पेश कर रहे थे और माननीय राज्यपाल महोदय का अभिभाषण भी हुआ तो उसमें कहा गया कि थानों में सी0सी0टी0वी0 कैमरा लगाया जाएगा, मतलब थाना को डर हो गया है कि उसके यहां डकैती हो जाएगी, चोरी हो जाएगी, लूट हो जाएगी । ये सी0सी0टी0वी0 कैमरा...

अध्यक्ष : बहुत-बहुत धन्यवाद ।

श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह : नहीं महोदय, एक सेकेंड यह बाजार में लगना चाहिए तो थाने में सी0सी0टी0वी0 कैमरा और दूसरी बात...

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप दो मिनट कह दिए ।

श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह : दूसरी बात, हमलोग बिहार विधान सभा के सदस्य हैं, हमलोग माननीय सदस्य हैं...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : शांति-शांति ।

श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह : एक सेकेंड, हमलोगों को तीन-तीन अंगरक्षक दिया गया है, वे कार्बाइन लेकर अनिवार्य रूप से हमारे साथ चलते हैं । हमने अपने बॉडीगार्ड से एक दिन पूछा कि ये कार्बाइन में 32 गोली डाली जाएगी तो क्या यह चलेगी, तो बोला कि नहीं सर यह दिखाने के लिए है यह ब्लास्ट कर जाएगा । जब ऐसा-ऐसा सुरक्षा दिया जाएगा तो कैसे बिहार के विधायक सुरक्षित रहेंगे ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री अजय कुमार अपना पक्ष रखें ।

टर्न-15/सत्येन्द्र/01-03-23

श्री अजय कुमार: अध्यक्ष महोदय, मैं धन्यवाद प्रस्ताव के पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। मुझे आश्चर्य होती है कि जो सदन में विरोधी दल के नेता और विपक्ष के लोग बोल रहे थे, शायद सत्ता जाने की कसक उनके चेहरे से और उनकी आवाज से दिखायी पड़ती है उनको वो बयां कर रहे थे । मैं कुछ बात को रखना चाहता हूँ..

अध्यक्ष: कृपया शांति बनाये रखें । मधुबनी के लोग बड़े शांत होते हैं।

श्री अजय कुमार: हमारे मित्रों ने महबूब भाई पर आलोचना किया था लेकिन मैं चंद सवाल करना चाहता हूँ कि जंग-ए-आजादी की लड़ाई में ....

(व्यवधान)

अध्यक्ष: आप माननीय सदस्य की बातों को धैर्य से सुनें।

श्री अजय कुमार: महोदय, इस देश का एक नौजवान कह रहा था कि हमें राजबंदी समझकर हमें गोली से उड़ाया जाय-भगत सिंह और वहीं 60 साल का बूढ़ा सावरकर सात बार माफी मांगने का काम किया था । मैं जाकर के, सावरकर के उस कोठरी को देखने के लिए मैं गया था और उस कोठरी को देखने के बाद हम आपको कह सकते हैं कि इस देश के अंदर सावरकर ने अंग्रेजों के ... (व्यवधान)

और ये लोग हल्ला करते हैं । हम आपसे कहना चाहते हैं, आज इस बात को बताना पड़ेगा इनको ..

(व्यवधान)

अध्यक्ष: माननीय अजय बाबू, आपका समय अब समाप्त हुआ ।

श्री अजय कुमार: नहीं नहीं, मेरा समय अभी है ।

अध्यक्ष: आपका समय समाप्त हुआ । आप स्थान ग्रहण करें ।

श्री अजय कुमार: अध्यक्ष महोदय, मेरा एक मिनट समय हुआ है । आज हम सवाल करना चाहते हैं कि इस देश को टुकड़े टुकड़े में बांटने वाली ताकत इस देश को क्या करना चाहती है..

(व्यवधान)

अध्यक्ष: आपका समय समाप्त हुआ । माननीय सदस्य, श्री सूर्यकांत पासवान ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, मैं आपसे चाहता हूँ कि आप शांतिपूर्ण वातावरण में जो बातें चल रही है उसको सुनें और टोका टोकी करना यह अच्छा काम नहीं है । आपको धैर्य से जो माननीय सदस्य कुछ कह रहे हैं उनको कहने दीजिये, आप सुनिये ।

(व्यवधान)

श्री सूर्यकांत पासवान माननीय सदस्य अपना भाषण जारी करें। अजय बाबू आप स्थान ग्रहण करें, 2 मिनट आपका मात्र था बैठिये।

श्री सुर्यकांत पासवान: अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने यहां अभिभाषण की कृपा की है, मैं उस पर बोलने के लिए खड़ा हुआ है । माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में बिहार के सर्वांगीण विकास की तस्वीर पेश की गयी है ।

(व्यवधान)

महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय का अभिभाषण न्याय के साथ विकास की अवधारणा को परिपूर्ण करता है । चाहे राज्य के नागरिक सुरक्षा की बात हो, चाहे शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, बिजली, पानी, रोजगार की बात हो । महोदय कुछ विषयों पर आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ । महोदय, बजट में शिक्षा की बात है, मगर बेगुसराय के लोगों का वर्षों से राष्ट्रकवि दिनकर विश्वविद्यालय के लिए संघर्षरत रहे हैं लेकिन उसकी चर्चा नहीं है । महोदय, सरकार युवकों को रोजगार में बढ़ावा देने की बात करती है मगर बेगुसराय स्थित ऐशिया का सबसे बड़ा मीठा जल, कॉवर झील को पर्यटन के रूप में विकसित करने की चर्चा नहीं हैं । महोदय, स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकार ने क्रांतिकारी फैसला लिया है लेकिन कोरोना महामारी में मरीजों की सेवा करने वाले आशा और ममता दीदी के वेतनवृद्धि की चर्चा नहीं है । महोदय, मैं कुछ सवाल की ओर ईशारा करना चाहता हूँ , माननीय

प्रतिपक्ष के नेता ने मंहगाई के सवाल पर एक भी शब्द की चर्चा इन्होंने नहीं की है, जुमलेवाजी करने की इनलोगों की आदत है, आज 2 करोड़ नौजवान लोगों को रोजगार देने की बात थी, आज 2 करोड़ नौजवान लोगों को रोजगार क्यों नहीं मिला? इनका आठ साल हो गया, अबतक 8 X 2 यानि 16 करोड़ लोगों को रोजगार मिलना चाहिए था महोदय, इन्होंने कहा था काला धन लाकर हम देश के अंदर जितने भी लोग हैं, सभी लोगों को हम 15-15 लाख रू0 देने का काम करेंगे लेकिन महोदय, इन्होंने ऐसा कुछ भी नहीं किया । ये जुमले वाजी इनकी नहीं चलेगी । बिहार की गरीब जनता, नौजवान, दलित, महादलित, पिछड़ा, अतिपिछड़ा ने फैसला किया है कि इनको 2024 में सबक सिखायेगी, बिहार की जनता इनको सबक सिखायेगी ।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, श्री अखतरूल ईमान ।

श्री अखतरूल ईमानः अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर मुझे बोलने का आपने मौका दिया इसके लिए मैं शुक्रिया अदा करता हूँ । जैसा कि हम लोग जानते हैं राज्यपाल जी का अभिभाषण सरकार का तैयार आईना होता है और यकीनन सरकार ने अपने इरादों का इजहार किया है । सरकार ने इसमें सुशासन, लॉ एंड आर्डर, शिक्षा, स्वास्थ्य, सात निश्चय, शराबबंदी, कृषि, बेरोजगारी और शिक्षा की बात कही है लेकिन महोदय लॉ एंड आर्डर का बुरा हाल है, चोरी, डकैती, लूट बलात्कार, रिश्वतखोरी, महिला उत्पीड़न, हर तरफ गंगा बह रही है । अकलियतों के जान और माल की सुरक्षा और एस0टी0 एस0सी0 के लोगों के उत्थान के काम बंद हो गये हैं । याद रखना चाहिए कि तरक्की का फूल अक्ल की ट्रेनिंग में खिलता है और अक्ल का पौधा इंसाफ की सरजमीन पर उगता है । सरकार ने इंसाफ कायम नहीं किया, यही वजह है कि रेड कार्पेट बिछाकर भी इंभेस्टमेंट के लिए बाहर से लोग नहीं आ रहे है। न कल कारखाने खुल रह हैं, न रोजगार के मौके मिल रहे हैं। महोदय, इंसाफ की दावा करने वाली सरकार बिहार के विशेष राज्य के दर्जे की बात करती है लेकिन वहीं सीमांचल गरीबी के दंश को झेल रहा है और कब से सीमांचल मांग रहा है कि सीमांचल डेवलपमेंट काउन्सिल दो, सीमांचल को विशेष पैकेज दो, माननीय उपमुख्यमंत्री जी ने इसका वायदा भी किया था लेकिन इस पूरे अभिभाषण में इसकी कहीं चर्चा नहीं है। महोदय सरकार के लंबे अंतराल के प्रयास के बाद भी पलायन, रोजगार, तालीम सेहत के मामले में लोगों को बाहर जाकर रोजगार कमाना पड़ रहा है, इलाज के लिए बाहर जाना पड़ रहा है, पढ़ाई के लिए बाहर जाना पड़ रहा है। किसानों और मजदूरों के हालत अच्छे नहीं हुए । मैंने सरकार के शराबबंदी का समर्थन किया है लेकिन शराबबंदी डंटे के चोट पर नहीं होगा, स्कूल बंद रहेंगे रोजगार का मौका नहीं मिलेगा तो आज शराब पर पुलिस उगाही का काम कर रही है, बच्चे आज स्कूल से गायब हैं, शिक्षक नहीं है, वे नशा

के शिकार हो रहे हैं। मेरा जोन आज चरस, भांग का इस्तेमाल करके वहां का नया नस्ल बर्बाद हो रहा है और शराब बेरोजगार पी रहा है और पुलिस पैसे उगाही कर रही है, इससे अकिलियतों और दलितों की हालत खराब है । एस0सी0,एस0टी0 के स्कॉलरशीप का पैसा नहीं है । वित्त रहित शिक्षा नीति का खात्मा नहीं हुआ लोगों की जिंदगियां आज परेशान हो रही है जो रिटायर कर रहे हैं उनको तनख्वाह नहीं मिल पा रही है । आयुष्मान भारत जो गरीबों के इलाज के लिए है । केन्द्र की चलाई गयी बहुत सारी योजनाओं का अनुपालन आपने किया है। प्रधानमंत्री सड़क योजना उसकी मिशाल है, महोदय आज 50 प्रतिशत गरीबों को आयुष्मान कार्ड हासिल नहीं है उनको आयुष्मान कार्ड देने का सरकार काम करें । आखिरी बात, मैं भाजपा के साथियों को सलाह देना चाहता हूँ ..

अध्यक्षः आपको जितना समय दिया गया बोल लिये इसलिए अब आप स्थान ग्रहण कीजिये । माननीय सदस्य, श्री राजकुमार सिंह जी ।

(व्यवधान)

अध्यक्षः शांति बनाये रखें।

श्री राजकुमार सिंहः माननीय अध्यक्ष महोदय, आदरणीय महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने का अवसर मिला इसके लिए मैं आपका, सदन नेता का एवं अपने दल के मुख्य सचेतक का, सबका आभार व्यक्त करता हूँ ।

(क्रमशः)

टर्न-16/मधुप/01.03.2023

..क्रमशः..

श्री राज कुमार सिंह : माननीय अध्यक्ष जी, बिहार की सरकार हमारे माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के प्रभावी मार्गदर्शन में, उनके कुशल नेतृत्व में, बिहार के प्रगति के प्रति उनकी सतत निष्ठा के कारण बिहार को आज जिस मुकाम पर उन्होंने पहुँचाया है उसके लिए हम सब उनका आभार व्यक्त करते हैं और पूरे बिहार वासियों को और हमारे विपक्ष के साथियों को भी आभार व्यक्त करना चाहिए कि 94,163 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल में भारत की तीसरी सबसे बड़ी जनसंख्या रहती है और इस पूरे परिप्रेक्ष्य में बिहार को तीसरी सबसे तेज गति से चलने वाली आर्थिक शक्ति इन्होंने बनाया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत आभार है, बहुत-बहुत धन्यवाद है ।

माननीय अध्यक्ष जी, विपक्ष के लोगों ने आज काफी बातें की और अपराध पर बहुत सारी बातें की । हमारे नेता प्रतिपक्ष ने भी अपराध के कई आंकड़े यहाँ पर प्रस्तुत किये तो इसपर मैं कुछ बताना चाहता हूँ जो नेशनल क्राइम कंट्रोल ब्यूरो का रेकॉर्ड है, जो आंकड़ा है, भारत सरकार का आंकड़ा है- प्रति लाख जो

संज्ञेय अपराधों की श्रेणी है उसमें बिहार का स्थान कहॉ पर है, 25वॉ स्थान बिहार का उसमें है और अगर आप इसी आंकड़े को देखेंगे तो उसमें देश के कई नामचीन जो राज्य हैं और अगर मैं गुजरात की बात करूं तो इस आंकड़े के आधार पर गुजरात का स्थान दूसरा है और बिहार का स्थान 25वॉ है । यह आप एन0सी0आर0बी0 के रेकॉर्ड्स को चेक कर लें ।

माननीय अध्यक्ष जी, इसी की श्रेणी में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए जो कुछ भी माननीय मुख्यमंत्री जी ने किया है उसका प्रतिफल यह है...

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, अब आप अपना स्थान ग्रहण करें ।

श्री राज कुमार सिंह : मुझे 10 मिनट का समय है ।

अध्यक्ष : आपको जो कहना था आपने कह दिया, अब आप अपना स्थान ग्रहण करें । अभी सरकार का भी उत्तर होना है ।

श्री राज कुमार सिंह : मुझे अगर एक मिनट का समय दिया जाता ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री प्रह्लाद यादव जी, दो मिनट में अपनी बात रखें । आप अंतिम वक्ता हैं, इसके बाद सरकार का उत्तर होगा ।

श्री प्रह्लाद यादव : अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करते हुए मैं अपनी बात को रखना चाहता हूँ । हमारे विपक्ष के नेता हमारे जिला के एम0एल0ए0 भी हैं, इनको याद होना चाहिए कि चार महीना में क्या ऐसा परिवर्तन हुआ कि बहुत ज्यादा बिहार सरकार में गड़बड़ी आ गयी । 2005 से 2015 के अन्दर आप रहे, कोई गड़बड़ी नहीं थी । आपने कल एक शब्द बोला है ।

(व्यवधान)

सुना जाय, सुनिये न भाई, सुन लीजिये । आपने कल एक बात बोला था कि जितनी नियुक्ति हो रही है या जितना चयन आयोग से कोई कार्य हो रहा है उसमें भ्रष्टाचार है, तो आप 2005 से 2015 तक क्या कर रहे थे ? इधर बैठकर सिर्फ यह देख रहे थे कि इसको बाद में हमलोग करेंगे । उस समय क्यों नहीं इस बात को रखे ? रखना चाहिये था । आपको याद होना चाहिये....

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, उधर नहीं बल्कि आसन की तरफ अपनी नजर रखें ।

श्री प्रह्लाद यादव : आपको याद होना चाहिये कि एन0डी0ए0 की सरकार में पूर्व मंत्री माननीय भीम सिंह जी के यहॉ कुछ लोग मिलने के लिये गये थे, उस समय बात हुई थी कि यह स्थिति है शहीद के संबंध में तो उन्होंने क्या कहा था कि जो भर्त्ती होता है मरने के लिए ही भर्त्ती होता है । उस समय एन0डी0ए0 की सरकार में आपलोग थे और आज माननीय मंत्री जी आपकी पार्टी में हैं, क्यों नहीं निकाले ? निकालना न चाहिये । इधर मत दिखाइये । आप उस समय सरकार में थे । आप जंगज राज की

बात करते हैं ? लालू यादव की देन है कि आपको आवाज दिये, मुँह में आवाज दिये और रास्ता दिखाने का काम किये । आज लालू यादव बहुत खराब हो गये, नीतीश कुमार जी बहुत खराब हो गये ? इसलिये खराब हो गये कि आपसे अलग हो गये ? क्या महाराष्ट्र की घटना, मध्य प्रदेश की घटना चाहते थे ? जिस तरह से चुनी हुई सरकार को अपदस्थ किया गया महाराष्ट्र में, मध्य प्रदेश में, वही घटना तो बिहार में करने जा रहे थे । हम धन्यवाद देना चाहते हैं माननीय मुख्यमंत्री जी को और माननीय उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव जी को कि ये बहुत जल्दी एलर्ट हुये, बहुत जल्दी इस बात को भाँप गये और आपसे अलग होकर इधर चले आये । यह स्थिति है । आप कहाँ हैं ? किस चीज की बात करते हैं ? अध्यक्ष महोदय, ये लोग बहुत जल्दी भूल जाते हैं ।

(व्यवधान)

हमारे विपक्ष के नेता लखीसराय के ही हैं । कहाँ बच गये हैं ? आप जो बात कर रहे थे, क्या चाहते हैं ? बिहार सरकार बिहार को आगे बढ़ाने के लिए कौन काम नहीं कर रही है ? विधि व्यवस्था की बात करते हैं ?

अध्यक्ष : माननीय सदस्य प्रह्लाद बाबू, अब आप स्थान ग्रहण करें ।

श्री प्रह्लाद यादव : महोदय, विधि-व्यवस्था तो बिहार में इतना सुदृढ़ है, मजबूत है कि अगर कोई भी घटना होती है तो तुरत उसपर कार्रवाई होती है और उसका तुरत रिजल्ट भी निकलता है ।

अध्यक्ष : अब आप अपना स्थान ग्रहण करें ।

श्री प्रह्लाद यादव : ठीक है, धन्यवाद ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर हुये वाद-विवाद पर अब सरकार का उत्तर होगा । माननीय मुख्यमंत्री जी ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : महोदय, आज माननीय मुख्यमंत्री जी का जन्म दिन भी है, बधाई दे दिया जाय ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आप शांति बनाये रखिये न । माननीय मुख्यमंत्री जी बोलने जा रहे हैं सुनिये इत्मीनान से, बहुत ज्ञानवर्द्धन होगा, सुनिये ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : महोदय, आज मुख्यमंत्री जी का जन्म दिन है, हमारे राज्य के मुख्यमंत्री हैं ।

अध्यक्ष : ये आपको बधाई दे रहे हैं ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : माननीय मुख्यमंत्री जी, आप 18 वर्षों तक बिहार की सेवा किये, आज आपके जन्म दिन पर पूरे सदन की ओर से बहुत-बहुत बधाई, शुभकामना, आप दीर्घायु हों ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : धन्यवाद ।

अध्यक्ष : अब आप शांति बनाकर सुनिये और नेता प्रतिपक्ष से भी हम यही आशा रखते हैं आपका जो भाषण हुआ खूब सुना गया इत्मीनान से और आप अंतिम क्षण तक मुख्यमंत्री जी का भाषण जबतक समाप्त नहीं होता है, हम उम्मीद करते हैं कि जरूर आसन पर आपलोग बैठे रहेंगे । आपलोग अब शांति बनायें ।

सरकार का उत्तर

श्री नीतीश कुमार,मुख्यमंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं सबसे पहले विधान सभा के बजट सत्र में...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आपलोग अपने स्तर से बात करेंगे तो बात को कैसे सुन पायेंगे इसलिये आप शांत रहें और माईक वाले जरा माईक को बढ़िया तरह से ठीक कर लीजिये ताकि मुख्यमंत्री जी का भाषण सब लोगों को अच्छी तरह से सुनाई दे ।

टर्न–17/आजाद/01.03.2023

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल साहब का अभिभाषण हुआ था और विधान सभा में उसपर जो चर्चा हुई है, उसमें अनेक विभिन्न दलों के माननीय सदस्यों ने, नेताओं ने उस विषय पर अपनी बातें रखी है, मैं इसके लिए उन सबको धन्यवाद देता हूँ । जिन्होंने अपनी तरफ से जिन बातों को कहना था, उन बातों की चर्चा की है और सबसे बड़ी बात है कि बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन में उनका अभिभाषण होता है । महामहिम राज्यपाल महोदय का यह हर बार की परम्परा है तो इसीलिए और उसके बाद सबलोग अपनी बात रखते हैं और उसके बाद सरकार की तरफ से इन सब चीजों के बारे में कुछ बातें कह दी जाती है । इसी सिलसिले में आज हमको इसके बारे में आपने बोलने का मौका दिया तो जितनी सब चीजों की महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में बहुत सारी चीजों की चर्चा कर दी है कि जितना ज्यादा काम बिहार में किया गया है, जितना दिन पहले से किया जा रहा है, उन सब चीजों के बारे में उन्होंने अपनी बात रखी थी और सबलोग तो उनकी बात को सुन ही रहे थे । जो भी बात है, विचार तो सबका अपना–अपना होता है वह एक अलग बात है लेकिन मैं कुछ बातों की चर्चा कर देना चाहते हैं । उनके द्वारा महामहिम के द्वारा जो बातें कही गई है और आप देख लीजिए कि हर विषय पर जो भी काम बिहार में किया गया, उन्हीं बातों की उन्होंने चर्चा की है । जो भी सरकार की तरफ से इन बातों को दिया जाता है, उसी की वे चर्चा करते हैं और यही परम्परा है और सब दिन से यही होता आया है । आज तो जितने लोगों की

बात हुई, वह तो अपनी बात है और एक बात हम आपको चर्चा करना चाहते हैं अपना कि अभी बहुत लोगों ने अपनी-अपनी बातें कही तो आप जान रहे हैं कि इस साल ही हमने समाधान यात्रा की और इसके लिए हमने हर जिले के यात्रा की और जाकर के देखने की कोशिश की कि कहां पर कई जगहों पर देखें है कि जो काम किया गया है और क्या वहां पर जरूरत है, आप सब लोग अपनी बात बताते हैं अपने-अपने ढंग से और जाकर के लोगों की बात हम सुनते रहे तो यह हमारी परम्परा पहले से है लेकिन इस बार हमने सोचा था कि भाई समाधान यात्रा, समस्याओं का समाधान करने के लिए अब तक जितनी योजनायें चल रही है, उसके बारे में भी जानकारी लेना और आगे क्या करना चाहिए, अगर कहीं कोई समस्या है तो उसी को जानने और समझने के लिए हमने समाधान यात्रा की है । उसके बाद जीविका दीदियों से भी बातचीत किया और जहां कहीं भी जाते थे तो वहां पर तो सब लोग अपने इलाके के बारे में अच्छी बात भी कहते थे, कहीं कोई कमी है तो वह भी बात कहते थे और मेरा मकसद यही था कि जब हम जा रहे हैं, अगर कुछ बात भी कर रहे हैं तो मैं उनकी बात को सुनता था और मेरे साथ अधिकारी रहते थे और हम तुरंत उनको खड़ा करते थे कि इनकी बात को सुनिए और इनकी समस्या का समाधान करना है। अगर किसी तरह की कोई घटना घट जाती थी और कोई बात करते थे तो हमने सब किया । आपको यह कहना चाहते हैं और शाम में तो हम सभी के साथ मीटिंग करते थे और मीटिंग में सारे माननीय विधायक, माननीय विधान पार्षद और एम0पी0 सब लोगों को आमंत्रित किया जाता था और मेरे हिसाब से सभी पार्टियों के अधिकांश लोग शामिल हुए थे । अब मुश्किल से कोई और काम में व्यस्त रहे, कोई काम रहा तो अलग बात है लेकिन सारी पार्टियों का सबलोग और बहुत संख्या में लोग शामिल हुए । कुछ लोग जगह पर शामिल नहीं हुए, वह अलग बात है, मुश्किल से कोई लोग शामिल नहीं हुए । हम तो समझते हैं कि आपकी पार्टी में हमलोग जो इतने दिनों से साथ में थे और आज आप विपक्ष में हैं तो आपका मुश्किल से 15-16-20 लोग नहीं शामिल हुए, बाकी सबलोग मीटिंग में शामिल हुए और सबलोग अपनी-अपनी बात कहे । इधर वाले लोग तो सब थे ही तो सब लोगों की बात को नोट करना, सुनना और एक-एक बात पर ध्यान दे रहे थे और अधिकारियों को कह रहे थे कि एक-एक चीज को नोट कीजिए । हर चीज को नोट किया गया और मैं आपको बता दूँ कि उसके बाद हमने कहा कि जितना हमने पूरा किया है और सब लोगों ने अपनी समस्यायें दी है तो इन सब चीजों को नोट करके अब उसके लिए बाजाप्ता दो दिन हमने अधिकारियों को कहा कि अलग-अलग विभागों का देख लीजिए और देख लिये हैं और इसके बाद हमने कहा है कि देख करके अगर कहीं काम नहीं हुआ

है तो तुरंत जाकर के वहां काम कीजिए और कहीं कोई काम की और जरूरत है तो उस काम को करने के लिए और कोई और एक योजना बना सकते हैं तो बनाईए । हमलोगों का भाई सात निश्चय था, वह चल ही रहा था, उसमें जो कमी है, उसको पूरा करना है । सात निश्चय-2 और इसके अलावे भी कोई और चीजों की जरूरत है तो उसके बारे में हमने करने के लिए कह दिया है तो यह हो जायेगा तब फिर हम आपलोगों के नोटिश में लायेंगे । यही मेरा मकसद है, इसकी चिन्ता आप मत करिए । हमलोगों की कोशिश होगी लेकिन राजनैतिक बात तो ठीक है, अपना जो भी जिनको लगता है, वह अपना कहें, अपनी बात कहें, उसपर हमको कोई एतराज नहीं है । मुझको उसपर कुछ नहीं कहना है लेकिन हमारा मकसद यही है कि सब तरह से लोगों की समस्याओं का समाधान हो । आप तो जानते ही है कि हमलोग हर तरह से सब लोगों के लिए काम करते हैं । आर्थिक विकास का भी काम कर रहे हैं । कौन सा काम इसके लिए नहीं कर रहे हैं । यह सब काम जो हमलोगों ने किया है और जितनी जो महिलायें थी जीविका दीदियां थी, उनके साथ भी हमने बैठक किया है, हर जगह तो बैठक करके उन लोगों की बात को सुनते थे कि क्या है और देख करके मुझको जो खुशी हुई है साहेब, हम जो बनाये, पहले यह कहां इतना ज्यादा स्वयं सहायता समूह थे । जब हमलोगों को काम करने का मौका मिला 2005 में तो उसके पहले हम केन्द्र में थे एम0पी0 या हम श्रद्धेय अटल जी की सरकार में मंत्री थे तो कहीं-कहीं जाते थे तो हम देखते थे कि दूसरे जगहों पर स्वयं सहायता समूह और अपने क्षेत्र में घुमते थे, अपने इलाके में यहां कम था तो जैसे ही हम लोगों को मौका मिला तो हमने कहा कि क्यों महिलाओं को आगे नहीं बढ़ाया जाय तो तुरंत जाकर के आपको मालूम है न कि हमलोगों ने महिलाओं से जाकर के बातचीत की है और उसके बाद एक्सपर्ट से आपलोगों में बहुत से लोगों को मालूम है हमारे साथी को, हमारे पुराने साथी सबको पता होगा । सबको बुला-बुलाकर के और एक-एक चीज के बारे में हमलोगों ने उसपर अध्ययन कराकर के और यह तय किया कि हमलोग भाई इसकी संख्या बढ़ायेंगे क्योंकि स्वयं सहायता समूह जो है, यह बात है सिर्फ गरीब परिवार के महिलाओं का है । खासकर के शिड्यूल कास्ट, शिड्यूल ट्राईब्स, अतिपिछड़ा, हिन्दू हो या मुस्लिम कोई भी हो, गरीब-गुरबे तबके की लड़कियां, महिलायें उसी के लिए तो इसको शुरू कराया गया था और पूरे देश में चलता है तो हमने अपने यहां उसको तय किया कि इसकी संख्या बढ़ायेंगे और हमने कहा कि इसकी संख्या बढ़ायेंगे और इसका नामकरण हमने तय कर दिया आपको पता है, उसका नामकरण कर दिया जीविका और जब यह नाम हो गया और काम करना हमने शुरू किया तो हमने कहा कि हम कम से कम 10 लाख स्वयं सहायता समूह और ये लोग

जीविका दीदियां कहलायेगी और उसकी संख्या बढ़ेगी तो उसी पर उस समय की केन्द्र सरकार भी आयी और देख करके कहा कि अच्छा ही काम कर रहे हैं और उसके बाद उन लोगों ने यह तो पूरे देश भर में न चलता है भाई और उसी समय उन लोगों ने नामकरण कर दिया देश भर में आजीविका, बिहार की जीविका और देश भर में आजीविका यानी बिहार की जीविका आ जाय देश भर में, यह फायदा हुआ । इसीलिए हम जा-जा कर देखते रहते हैं कि भाई इनका लाभ हो, सबलोग आगे बढ़े, लेकिन देखें हम इतना अच्छा लगा, पहले हम गरीब-गुरबा तबके की महिलायें कैसे रहती थी, कहां निकल पाती थी बाहर और आज सबको हम जो देखे और सबकी भाषा हम देखे, पहले बोल नहीं पाती थी । हमलोग तो अपने-अपने इलाके में सबको याद न होगा कि पहले महिलायें बोल पाती थी ठीक से, आजकल जब हम उसका मीटिंग किये, क्या अच्छी-अच्छी भाषा बोल रही है, यहां तक कि हिन्दी के साथ कुछ-कुछ अंग्रेजी शब्द का प्रयोग कर रही थी गरीब-गुरबा तबका की महिलायें तो आप समझ लीजिए कि किस तरह से बढ़ रहा है । ऐसा नहीं है कि काम तो करना ही है तो उन लोगों के बीच में भी बात किया और उन लोगों का भी सुनते थे कि बताईए और सबकी बात सुनते थे, तब हमने कहा कि हर बार हमलोग उन लोगों की आमदनी को बढ़ाने में तो हमने यह भी तय किया कि आपकी संख्या भी बढ़ेगी और आपको मालूम है कि जो जीविका है, स्वयं सहायता समूह में तो 10 लाख से ज्यादा संख्या हो गयी है और जो जीविका दीदियां उनकी संख्या एक करोड़ 30 लाख हो गई है । यह स्थिति हमलोगों ने कर दिया है तो गरीब-गुरबा तबका के महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए जो यह सब काम किया जा रहा है और बढ़ रही है । हमलोगों ने यह भी सोचा कि इनके लिए तो हम अधिक से अधिक कौन-कौन काम कर सकते हैं, करेंगे । तब आपलोगों को याद है न भाई कि जब एक बार हमलोग गये, देखे पश्चिम चम्पारण में , कहां पर देखें भाई कि कैसे जो जीविका वाली है, कैसे बढ़िया खाना बना रही है होस्पीटल में कहीं ।

..... क्रमशः ....

टर्न-18/शंभु/01.03.23

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : ...क्रमशः.. और उसी समय हमलोगों ने तय किया कि सब हास्पीटल में पटना में भी क्या बढ़िया खाना खिलाती है जो मरीज लोग होते हैं उनको । उसी तरह से इन लोगों की संख्या को बढ़ाने के लिए ये सब सोच रहे थे तो यही हमारी यात्रा हुई तो उसमें और करेंगे । हम आपको इतना आश्वस्त करना चाहते हैं कि जो कोई भी काम हमलोग कर रहे हैं उन सब काम में वह तो एक करेंगे कि उसके लिए तो सब काम अब करना ही है, हर तरह से उसका विकास

हो और आगे बढ़े । आप जानते ही हैं न अभी शिक्षा के बारे में बोल रहे थे तो एक बात याद कीजिए न भाई पहले गरीबी के कारण कोई 5वें क्लास के बाद अपनी बच्चियों को पढ़ा पाता था, लेकिन याद करिये न उसी समय तो हमलोगों ने तय किया और 2007 में ही कर दिया था और 2006 में भी कि जो भी 5वॉं के आगे जब पढ़ेगी तब उसको हम देंगे पोशाक के लिए और उसके बाद 9वॉं क्लास में पढ़ेगी तो उसके लिए साइकिल योजना और उस समय जब हमलोग शुरू किये थे तो एक व्यक्ति थे उन्होंने कह दिया था बिना मतलब- पहले वे मेरे ही साथ रहते थे, लेकिन बाद में अलग हो गये थे । वे कहने लगे कि साहब यह तो ठीक बात नहीं है लड़कियों को आप साइकिल दीजिएगा तो उसको तंग करेगा । हमने हंसते हुए कहा था कि कोई तंग नहीं करेगा चूंकि सब परिवार की लड़की को दे रहे हैं और कितना अच्छा हुआ, उसके बाद बोलिये 2010 में लड़का सब मांग करने लगा तो 2011 से हमलोग लड़का को भी दे दिये, तब कितनी लड़कियां पढ़ने लगी । सब काम तो हमलोग कर ही रहे हैं, कितना स्कूल भी बनाये लेकिन अभी चिंता का विषय जरूर है । जितना ज्यादा बढ़िया से शुरू करवाये हमलोग पढ़ाई के लिए और इधर जो हम उसका आकलन कर रहे हैं और हमारा डिपार्टमेंट और मंत्री लोग सब तरह से सजग हैं और देख रहे हैं कि ठीक से पढ़ा रहा है स्कूल में या नहीं- तब जानते हैं एक बार हमलोग तय किये थे, याद कीजिएगा जब हमलोग 2018-19 में तय कर दिये थे कि सब स्कूल को देखेंगी जीविका दीदीयां, अगर कोई नहीं पढ़ायेगा तो वही उसपर एक्शन लेने के लिए लिखेगी पंचायत में, लेकिन उस समय कोई कोर्ट चला गया था तो रूक गया । हमने इस बार यही कह दिया है कि भाई आपलोग जाइये और स्कूल में पढ़ा रहा है कि नहीं पढ़ा रहा है, अगर नहीं पढ़ा रहा है कोई तो आपको पक्की जानकारी हो तो देखकर के अपने मोबाइल से डी0एम0 को खबर कर दीजिए और डी0एम0 के बारे में निदेश दिया गया है कि तुरंत भेजिए किसी को कि वह पढ़ा रहा है कि नहीं पढ़ा रहा है । हम ये सब बात करने की कोशिश कर ही रहे हैं । हम और टीचर बहाल करने में अरे शुरू तो किया था 4000 रू0 में ही न और बढ़ाते-बढ़ाते आजकल कितना बढ़ा दिये उसी समय से यह बताइये । अब जो हमलोग इतना शुरू किये थे तो बाद में कि और दीजिए न तो हमलोग तो धीरे-धीरे बढ़ा ही रहे हैं, लेकिन बात है कि इतना जब हमलोग बहाली करते हैं तो यह गरीब राज्य है और पैसा भी तो सरकार के पास रहना चाहिए तभी हमलोग धीरे-धीरे बढ़ा रहे हैं । अभी और बढ़वायेंगे टीचर सबका, शिक्षकों का हर सेवा का बढ़ायेंगे, लेकिन उनको और ज्यादा कितना ज्यादा और शिक्षकों की बहाली हो सके उसके लिए भी हमलोग लगे हुए हैं कि ज्यादा से ज्यादा टीचर्स की बहाली हो और उसको हमलोग बढ़वाना भी

चाहेंगे, लेकिन काम जरूर करे, देखे जरूर, अगर पढ़ायेगा नहीं तो यह बहुत गलत बात है । अब लड़का-लड़की सब पढ़ने लगे तो इसी के लिए जरूरत है न कि हमलोगों के यहां पढ़े । इसी को हमलोगों ने ध्यान में रखकर के उसको भी देखने की कोशिश की है । उसपर भी हमलोग आपको आश्वस्त करना चाहते हैं कि हमलोगों ने डिपार्टमेंट को कह दिया है डिपार्टमेंट भी इसके लिए अपनी पूरी तैयारी कर रहा है । हमको पूरा भरोसा है कि तेजी से इसके लिए योजना बनाकर के लायेंगे । एक दिन अखबार में हम देख रहे थे, अब पता नहीं है, आया ही नहीं है कहां है यही न है- भेज दिये थे एक बात हम बता रहे हैं, खराब मत मानियेगा । इनका कोई चीज आ गया था तो जब कैबिनेट में कोई चीज होता है तो कैबिनेट में जब किसी चीज को भेजा जाता है डिपार्टमेंट की तरफ से उसके बारे में बाहर नहीं कहा जाता है और कैबिनेट में जाता है और हो जाता है- भाई राष्ट्रीय स्तर पर जो संविधान है उसके मुताबिक प्रोविजन है कि उसके बारे में पहले चर्चा नहीं होती है तो ऐसे ही इनका कुछ आ गया था । हम पुछवाये थे कि क्यों आया था, लेकिन अखबार में फिर छपने लगा कि भाई ये चाहते थे और हुआ ही नहीं और कैबिनेट में आया ही नहीं था । अब कोई-कोई चीज तो हम आजकल क्या बोलें, हमारे सब अखबार वाले यहां बैठे हुए हैं, कोई-कोई चीज आते रहता है । चिंता मत कीजियेगा जो मन करे सो लिखिये, लेकिन हमलोग पढ़ाई को आगे बढ़वायेंगे और इसके लिए शिक्षकों की और बहाली होगी, उनको और ज्यादा देना पड़ेगा तो वह भी हमलोग देंगे, लेकिन सब पढ़ावे । इसके लिए हमलोग चाहते हैं, आपलोगों ने भी जो कुछ कहा है तो इन सब चीजों को देखा जायेगा । ऐसा नहीं है कि हमलोग किसी चीज को भूलते हैं । सबका बात है तो सबकी बात को सुनकर के, देखकर के एक-एक काम को करना है ताकि पढ़ाई भी ज्यादा हो । आप जानते हैं न कि बिहार में आबादी का क्या हाल था, भूलिये मत कितना ज्यादा है ? प्रजनन दर क्या हाल था जब हमलोग शुरू किये थे तो 4.3 और जब देखा हमने और उसी का अध्ययन कराया कि भाई अगर पति पत्नी में पत्नी मैट्रिक पास है तो देशभर के विभिन्न राज्यों का प्रजनन दर था 2 तो बिहार में भी हम सर्वे कराये कि पति पत्नी में अगर पत्नी मैट्रिक पास है तो यहां भी निकला 2- और पति पत्नी में पत्नी अगर इन्टर पास है या इन्टर के और आगे है तो देशभर के विभिन्न राज्यों का निकला 1. 7 और बिहार में भी कराये सर्वे तो यहां का निकला प्रजनन दर 1.6- मुझे इतनी खुशी हुई कि भाई अगर ये है जब लड़की पढ़ी रहेगी, पति पत्नी में अगर पत्नी पढ़ी रहेगी तभी प्रजनन दर घटेगा । इसी के लिए हमलोग उसी समय से काम कर रहे हैं और 4.3 से प्रजनन दर पहुंच गया है 2.9 पर अब ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय मुख्यमंत्री जी की बात को सुनें, शांति बनाये रखें ।

श्री हरिभूषण ठाकुर 'बचोल' : सर, किशनगंज, पूर्णियां का भी देखवा लिया जाय ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : अरे आपको जो भी लगे हम ये कहते हैं कि हम तो इस बार जानबूझकर के वही दिखवा ही रहे हैं । हमको भी कहीं के बारे में खबर मिलता है तो हम जानकर देख रहे हैं कि उन लोगों को भी भाई आखिरकार करना है न, कि बिना मतलब के इतना ज्यादा आबादी बढ़ाओगे तो क्या फायदा है ? कोई मतलब है और हमलोगों के बिहार का क्षेत्रफल तो कम है न भाई । अब सोचिये न बिहार है 12वें नंबर पर क्षेत्र के हिसाब से, लेकिन आबादी के हिसाब से हमलोग तीसरे नंबर पर हैं तो हमलोगों को ध्यान देना पड़ेगा न भाई कि बिना मतलब का नहीं । आज इतना ज्यादा आबादी का दर है अपने बिहार का शायद दुनिया में उतना दर कहीं नहीं है । इसीलिए तो हमको लगा कि लड़की भी पढ़ लेगी और लड़का भी पढ़ेगा तो यह प्रजनन दर घटेगा और हमको तो पूरा भरोसा है जान लीजिए 2040 के बाद आपके बिहार का स्थिर होगा और उसके बाद फिर नीचे जायेगा प्रजनन दर । इसलिए पढ़ाना बहुत जरूरी है, लेकिन देखना तो जरूरी है कि ठीक से पढ़ावे । अब खाली स्कूल में रहेगी लड़की और ठीक से पढ़ायेगा ही नहीं तो यह ठीक नहीं है । इसलिए एक-एक चीज को देखना है तो उस काम के लिए भी हमलोग लगे हुए हैं । इसीलिए हम बता दिये कि पढ़ाई की बहुत आवश्यकता है । उसके लिए भी हमलोग पूरा का पूरा जो घूम रहे थे उसमें भी हमने यही किया है। इन सब चीजों के लिए तो हमलोग काम करेंगे । एक ही नहीं अनेक कामों को कर रहे हैं और बाकी आप देख ही रहे हैं । आपलोग बोल रहे हैं रोजगार का अवसर देने का भी आपलोगों को मालूम नहीं है, हमलोग नहीं चाहते हैं, हम सब लोग चाहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा रोजगार का अवसर दें, नौकरी दें सरकार में और ऐसा अवसर दें कि उसको रोजगार करने का मौका मिले । इसके लिए भी तो हमलोगों ने तय ही कर लिया है कि 10 लाख सरकारी सेवा और 10 लाख रोजगार के लिए अवसर इसके लिए हमलोग काम शुरू किये हुए हैं । ये सब काम होगा तो और आगे बढ़ेगा, गरीब राज्य है न और गरीब राज्य में जो भी करने की कोशिश आज तक हमलोग किये हैं ।

टर्न-19/पुलकित/01.03.2023

(व्यवधान)

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : अगर सच पूछिये । बात सिर्फ सुन लीजिये । आप बोले हैं, आप सुन लीजिये ।

(व्यवधान)

जैसे ही आपको पता चलें अपने इलाके में या किसी इलाके में कि किसी गरीब बच्ची को या बच्चे को पढ़ने में दिक्कत हो रही है, नहीं है तो कृपया करके वहां के बारे में रिपोर्ट जरूर भेज दीजिये । बयान देने में हमको कोई ऐतराज नहीं है ताकि हम तुरंत भिजवायेंगे वहां कि क्यों नहीं करता है ।

श्री लखेंद्र कुमार रौशन : महोदय, बिहार के एस0सी0, एस0टी0 के छात्रों की 10th की और 12th की स्कॉलरशिप बंद हो गयी है । पांच लाख से ज्यादा बिहार के एस0सी0, एस0टी0 छात्र जो है उनका भविष्य अंधकार में चला गया है । ये पांच लाख से ज्यादा है....

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : आपको तो पता होना है न कि हमलोग कितने लोगों की मदद करते हैं....

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, माननीय मुख्यमंत्री जी का जवाब हो रहा है और मैं आपसे कह रहा हूँ कि बिना इजाजत के आप खड़े नहीं हो सकते हैं, आसन से आपको इजाजत लेनी चाहिए ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : पता करना चाहिए । आपको तो आपकी पार्टी वाले लोग ही, जो पहले मंत्री रहे हैं वही बता देंगे कि पहले हम लोगों ने कहां से शुरू करके कहां-कहां सबको पढ़ने के लिए कितना मौका दिया, इसलिए आपको पता चलेगा । उस सब में कोई दिक्कत नहीं है और हम बोलते हैं कि इस चीज का ध्यान रखिये। इसलिए इस बात का ध्यान रखिये, जैसे ही कह दीजियेगा, भिजवा दीजिये । आप तो लोकल लेवल पर डी0एम0 को जरूर कहिये, लेकिन डी0एम0 को जब लिखते हैं तो एक मेरे ऑफिस को भी भेज दीजिये ताकि इस बात को जरूर हमलोग देखेंगे और यह होना ही नहीं चाहिए । हमलोगों का मकसद क्या है ? आप बोलिये, जब हम प्रजनन दर बता रहे हैं, इसको दिखवा रहे हैं । अगर पढ़ेगा ही नहीं तब फिर प्रजनन दर कैसे घटेगी । हमलोग तो चाह रहे हैं और बिना मतलब के हालात खराब होगी । उसी के लिए हम इस बात को कह रहे हैं, इन सब चीजों पर ध्यान रखना चाहिए । बाकी तो मान लीजिये किसी को कुछ भी बोलना हो, अपने हिसाब से बोलिये, हमें उस पर कोई ऐतराज नहीं । लेकिन सही मायने में जो काम के लिए होना चाहिए उसके बारे में सूचना दे दीजिये तब हम जरूर कर देंगे । सब तरफ से हमलोग मौका तो दे ही रहे हैं और देंगे भी ।

एक तो हमने नयी चीज शुरू कर दी है, सर्वसम्मति से जाति आधारित जनगणना शुरू किये हैं । सभी पार्टी के लोग गये थे, आदरणीय प्रधानमंत्री जी से मिले थे । सब पार्टी के हमलोग बैठ कर के रिक्वेस्ट किये थे कि पूरे देश की जातीय जनगणना होनी चाहिए । सब पार्टी के लोग गये थे, वे सुन लिये लेकिन बाद में उन लोगों ने कह दिया कि देखिये, हम पूरे देशभर में तो नहीं करेंगे अगर

आप लोगों को लगे तो करिये । तब फिर ऑल पार्टी मेकिंग करके हमलोगों ने तय किया । सब लोग बैठ कर के तय किये कि जाति आधारित जनगणना हो, जितनी बात सब लोगों से हुई और उसी के आधार पर जातीय आधारित जनगणना हमलोगों ने शुरू कर दी । आपको हम बता दें कि 21 जनवरी, 2023 तक एक प्रथम चरण में हमलोगों ने हर घर को देखने के लिए मतलब उसको करके, उसका नंबर लेकर के, इस बारे में आप जानते ही हैं, उसमें लिखा एक काम हो गया है । दूसरा काम, एक्जेक्टली लोगों का नाम और उसके साथ उनकी जात और दूसरी आर्थिक स्थिति । ये तो हम शुरू से कह रहे थे कि जब तक हम लोग सिर्फ एक जाति आधारित जनगणना करेंगे लेकिन जब तक लोगों की आर्थिक स्थिति को भी जानेंगे चाहे कोई भी जाति का क्यों न हों, तभी न उनके विकास के लिए हमलोग आगे काम कर पायेंगे । इसी को ध्यान में रखकर के एक तो हो जायेगा, जाति आधारित जनगणना । सबका, कौन कितना है और किसी आर्थिक स्थिति है और यह हो जायेगा । हमें लगता है क्योंकि हमने फिर इधर रिव्यू किया है और हमें बता दिया है कि ये लोग तेजी से मई तक यह पूरा का पूरा काम कर लेंगे, यह बहुत अच्छा होगा । यह जान लीजिये जब अपने राज्य में हो जायेगा तब बाकी सबलोगों को लगेगा कि इसी तरह से सही मायने में फर्क है । किसी चीज को छोड़ा नहीं जायेगा, अभी आप कह रहे थे, बात आ रही थी, कोई भाई कह रहे थे, हम सुन रहे थे । विधान परिषद् में भी कोई बोल रहे थे या कहीं-कहीं बोलते रहते थे कि यहां पर जो लोग रहते हैं आप उनकी जात के बारे में या किसी चीज के बारे में । क्यों नहीं, इस बार जब होगा सबकी जनगणना जानी जायेगी । बाहर से भी जो लोग आकर के रह रहे हैं तो उनका कैसे नहीं जानेंगे, उन सबकी कैसे गिनती नहीं करेंगे । इसलिए जो यहां पर रह रहे हैं सबका हम लोग कर ही रहे हैं और तब देखकर के तय होगा कि आखिरकार कोई बैकवर्ड में है या होना चाहिए । मानलीजिये, अगर ऐसा है तो क्यों न उस पर विचार बाद में किया जायेगा । इसलिए इन सब चीजों पर तो सब हो ही रहा है और आपको मालूम है हमलोग बैकवर्ड में, अति पिछड़ा में सब में कई जगह के लोगों को और शामिल किये, हमलोग तो चाहते ही हैं कि सबका विकास हो, इसलिए हम यह भी काम जाति आधारित जनगणना सभी का काम है, इसमें सब लोगों को और बिल्कुल सारे लोगों के विकास का काम हों, इसमें भी सब चीज की गिनती गिन रहे हैं । इस सब के लिए बहुत अच्छा है, इसके लिए अब आप लोगों को यही कहना चाहते हैं और इसके बाद हमलोग जो कर रहे हैं आर्थिक विकास । अब आप जानते हैं अभी जो रिपोर्ट आई । आप तो आर्थिक विकास की रिपोर्ट देखें ही है । हमलोगों के यहां तो इतनी गरीबी है तब भी हमलोग अपना विकास करते हैं । आर्थिक विकास तो बढ़

ही रहा है और सबसे पहले वर्ष 2009 में ही आया था, जब हमलोग काम करना शुरू किये । अब इस बार की रिपोर्ट आई है कि बिहार की आर्थिक विकास दर 10.98 प्रतिशत हुई और देश भर की 8.68 प्रतिशत है । अब सोच लीजिये, आप ऐसे तो करियेगा कि हमारी विकास दर तो हो रही है लेकिन प्रति व्यक्ति आय हमारे बिहार में सबसे कम है, सबसे पिछड़ा राज्य है । अभी प्रति व्यक्ति आय 54,383/- रुपये हैं और देश भर की औसत 1,50,000/- रुपये । हमलोग तो इसलिए मांग करते रहते हैं इसलिए इसको विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिए । इतनी गरीबी है, इस गरीबी को दूर करना है । अभी अपनी मेहनत से हमलोग कर रहे हैं तब भी आप देख लीजिये इतना बढ़ने पर आर्थिक विकास दर बढ़ने पर भी अभी हमलोगों की क्या हालत है ? अभी तो इसको बढ़ाना है इसलिए हमलोग तो सब चाहते ही हैं अगर विशेष राज्य का दर्जा मिल जाता तो आज बहुत आगे बढ़ जाते । अब इतना ज्यादा आप जानते हैं जो हमलोग बजट रख रहे हैं, उस पर गौर करके देखिये लास्ट ईयर ही आया था । पिछले साल ही बजट में हमलोग पांचवें नंबर पर थे । इतनी हमलोग मेहनत कर रहे हैं, हमलोग हैं पिछड़े राज्य में और सब मेहनत कर रहे हैं । हमारी आबादी इतनी ज्यादा है और सबके बावजूद हमलोग कोशिश कर ही रहे हैं इसलिए हम तो सबको कहेंगे कि एक बार कोशिश कर लीजिये । इस पर जब हम बोलते हैं तो ऐसा थोड़ी है आज से बोल रहे हैं 2010-11 से, कितना आंदोलन कराये, सबकुछ किये, सब लोगों को पता ही न है कि विशेष राज्य का दर्जा मिलना ही चाहिए । अगर मिल जाये तो बड़ा लाभ होगा इसमें कोई शक नहीं है । इसलिए ऐसा मत कहिये जब हम विशेष राज्य का दर्जा बोलते हैं तो कहते हैं कि केन्द्र सरकार इतना दे ही रहा है । उससे यह होगा कि राज्य सरकार का जो शेयर है केन्द्र की योजनाओं में केन्द्र का 90 प्रतिशत और राज्य का 10 प्रतिशत । इसमें आपका पैसा जो बचेगा उसी में और ज्यादा आप आगे विकास का काम बढ़ा दीजियेगा तभी आपका सब कुछ बेहतर हो जायेगा, इसलिए हम लोग इस बात को कह रहे हैं ।

आप लोग अभी शराबबंदी के बारे में भी बोल रहे थे । जब यहां पास किया गया, याद कीजिये, सबलोगों ने मिलकर पास किया । तब आप ही न खड़े होकर बोले कि एकदम लागू होना चाहिए और यही बोले सामने सब लोग शपथ लें। आपने ही शपथ के लिए कहा और सबलोगों ने शराबबंदी के पक्ष में शपथ ली। हम कभी इन सब चीजों को थोड़ी न भूल सकते हैं । हमलोग आपस में मिलकर के कर रहे हैं लेकिन क्या कीजियेगा । हम तो बराबर न शुरू से बोलते हैं।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : माननीय मुख्यमंत्री जी हम तो पूर्ण नशाबंदी पर बोले थे, इस पर थोड़ा प्रकाश डालें ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : हां, ठीक ही बात है । पूर्ण नशाबंदी तो है ही, उसी पर कह रहे हैं जरा थोड़ी हमारी बात पर ध्यान दीजिये । समझ गये न । कुछ लोग आपके सीनियर लोग भी हैं न, उनको भी मेरी तरह पता है । इसलिए जरा सा ध्यान दीजिये, बोलने के लिए तो कोई भी बोलेगा । होता क्या है कि आप तो समाज में जानते हैं । कोई भी आदमी जो जन्म लिया है तो सेंट-परसेंट सही हो सकता है । जब कोई काम शुरू करते हैं अच्छे से प्रचार करते हैं तो 90 प्रतिशत तो ठीक हो जाता है । 10 परसेंट के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है ताकि 5-7 परसेंट और ठीक हो जाए लेकिन कितनी भी मेहनत करियेगा । कुछ आदमी तो गड़बड़ करता ही है और हमलोग तो देखें ही है । जब हम एम0पी0 थे, हम तब की बात करते हैं ।

(क्रमशः)

टर्न-20/अभिनीत/01.03.2023

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री (क्रमशः) : तब उसी समय हमको फिर, और पढ़े तो पता चला कि सब आदमी ठीक नहीं हो सकते हैं, कुछ आदमी गड़बड़ होते ही हैं । आप कितना भी बढ़िया काम लोगों के लिए करिएगा, कुछ आदमी तो गड़बड़ करेगा ही, इसलिए चिंता मत कीजिए । अब आपको, हमलोगों को काम करना है न भाई कि अधिक-से-अधिक आदमी ठीक-ठाक करे लेकिन कुछ तो गड़बड़ करने वाले रहेंगे ही । गड़बड़ करने वाले रहेंगे ही तब उस पर तो जो कर सकते हैं समझाने का लोगों को कि इसके चक्कर में मत परिए । कुछ तो होता ही है और हमको जो पता चला है, हम इस बार की बात आपको बता देते हैं ।

श्री जनक सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह प्रशासनिक तंत्र गड़बड़ी कर रहा है ।...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप अपना स्थान ग्रहण कीजिए । नहीं-नहीं, अपने स्थान को ग्रहण कीजिए । माननीय मुख्यमंत्रीजी का जवाब हो रहा है, होने दीजिए । माननीय सदस्य जनक सिंह जी, आप स्थान ग्रहण कीजिए ।

श्री जनक सिंह : यह प्रशासनिक अक्षमता है..

अध्यक्ष : वह हो गया, ये बोल रहे हैं इनको बोलने दीजिए ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : आप बैठिए न । हमारी बात को सुन लीजिए ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, सरकार का जवाब हो रहा है, आप बैठिए ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : पहले भी तो थे ही न, जरा सुनिए बात को । जब हुआ था, आपको याद नहीं है । पिछली बार भी लोग जहरीली शराब से मरे थे, आपको याद होगा 2021 में तो उसके बाद हमलोग और मूवमेंट चलाये और 2022 में सब जगह, 12 जगहों पर जा-जा करके फिर हमलोगों ने किया । बीच में कोरोना हो गया था तो पांच जगह हमलोग गये, फिर पांच जगह गये और सबलोग मीटिंग में भाषण नहीं दिए हैं, एक-एक चीज लोगों को समझाने के लिए कि गड़बड़ मत करो । जहरीली शराब पी लेते हो, शराब पीने से मना करो लोगों को, पियेगा तो मरेगा, यह सब बात तो हमलोग पिछली बार भी किए थे । एक बात हम आपलोगों को बता देना चाहते हैं कि अभी जो हम, 2018 में जो सर्वे किया गया था उसमें पता चल गया था कि अपने यहां 1 करोड़ 64 लाख लोगों ने शराब पीनी छोड़ दी। इस बार जो हमने सर्वे करवाया है तो इसमें जो पता चला है, चाणक्य विधि विश्वविद्यालय को हमने दिया था, तो उनके माध्यम से भी सर्वे करवाये हैं, आप जान लीजिए कि इस बार जो अभी तुरंत रिपोर्ट आयी है कि शराबबंदी के बाद, आप समझ लीजिए कि इस बार की जो रिपोर्ट है 1 करोड़ 82 लाख लोग शराब पीना छोड़ चुके हैं । यदि 1 करोड़ 64 लाख से अब शराब छोड़ने वालों की संख्या बढ़ गयी, अब 1 करोड़ 82 लाख हो गयी । आप समझ लीजिए कि इसमें यही हुआ है, पता जो चला है कि ग्रामीण क्षेत्रों में 93 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 92 प्रतिशत लोग शराबबंदी के समर्थन में बोलते हैं और जो समर्थन में नहीं बोलते हैं वे सब शराब नहीं पीते हैं लेकिन आप समझ लीजिए कि ग्रामीण इलाकों में 93 प्रतिशत और शहरी इलाकों में 92 प्रतिशत लोग शराबबंदी के पक्ष में बोलते हैं । हम तो इस बार गये, देखिए आपलोग बोलते हैं, हम जिन जिलों में गये सब महिला लोग बोल रही थीं । वह तो ठीक है लेकिन आप जानते हैं कि जो कोई शराब पीता है तो भाई जहरीली शराब है तो जहरीली शराब पीने से मरबे न करता है, तो आपको पता है न कि सबसे पहले हमलोग जो लागू किये, 2016 में जो एक घटना वहां पर घटी तो उसके बाद हमलोगों ने कहा कि ठीक है जो दिया है उसी से इसको पैसा देना पड़ेगा और सरकार की तरफ से हमलोग कुछ दे दिए लेकिन बाद में वह कोर्ट में स्टे हो गया । बात यही हमलोगों ने तय की कि भाई जो भी उसको, जिस किसी ने गंदी शराब पिलाकर मरवाया है, वह जब डिटेक्ट हो जाय तो उसी से यह सब लिया जायेगा, सरकार का मदद करने का कोई तुक नहीं है । एक बात याद रखिए कि शराब पीने से ही न मर रहा है, अब जहरीली शराब उसको मिल गयी तो पी रहा था तभी न उसको जहरीली शराब मिल गयी । शराब नहीं न पीनी चाहिए, लोगों को समझाना चाहिए, पूरे परिवार को समझाना चाहिए । पैसा देने की जरूरत नहीं है बल्कि परिवार को अगर इसके चलते कोई नुकसान

हुआ है तो उसको मदद करने के लिए कुछ करना पड़े तो हम सबको करना चाहिए कि भाई छोड़ दो, शराब कितनी गंदी चीज है जान लो, शराब कितनी बुरी चीज है जान लो ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : जो मर गये हैं उनको मुआवजा...

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : नहीं, मुआवजा तो नहीं देना चाहिए । बात को समझ लीजिए, आपलोग तो पहले भी थे न मंत्री, तो उसको मुआवजा दीजिएगा, यह कोई अच्छी बात नहीं है, नहीं तो वह पियेगा । अरे ! शराब पी रहा है इसलिए न मर रहा है । जहरीली पी रहा है तो इसीलिए जहरीली शराब वाले पर एक्शन होना चाहिए, हम यह कह रहे हैं लेकिन उसके परिवार को अगर कोई मर गया तो उसको और ज्यादा ट्रेंड कर देना चाहिए कि भाई देखो कितनी बुरी चीज है, आगे कभी मत करना और उस परिवार को आगे बढ़ाने के लिए जो सहयोग करना हो जरूर करना चाहिए लेकिन यह जो बात है न, हम आपको कहना चाहते हैं कि हम सबलोगों को, चूंकि सर्वसम्मति, सर्वसम्मति से यह लागू हुआ, तो अभी भी आप जो कहते हैं वह गलत नहीं है...

(व्यवधान)

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : बैठिए, मेरी बात सुन लीजिए । आपका भाषण हमने सुन लिया।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : महोदय, पूरे बिहार में अपराध, भ्रष्टाचार..

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : हम बोलने जा रहे हैं, आप सुनिए न । बैठिए सब पर बात करेंगे । आप चिंता मत कीजिए ।

अध्यक्ष : माननीय नेता प्रतिपक्ष, आप धैर्य खो रहे हैं ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : आज हमारी आपके केंद्रीय मंत्री से बात हुई है और उस पर एक्शन हो रहा है ।

(व्यवधान)

(इस अवसर पर विपक्ष के सभी माननीय सदस्यगण सदन से बहिर्गमन कर गये)

अध्यक्ष : ये लोग आपकी बात को लगता है सुनना नहीं चाह रहे थे । आपलोग शांति बनाये रखें ।

इन लोगों को जो अच्छी बात माननीय मुख्यमंत्री जी कह रहे थे लगता है कि पसंद नहीं है । ये लोग चले गये ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : महोदय, इनको पता नहीं है कि रक्षा मंत्री ने हमको सुबह फोन किया । इन्होंने बताया..

अध्यक्ष : इन्होंने प्रस्ताव दिया है ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : इन्होंने बताया कि एक आदमी मर गये और उनके परिवार को जिस तरह से तंग किया है, हमने उनको बता दिया कि कल ही हमलोगों को मालूम हुआ है, हमने अधिकारियों को कहा है कि भाई इस तरह की चर्चा क्यों है? क्यों उसको तंग किया गया और गिरफ्तार किया गया है ? उस पर यहां से जाकर सब तरह की जांच हो रही है । ये लोग तो सुने ही नहीं भाग गये । इनको तो हम कह देना चाहते थे कि आपके मंत्रीजी से सुबह ही बात हुई तो हमने उनको बता दिया । सुबह ही रक्षा मंत्री ने फोन किया है । क्यों ये भाग गये पता नहीं, शायद ये सुनना नहीं चाह रहे थे तो इनलोगों को लगा क्या करें और बोल कर चले गये । वह सब बात भी बहुत हुई और एक-एक चीज की जो बात इनलोगों को हम कह रहे हैं, तो सब तरह से जो भी था, जहरीली शराब की ये बात कर रहे थे तो हमने बता दिया कि वह सब बात नहीं है, इसके लिए हमलोग कर रहे हैं और ये बोल रहे थे तो हमलोग इसकी भी जांच करवा रहे हैं कि भाई जो आदमी कर्मी है, सरकारी कोई अधिकारी है, पुलिस का है या कोई भी हो अगर शराबबंदी वाले मामले में इधर से उधर कर रहा है, ठीक से नहीं कर रहा है तो उस पर भी नजर रखना है । दो डिपार्टमेंट इसी पर पूरी तौर पर मजबूती से काम करना शुरू किया और वह देख रहा है कि कोई गड़बड़ करेगा तो उस पर भी एक्शन होगा । कोशिश तो हो ही रही है जो बता दिया हमने आपको और एक बात और अभी बताना चाह रहे थे कि अपने राज्य में महिलाओं में 99 प्रतिशत और पुरूषों में 92 प्रतिशत लोग एकदम शराबबंदी के पक्ष में बोलते हैं । यह सबको पता ही नहीं है, कुछ लोग गड़बड़ करते हैं तो उस पर एक्शन होना चाहिए और नहीं पीजिए । यह सब काम हुआ और जहरीली शराब से जो मृत्यु हुई है तो उसमें इनको बता दें कि 34 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया । एक-एक चीज पर काम हमलोग कर ही रहे हैं, किसी चीज को छोड़ नहीं रहे हैं, हर प्रकार से, सब तरह की बात हो रही है । आप जो अभी, इस बार जो अधिप्राप्ति हो रही थी, हर बार तो हमलोग अधिप्राप्ति कर ही रहे हैं । इस बार आप समझ लीजिए कि..

(क्रमशः)

टर्न-21/हेमन्त/01.03.2023

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री (क्रमशः) : 42.04 लाख मीट्रिक टन धान की अधिप्राप्ति हो गयी है और जो अरवा और उसना और जो लोग उसना नहीं कर रहा था, तो उसके चलते थोड़ी देर हो रही थी । लेकिन जो शराब खरीदी जाती है अधिप्राप्ति जो प्रोक्योरमेंट होता है, तो वही न प्रोक्योरमेंट होता है कि जो भी दिया जाता है लोगों को, तो चार जिले ही हैं, जहां पर लोग अरवा चावल खाते हैं । रोहतास, कैमूर, बक्सर और भोजपुर । वहां भी शुरू हो गया है ज्यादा लोग उसना चावल में ।

लेकिन यही बस है बाकी सब लोग उसना चावल लेते हैं । अगर अरवा चावल दे देंगे तो वह खायेंगे थोड़े ही, वह तो बेच ही देंगे । तो सबको जब दिया जाता है परिवारों को, तो इसलिए हम लोगों ने तय कर दिया है कि उसना चावल ही थोड़ा सा जिन चार जिलों में अरवा चावल की बात है उतने ही लोगों का लिया जायेगा बाकी सब का किया जायेगा । तो इस बार तो इतना हो गया । पिछला साल तो 44.90 लाख हो गया था । इस बार इतना हो गया । तो हम लोग तो कर ही रहे हैं और गेहूं की अधिप्राप्ति में भी, तो पिछली बार कम हुआ, हम लोग कोशिश करते हैं कि वह भी हो । तो हम लोग अधिप्राप्ति के लिए कोशिश कर रहे हैं । अधिक-से-अधिक लोगों को इसका लाभ मिले यह सब काम हम लोग पूरे तौर पर कर रहे हैं और उसके बाद तो आप जानते ही है कि कोरोना का जो दौर चला, तो एक बात आप लोग जान लीजिए कि अभी तक हम लोग जांच करवा रहे हैं, छोड़ नहीं रहे हैं । जिस दिन से कोरोना है, प्रतिदिन डिपार्टमेंट मेरे पास भेजता है कि आज कितनी जांच हुई और देश भर की रिपोर्ट भेजता है, कहां कितनी जांच हुई । तो हम लोग तो कोरोना वाले में कर ही रहे हैं । अब आप समझ लीजिए कि 10 लाख की जनसंख्या पर बिहार में आज 8,41,724 की जांच की गयी और पूरे देश में एवरेज है 6,65,283 । गरीब राज्य है, लेकिन हम लोग इतना ज्यादा कर रहे हैं। 10 लाख में 41 हजार 724 जांच, अभी भी छोड़ नहीं रहे हैं, अभी भी हम लोग जांच कराते रहते हैं और बराबर हम लोग ध्यान देते हैं । रोज शाम में हमारे पास रिपार्ट आती है और शाम में हम लोग देखकर कहते हैं कि इसको और देखिये । हर तरह से हम लोग काम कर रहे हैं । कोरोना का टीकाकरण भी हुआ और जो कोरोना का टीकाकरण हुआ है अपने यहां मतलब समझ लीजिए कि 15 करोड़ 72 लाख से अधिक टीके किये गये हैं । अभी तक हम लोगों का टीकाकरण हो रहा है । अभी तक भी टीकाकरण करवा रहे हैं । लोगों के बीच में लगे हुए हैं । आप तो जानते ही है कि अभी तो बहुत घट गया है, लेकिन कहीं-कहीं बढ़ जाता है । किसी दिन एक, किसी दिन दो हो जाता है । तो हम लोग तो लगे रहते हैं । कुछ राज्यों में हो भी जाता है बहुत 40 या 50, लेकिन फिर भी इसलिए एलर्ट अभी भी हैं । लेकिन अभी तो केंद्र की तरफ से कुछ नहीं कहा जाता है । अब तो सब लोग भूल गये मतलब भूले नहीं हैं, छोड़ दिये हैं । अभी तक तो ये जो टीकाकरण के लिए है वह भी अब वहां से नहीं आता है । बीच में टीकाकरण के लिए भेज रहे थे, लेकिन अब नहीं भेज रहे हैं । तो आप समझ लीजिए कि यह हालत है, लेकिन हम लोग तो कोरोना वाला भी कर रहे हैं । जो लोग मरे कोरोना के समय में और जितना ज्यादा हम लोगों ने किया बिहार में किया । चार लाख रुपया हम लोगों ने उस परिवार को दिया और बाद में केंद्र ने तय किया 50 हजार रुपया, तो

50 हजार जब तय किया, तो चार लाख के अलावा और 50 हजार । लेकिन कोई बड़े-से-बड़े राज्य में नहीं देते । हम लोग तो यह सब काम कर ही रहे हैं । तब कुछ बोलते हैं तो इन सब बातों को याद रखना चाहिए । इसलिए हम याद कराना चाहते हैं, भागियेगा तो क्या करें ? अब तक हम लोगों ने 13,106 मृतकों के आश्रितों को दे दिया है । अब जब भी हम जनता दरबार लगाते हैं, उस समय भी लोग आते हैं, तो हम सबका दिखवा रहे हैं । अगर अब भी पता चलता है, तो उनका भी तय कर देते हैं और अभी भी हम लोग देख रहे हैं कि कोई ऐसा नहीं हो जिसका नाम छूटा रहे उसको हम लोग देने के लिए लगे हुए हैं । हालांकि अब बहुत कम है लेकिन हर तरह से अब पूरे तौर पर किसी भी चीज को हर तरह से हम लोग इस काम को कर रहे हैं और हर तरह से जो भी होता है पूरा-का-पूरा, हम लोग मेंटिनेंस पॉलिसी भी करवा रहे हैं । हर घर नल का जल, रख-रखाव के लिए एक-एक चीज का काम हम लोग कर रहे हैं । तो अभी जो पता चला है कि वार्ड वगैरह में जिसको हर घर नल का जल दिये हैं, अब उसकी शिकायतें आ रही हैं । चूंकि चुनाव हो गया और दूसरे लोग आ गये । कई बार शिकायत आ गई है कि वहां पर नहीं चल रहा है, तो अब हम लोग उस पर विचार करेंगे कि हम लोगों ने जो करवाया था । आप सबको मालूम है कि एक हिस्सा में जो मेंटिनेंस का काम करवाया था, तो अब हम लोग उस पर पूरे तौर पर कर रहे हैं कि उसके बारे में जो भी शिकायतें मिल रही हैं, तो इन सबको देखते हुए सरकार को निर्णय लेना पड़ेगा कि अगर कोई भी चीज है और नहीं हो रहा है, तो हम लोगों को सरकार के बारे में सोचना पड़ेगा कि पंचायत से नहीं हो पा रहा है, तो हम लोग तो पहुंचा ही देंगे ।

अध्यक्ष : माननीय मुख्यमंत्री जी एक मिनट रुकें । माननीय सदस्यगण, महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर हुए वाद-विवाद पर सरकार के उत्तर एवं आज के कार्यों के निष्पादन होने तक सदन की सहमति से बैठक की अवधि विस्तारित की जाती है ।

(सदन की सहमति हुई)

माननीय मुख्यमंत्री जी ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : धन्यवाद । हमको कहते तो हम तो उसी समय खत्म कर देते । तो जो भी चीज है, जो सब तरह की बातें कही गयी हैं उसी के सिलसिले में हमने जो देखा है, हमने सोचा कि सब चीजों के बारे में जानकारी दे देना जरूरी है । वह भी हमने बता दिया है । तो ये सब जो बात कह रहे हैं कि हर घर नल का जल दिया, मेंटेन नहीं है, लोगों ने पूरा पता किया है । अब उसके मेंटिनेंस के लिए जहां-कहीं भी नये सिरे से बनाना पड़ेगा वहां पर भी उस काम को सरकार के

विभाग के द्वारा कराया जायेगा । ये हम लोग इसके बारे में भी सोच रहे हैं । लेकिन अभी पूरे तौर पर उसके बारे में अध्ययन कर रहे हैं । उसके बारे में चिंता नहीं करनी है । लेकिन हम लोगों ने उन सबसे पूछ ही लिया और हर जगह की खबर भी हम लोगों ने ले ही ली है और आप सबसे भी कहेंगे कि अगर कहीं के बारे में आपको यह लगे, तो उसके बारे में आप लोग अपने डी0एम0 को दे दीजिए और एक बात और कहेंगे कि अगर डी0एम0 को भेजियेगा, तो मेरे ऑफिस को भी भेज दीजिए । भेजियेगा, तत्काल उसके ऊपर से जो भी किया जाना है, तो उस पर कार्रवाई होगी ।

अब बिजली भी है । अब हर घर तो बिजली तो हम लोगों ने पहुंचा दी न । गरीब राज्य होकर हम लोगों ने हर घर बिजली पहुंचाई और हम लोग तो कहते ही रहते है कि आप लोगों को जो भी हुआ बिजली बिल के बारे में शिकायत की बात आयी है, क्योंकि बिजली का बिल गड़बड़ कर रहा है । तो उसके बारे में जांच की जा रही है जगह-जगह के बारे में । आप लोग तो जानते हैं कि हम प्रीपेड मीटर करवाना चाह रहे हैं । स्मार्ट प्रीपेड मीटर में 12,50000 लगाये गये हैं और काम तेजी से जारी है । तो 2025 तक यह लक्ष्य पूरा हो जायेगा। अब प्रीपेड मीटर है कि जो कोई भी करता है । अभी तो मान लीजिए कि कोई गलत रिपोर्ट दे दिया कि आपका इतना ज्यादा हो गया है, तो हम शुरू से कह रहे है कि प्रीपेड मीटर रहेगा, तो जितनी बिजली आप कन्ज्यूम कर रहे हैं उतना ही उसमें आयेगा । तो इसलिए जब प्रीपेड मीटर रहेगा, तो आपको जितनी बिजली मिली है और वह खत्म हो रहा है, तो वह उसके पहले ही बता देगा कि खत्म होने वाला है । तो आप इसके आगे और लीजिए और प्रीपेड मीटर का पैसा उनको देना पड़ता है । तो प्रीपेड मीटर हम लोग लगवा रहे हैं, तो आप बताइये न कि गांव में कितना पैसा हम लोगों से ले रहे हैं, कितना कम हम लोग करवा रहे हैं । सबसे बहुत कम पैसा हम लोग ले रहे हैं । तो इसीलिए जो कुछ भी है । अब कृषि फीडर भी लगवा रहे हैं हम लोग, तो कृषि फीडर का भी आप लोग को बता दें कि 354000 किसानों को विद्युत कनेक्शन दिया जा चुका है और 1555 नये कृषि फीडर बनाये जा रहे हैं । जिसमें 275000 किसानों को नये विद्युत कनेक्शन दिये जायेंगे । तो हम लोग तो सब काम कर रहे हैं । तो यह सब काम हो जायेगा, तो बिजली की सुविधा उन लोगों को मिल जायेगी । तो बिजली की दर जो है वह कितनी कम रखे हुए हैं । 70 पैसा प्रति यूनिट, बिजली की जो खरीद कर रहे हैं आप लोग....

(क्रमशः)

टर्न–22/धिरेन्द्र/01.03.2023

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री (क्रमशः): हमलोगों को जो खरीदने में पैसा लगता है राज्य सरकार का, 5 रुपया 55 पैसा हमने बता दिया तो आप समझ लीजिये प्रति यूनिट का जो हमलोग खरीद करते हैं उस पर लगता है 5 रुपया 55 पैसा, मंत्री जी बता रहे हैं कि अब तो और बढ़ रहा है, मेरे पास जो पहले का रिपोर्ट था और जान लीजिये हमलोग दे रहे हैं मात्र 70 पैसा में, 70 पैसा में दे रहे हैं जान कर ही न दे रहे हैं, बहुत कम पैसा है, बहुत लोग कहते हैं कि ऐसे ही दे दीजिये, ऐसे ही नहीं देना चाहिए, आप नहीं जानते हैं एक बार तो हमलोग ऐसे ही माँग किये थे, हम एसेम्बली में थे सबसे पहले तो हम कह दिये थे कि किसान को जो टैक्स लगता है वह नहीं लगना चाहिए तो सब यहीं से खड़ा हो कर बोलें कि आपको आईडिया नहीं है, मान लीजिये कि अगर लोगों को मालगुजारी नहीं है तो उसका खेत ही खत्म हो जायेगा उसको याद ही नहीं रहेगा तब हम शांत हो गए । यह बात हम आपको 1986 का कह रहे हैं, तब हम समझ गए कि यह ठीक कह रहे हैं और उसी तरह से अब आपको कह रहे हैं कि कोई बिजली की खपत करता है तो कम–से–कम पैसा दे रहा है लेकिन खपत कीजियेगा तो ही न पता चलेगा कि कितना खपत कर रहे हैं, अगर बिल्कुल छोड़ दिया जायेगा तो वह ठीक नहीं है यह कभी नहीं सोचना चाहिए । हाँ, जब उनकी आमदनी के लिए हमलोग सब तरह का काम कर रहे हैं तो बिजली का यूज करेंगे और क्यों नहीं करेंगे, और बिजली के लिए तो हमलोग बहुत तरह की चीज कर रहे हैं हर तरह से काम कर रहे हैं, चारों तरफ से कह रहे हैं, सौर ऊर्जा वगैरह के बारे में हमलोग काम कर रहे हैं तो अभी जो ऊर्जा है वह तो एक समय कभी–न–कभी खत्म ही हो जायेगी, सौर ऊर्जा रहेगा तो सब दिन के लिए रहेगा क्योंकि सूर्य हमेशा रहेंगे तो सूर्य से ही मिलता है, वह रहेगा तो हमलोग सब को आज कह रहे हैं कि उसी को लीजिये और उसको मदद भी कर रहे हैं । सौर्य ऊर्जा का यूज करेंगे और हमलोगों ने करवा दिया है, हर जगह सब काम तेजी से चल ही रहा है, सोलर स्ट्रीट लाईट पर काम जारी है । आप सोच लीजिये कि अब कितना अच्छा हो रहा है और कई पंचायत में आप देख लीजिय और जहाँ भी हम गए हैं वहाँ पर हम कहे हैं कि इसकी संख्या भी बढ़ा दीजिये तो इस तरह से काम कर लोगों को फायदा होगा और हर घर में ये सब काम अगर हो जायेगा तो ये सब चीज बहुत अच्छे ढंग से हो जायेगा । चौर विकास योजना जो हमलोग कर रहे हैं, आप जानते हैं कि उत्तर बिहार में 9 लाख हैक्टेयर चौर क्षेत्र है, अब वहाँ पर तो खेती नहीं कर पाते हैं हमलोग पहले से वहाँ जा रहे हैं, देख रहे हैं, इनके क्षेत्र में भी देखें, और जगहों

पर भी हम जा कर देखें कि बड़ा अच्छा काम कर रहे हैं तो उनके यहाँ जो चल रहा है चौर विकास के लिए, हमलोगों ने तो कह ही दिया है कि तालाब के क्षेत्र में एक हिसाब से, मतलब कि जितना मिट्टी है वह तालाब से निकाल कर आप एक हिस्सा में लगा कर भूमि को समतल कीजिये और दूसरी तरफ से आप कर लीजिये तो उसमें मछली पालन कीजिये तो सब चीज कीजिये तालाब क्षेत्र में और उसी में हम कह रहे हैं कि ऐसे चीजों में फिर सौर का भी काम करना चाहिए वह सब होगा तो आप जान लीजिये कि लोगों को कितना फायदा होगा, अब हम आपको क्या बतायें। मुख्यमंत्री जो आवास है तो उसमें हमलोगों ने काम करवाया, जो कुछ भी सौर ऊर्जा का किये हैं जब से हम आये हैं तब से, ये कुछ अधिकारी यहाँ बैठे हुए हैं उन्हें मालूम होगा, आप जानते हैं कि एक अणे मार्ग में जितना हम सौर ऊर्जा करवा रहे हैं, अब इतना ज्यादा उसमें बिजली पैदा हो रहा है कि जितनी बिजली की खपत है एक अणे मार्ग में, उससे ज्यादा सौर ऊर्जा है तो इसी तरह से हम सब को प्रेरित कर रहे हैं । अभी हमलोगों को बिजली लेना पड़ता है, आपको मालूम होगा कि एक समय आयेगा जब वह खत्म हो जायेगी तो इसीलिए ये जो सबसे बड़ी चीज है सौर ऊर्जा तो इसके लिए काम करना है, हमलोगों ने सब तरह से काम किया है । जल-जीवन-हरियाली के लिए भी कितना काम कर रहे हैं, जल-जीवन-हरियाली वाला भी हमलोगों ने एक-एक चीज को दिखवा लिया है । हर प्रकार से सारे जगहों पर हमलोग काम करवा रहे हैं । पोखर-तालाब-आहर-पईनों को अतिक्रमण मुक्त, और जो गरीब आदमी है अगर उस जगह वह रह रहा था उसको हटाना था तो उसको अलग से घर बनाकर दे देना है कि आप वहाँ रहिये तो वह भी हमलोगों ने तय कर लिया है । इसलिए गरीब-गुरबा तबका को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं हो, कहीं पर भी अगल-बगल रह रहे हैं तो उनके लिए हमलोगों ने ये सब तय कर दिया है । सब जगह से आप समझ लीजिये हर प्रकार से और हर तरह से अब आप जान ही रहे हैं गंगा जल आपूर्ति योजना का हमलोगों ने तय किया था जल-जीवन-हरियाली में तो वह तीन जगह हो ही गया है, आप समझ ही न रहे हैं कि गया, बोधगया और राजगीर और अब नवादा में भी इसी साल हो जायेगा । जहाँ पर पानी की दिक्कत जिन शहरों में हो रही थी उन्हीं जगहों पर हमलोग करवा रहे हैं, आप समझ लीजिये भेज रहे हैं गंगा जल की आपूर्ति । आजकल वहाँ हो रहा है तो कोई-कोई कहते हैं कि हमें भी गंगा जल दे दीजिये, क्यों गंगा जल लीजियेगा, उन्हीं जगहों पर दिया जा रहा है जहाँ सबसे ज्यादा टूरिस्ट हो, इन तीन जगहों पर जाते हैं । आप समझिये बोधगया, गया और राजगीर, और राजगीर में क्या है समस्या तो इन सब चीजों को देखते हुए लेकिन रास्ते में एक और भी है हिसाब-किताब नवादा

का तो हमने कहा कि वहीं पर तो हमलोग ले जा रहे हैं तो नवादा का भी कर दिया । इसी तरह से सब जगह पर ये सब भी काम हमलोग कर रहे हैं पूरे तौर पर, इसीलिए कहीं कोई दूसरे जगह की बात नहीं है । हमलोगों ने जो कार्यक्रम किया वह सब की सहमति से जल-जीवन-हरियाली अभियान जो हमलोगों ने शुरू करवाया और उसी का न यह पार्ट है और कितना सरकार का खर्चा हुआ मालूम है, चार हजार करोड़ रुपये से भी ज्यादा । आप सोच लीजिये यही तीन-चार जगह कराने में इतना पैसा लग रहा है, हमलोग तो सब तरह से सुविधा कर रहे हैं, हर प्रकार से सारा काम जो करना है सब कुछ जो कर रहे हैं और सबसे बड़ी बात है कि आप समझ लीजिये कि हमलोग पौधा-रोपण का भी काम कर रहे हैं, पौधा रोपण भी किये, जब बिहार और झारखंड अलग हो गया तो आपको पता ही न है कि हमलोगों के पास कितना पौधा था उस समय, आप समझ लीजिये कि बहुत कम मात्र 9 प्रतिशत था, बिहार झारखंड से जब अलग हुआ तो यहाँ पर हरित आवरण मात्र 9 प्रतिशत था, हमलोगों ने वर्ष 2012 से शुरू करवाया और उसके बाद बढ़ते-बढ़ते आज 15 प्रतिशत हो गया है और हमलोगों का है कि क्षेत्रफल जो सीमित है और आबादी ज्यादा है तो कम-से-कम 17 प्रतिशत तो जरूर करेंगे और हमलोग काम कर रहे हैं । इतना तेजी से हमलोग ये भी काम कर रहे हैं, पौधा-रोपण भी करवा रहे हैं तो हर प्रकार से एक-एक तरह से काम कर रहे हैं और अभी हाल में ही इस जल-जीवन-हरियाली में, पहले तो हमलोग हरियाली मिशन करवाये ही थे तो उसमें 24 करोड़ का टारगेट रखे थे और 22 करोड़ लगा दिये थे । जल-जीवन-हरियाली में वर्ष 2019 के बाद से 10 करोड़ 72 लाख पौधे लगाये गए हैं तो हमलोग और ज्यादा चाहते हैं । देखते हैं पहले यहाँ दिखता था पौधा, अब कैसा पौधा रोपण हो गया है और जब पौधा-रोपण होगा तभी आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा और सुरक्षित रहेगा । इसलिए एक-एक चीज के बारे में जो कुछ भी काम है हम सब कर रहे हैं तो जितना भी विकास का काम है और जितनी भी जरूरी चीज है उन सब चीजों के लिए राज्य सरकार है और आप जान लीजिये जो हमने पहले कह दिया है लोगों को और ज्यादा नौकरी देने के लिए, रोजगार का अवसर पैदा करने के लिए और जो स्थिति है लोगों के ईलाज के लिए तो उन सब चीजों को और बेहतर करना है । कई जगहों पर यह देखा गया है कि हमलोग जो अस्पताल बनवा रहे हैं मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल, वहाँ पर कम ही लोग रह रहे हैं तो कम लोग क्यों रह रहे हैं, अब हमलोग तय कर रहे हैं कि जो कोई भी है उनको वहाँ पर काम करना ही पड़ेगा, सबको सरकारी नौकरी मिलेगी और वह नहीं करेंगे और सरकारी नौकरी नहीं करेंगे तो ऐसे ही कुछ होगा और कितना ज्यादा हमलोगों ने मदद किया तो इसलिए भी जो हम इतना ज्यादा चाहते हैं

कि और ज्यादा मेडिकल कॉलेज बने तो उस पर यह भी ध्यान देना है, हम तो यही चाहेंगे । अब ये लोग तो भाग गए लेकिन सभी दल के लोगों को प्रेरित करना चाहिए कि कम-से-कम सब लोगों को प्रेरित करना चाहिए । कौन है जिनके इलाके में डॉक्टर नहीं बनता है तो कहना चाहिए न आपस में बात कर कि आपको अस्पताल में मिला है तो आप अपना ड्यूटी कीजिए । इसीलिए इन सब चीजों को भी हमलोग पूरे तौर पर देख रहे हैं ताकि वे भी हो जाय और हर चीज को मेंटेन करना है.... (क्रमशः)

टर्न-23/संगीता/01.03.2023

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री (क्रमशः) : जो कुछ भी सड़क का निर्माण है, पुल-पुलिया का निर्माण है, जितनी बिल्डिंग का निर्माण है, जो हॉस्पिटल बना रहे हैं उसका भी निर्माण है, कोई कॉलेज स्कूल बनवा रहे हैं, इन सबका मेंटेनेंस करना तो उसका मेंटेनेंस भी पूरे तौर पर कराया जायेगा और उसके लिए हमको जो भी कंसर्न डिपार्टमेंट हैं, उस डिपार्टमेंट में इसके लिए इंजीनियर और अन्य लोगों की बहाली की जाएगी, वे सीधे इसके लिए टेंडर नहीं करेंगे सीधे उस पर डिपार्टमेंट ही रात-दिन देखता रहेगा तो आपको मालूम है न कि किसी चीज का मेंटेनेंस जो हमलोग करवाना शुरू किए हैं नहीं तो पहले कहीं जाते थे तो देखते नहीं थे कि कोई बिल्डिंग थी और जब उसमें घुसते थे तो महकती ही न थी कि अगल-बगल में लोग पेशाब करते थे तो महकता था, आजकल सब साफ-सफाई की जा रही है तो सब ठीक रहेगा तो सब चीज को मेंटेन करना, अब सड़कों के बारे में आप बताइये न भाई हम तो कह रहे हैं इसके लिए भी डिपार्टमेंट को सबको हम तैयार कर रहे हैं कि हर हालत में सड़क का, पुल का, पुलिया का सबको मेंटेन करिएगा। सरकारी भवन, एक-एक चीज को मेंटेन करिएगा, जब सब मेंटेन्ड होगा और तभी ठीक ढंग से काम होगा और अब तो सब चीज बढ़ ही न रही हैं । अब आप देख रहे हैं न कि कितने ज्यादा अब घर बन रहे हैं, कितने ज्यादा लोग बिजनेस कर रहे हैं, व्यापार कर रहे हैं सब तो बढ़ ही रहा है लेकिन अगर बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिल गया होता तो अभी आप समझिए कि बिहार आज जो इतना विकसित राज्य है और जिनको आजकल जो मौका मिला है उनको तो विकसित राज्य में ही काम करने का मौका मिला है और जो पिछड़ा राज्य है उसमें तो काम करने का मौका मिला नहीं है तो पिछड़ा राज्य को देखकर के अगर करते तो समूचा का समूचा इलाका हम खाली बिहार का थोड़े ही हमलोग कह रहे हैं इसी तरह से जो और पिछड़े राज्य हैं सबके लिए मदद कर दीजिए तभी न पूरा देश विकसित होगा तो देश का क्या काम है आप सोच लीजिए । हमलोगों को तो राज्य

सरकार में काम करने का मौका मिलता है तो वह एक हिस्सा हैं न और केंद्र सरकार को कितना बड़ा हिस्सा मौका है तो अगर जब तक सब राज्य को आगे नहीं बढ़ाइएगा तो क्या मतलब है ? तब तो कोई अर्थ ही नहीं है तो इसलिए हर राज्य को न विकसित करना है तो यह भी तो केंद्र का होना चाहिए हम तो यही चाहते ही हैं कि यह हो और बाकी तो हमलोगों से जितना संभव है उतना कर रहे हैं और इस बार तो बजट आ ही गया है तो आप देख रहे हैं कि फिर हमलोगों के माननीय मंत्री जी ने बजट पेश कर दिया है तो कितना ज्यादा बजट की भी संख्या हमलोग बढ़ा रहे हैं और हर तरह से और विकास का काम हो जाय, लोग आगे बढ़ें तो इसके लिए तो हमलोग कोशिश कर रहे हैं लेकिन अब केंद्र की कोई योजना आती है तो अपना जो हिस्सा है, अब आप सोच लीजिए उसमें देना पड़ता है, 40 परसेंट और 50 परसेंट और कहा जाता है केंद्र की योजना है तो केंद्र की योजना है तो पहले भी किसी चीज में कम पैसा राज्य का लगता था आजकल धीरे-धीरे बढ़ गया और राज्य की तो अपनी योजना हमको करनी है तो इसीलिए जरूरत इस बात की है कि जो हमलोगों की मांग है उसको मानना चाहिए था तो फिर भी नहीं मान रहे हैं तो भाई आप ही लोगों को चाहिए और दूसरी बात है जो केंद्र के द्वारा पैसा वसूला जाता है तो उसका एक हिस्सा न है जी तो पंद्रहवीं रिपोर्ट के हिसाब से 42 परसेंट है न राज्यों का, तो उस 42 परसेंट जो राज्यों का है तो अलग-अलग राज्यों का जो हिस्सा बना हुआ है तो वह समय पर पैसा मिल न जाना चाहिए अब उसमें भी पता है इनको ये बतायेंगे अपना और उसमें भी देर होता है तो जो राज्य का ही खाली केंद्र का नहीं न है पूरे देश का पैसा है तो केंद्र सरकार के पास रहना है 58 परसेंट और 42 परसेंट रहना है राज्यों में कुल मिलाकर अलग-अलग राज्यों को कितना मिलना अभी तय है तो वह भी तो मिलना न चाहिए समय पर और बाकी तो अपनी तरफ से जो हमलोग काम कर रहे हैं कर ही रहे हैं अब जो राज्य सरकार कहीं-कहीं वसूली करती है तो तुरंत होकर के आता है कि राज्यों को इसको छोड़ देना चाहिए तो राज्य अगर कुछ चीज की वसूली ही नहीं करेगा तो राज्य को तो कोई पैसा ही नहीं रहेगा तो क्या रहेगा तो कैसे विकास का काम होगा तो अनेक प्रकार की योजनाएं चल रही हैं, तो हमलोग तो अपना हां जी0एस0टी0 तो हमलोग बोले ही हैं कि बिजली का अभी कोई-कोई मांग कर देते हैं तो हमलोग तो बोलते ही हैं शुरू से कि पूरे देश के हर राज्यों को एक ही दर मिलनी चाहिए और इसके लिए केंद्र में भी रखा गया है और जब मीटिंग होती है तो हमारे मंत्री जी भी जाते हैं तो उसमें इस बात को कहते हैं तो हर राज्य के लिए तो एक ही दर होनी चाहिए तो 'वन नेशन वन रेट' होनी चाहिए हर राज्य की तो एक ही दर होनी चाहिए सबके लिए तो हमलोगों को राज्य में

जानते न हैं बिहार में हमलोगों को पैसा ज्यादा लगता है और बाकी जगह पर कई विकसित राज्य हैं उनको पैसा कम लगता है तो हमलोग अविकसित हैं हमको ज्यादा पैसा लगेगा, और विकसित राज्यों को कम लगेगा तो इससे क्या मतलब है बोलिए, तो इस सबको अगर बराबर हो जाए तभी न सब बराबर ठीक होगा लेकिन अभी इस सब चीज को तो हमलोग बोलते रहते हैं तो अब तो भाई मीडिया वालों को भी प्रणाम, वे तो करेंगे क्या, उनपर तो ऐसा न कब्जा कर लिया है केंद्र सरकार कि बेचारे क्या करेंगे, थोड़ी सी मेरी बात एक बार बोल देंगे और उसके बाद कहबे नहीं करेंगे लेकिन अगर ये करें तो आप जरा खुद सोचिए न कि एक ही रेट न होनी चाहिए बिजली की हर राज्य में, केंद्र सरकार की भी होती है...

श्री गोपाल रविदास : डेढ़-डेढ़ लाख रुपये तक का बिल बढ़कर आ रहा है...

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : अभी तो आपको बता दिए आप सुने नहीं ? अब जो आपको बता रहे हैं कि जो प्रीपेड मीटर है तो वह सब चीज रहेगा तो उसके बाद इसकी कोई जरूरत ही नहीं आएगी तो आपलोगों को जो हम बता दिए हैं उसके बारे में भी अब हमारी बात ही नहीं सुन रहे हैं अब देख लीजिए अब वे दूसरे से बतिया रहे हैं, हमारी बात सुनिएगा तब न । तब प्रीपेड मीटर जो हम बता दिए अब वही रहेगा तो किसी को कोई नुकसान नहीं होगा, सबको फायदा होगा और जिसकी भी शिकायत है कि उसको ज्यादा पैसा लग गया उसकी जांच हो रही है और जांच करने के बाद अगर उसके ऊपर अन्याय हुआ है फिर तो उसको माफ तो कर ही दिया जाएगा लेकिन कोई गड़बड़ दिया है तो उसपर भी डिपार्टमेंट कार्रवाई करेगा तो यह सब बात तो हो ही रही है तो यही सब कहना है और महामहिम राज्यपाल महोदय के द्वारा जो अभिभाषण दिया गया है तो अब तो सरकार की कामना है कि समाज में प्रेम एवं भाईचारे का वातावरण कायम रहे और हमारा राज्य प्रगति के पथ पर अग्रसर रहे । राज्य सरकार बिहार के विकास एवं समाज के हर तबके के उत्थान के लिए दृढ़ संकल्पित है । बिहार का इतिहास गौरवशाली है हम बिहार के गौरव को उसी स्थान पर पुनः पहुंचाना चाहते हैं और आप सब लोगों ने भाग लिया हम आप सबको धन्यवाद देते हैं और मैं यही अनुरोध करता हूं कि महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के लिए उनके प्रति कृतज्ञता का प्रस्ताव सदन सर्वसम्मति से पारित करे । इन्हीं शब्दों के साथ बहुत-बहुत धन्यवाद ।

अध्यक्ष : अब सरकार का उत्तर समाप्त हुआ ।

माननीय सदस्यगण, महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर श्री भूदेव चौधरी, स0वि0स0 द्वारा प्रस्तुत किए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर माननीय नेता विरोधी दल श्री विजय कुमार सिन्हा द्वारा दिए गए संशोधनों पर विमर्श हुआ । अब मैं संशोधनों और मूल प्रस्ताव को लूंगा ।

क्या माननीय नेता विरोधी दल श्री विजय कुमार सिन्हा अपना संशोधन वापस लेना चाहते हैं ?

नहीं हैं ।

(माननीय नेता विरोधी दल अनुपस्थित)

अध्यक्ष : प्रश्न यह है कि

''धन्यवाद प्रस्ताव के अंत में माननीय नेता विरोधी दल श्री विजय कुमार सिन्हा द्वारा प्रस्तुत संशोधनों को जोड़ा जाय ।''

यह प्रस्ताव अस्वीकृत हुआ ।

अब मैं मूल प्रस्ताव लेता हूं ।

अध्यक्ष : प्रश्न यह है कि

''सदस्यगण इस अभिभाषण के लिए राज्यपाल के कृतज्ञ हैं ।''

यह प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

माननीय सदस्यगण, आज दिनांक-01 मार्च, 2023 के लिए स्वीकृत निवेदनों की कुल संख्या 35 है । अगर सदन की सहमति हो तो इन्हें संबंधित विभाग को भेज दिया जाय ।

(सदन की सहमति हुई)

अब सभा की बैठक वृहस्पतिवार, दिनांक-02 मार्च, 2023 के 11.00 बजे पूर्वाह्न तक के लिए स्थगित की जाती है ।

XXX - आसन के आदेशानुसार इस अंश को को विलोपित किया गया ।